धनबाद
मंगलवार 10.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-286 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-9
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

सदन में 80 विधायकों ने ली शपथ, मंत्रियों व विधायकों में दिखा जबरदस्त उत्साह, सभी ने झारखंड के विकास की बात कही

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया. सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले से पहले स्पीकर कक्ष में प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी का सीएम हेमंत सोरेन ने अभिवादन किया. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रोटेम स्पीकर का अभिवादन किया. दिन के ११ बजकर १५ मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई. सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने ने ८० नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई. सबसे पहले मंत्रियों को शपथ दिलाई गयी. इसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली. स्टीफन मरांडी मंगलवार को शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के ११ बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी.

स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन को शपथ दिलायी. इसके बाद राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, बोरियो विधायक धनजंय सोरेन, लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, पाकुड विधायक निसात आलम, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, नाला विधायक रविंद्र नाथ महतो, दुमका विधायक बसंत सोरेन समेत ८० विधायकों ने झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली.

अलग-अलग भाषाओं में विधायकों ने ली शपथ

हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली. इसके अलावा चंपाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली. वहीं कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली. जबकि पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली.

इस बार सदन में २१ नये चेहर दिखे. जो पहली बार विधायक बने हैं. सदन में पहली बार पहुंचने वाले विधायकों में रौशन लाल चौधरी, शुत्रध्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्ज्वल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं. वहीं १८ ऐसे सदस्य हैं, जो पहले विधायक रह चुके हैं. इसमें सबसे अधिक आठ भाजपा के हैं, जबकि छह झामुमो, तीन कांग्रेस के हैं. वहीं राजद, माले, आजसू व जेएलकेएम के एक-एक विधायक शामिल हैं. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन व सीपी सिंह लगातार सातवीं बार तो प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया.

दस विधायक तीसरी बार पहुंचे सदन

सदन पहुंचनेवाले विधायकों में दस ऐसे विधायक शामिल हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है. इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल है. पिछले विधानसभा के ४२ विधायक फिर से विधानसभा पहुंचे हैं. स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं. जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं. चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की. जीत का चौका लगानेवालों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपक विरुआ, चमरा लिंडा, और विधायक नवीन जायसवाल शामिल हैं. ▶▶ 8

सीएम हेमंत सोरेन ने मंत्रियों के लिए बने स्मार्ट सिटी का किया निरीक्षण

रांची (एजेंसी): सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए बने नवनिर्मित आवास का निरीक्षण किया. सीएम ने अफसरों को १५ जनवरी २०२५ तक आवास से जुड़े सभी कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया. बताते चलें कि स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए ११ आवास बनाए गए हैं.

मंत्रियों के बंग्लो का निर्माण पूरी तरह से वास्तु के हिसाब से किया गया है. सभी बंग्लो का मुख्य द्वार वास्तु के हिसाब से पूरब की ओर रखा गया है. दरवाजा-खिड़की भी वास्तु के हिसाब से फिट किए गए हैं.

बंग्ले में मंत्रियों की तंदुरूस्ती का भी ख्याल रखा गया है. इसमें स्विमिंग पुल, जिम, प्ले जोन, बॉलीबॉल, बैडमिंटन कोर्ट भी बनाए गए हैं. पूरे एरिया को हरा-भरा बनाया गया है. इसमें क्लब हाउस की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है.

प्रत्येक डुप्लेक्स का बिल्टअप एरिया ७५०० वर्गफीट है. २५०० वर्गफीट की मीटिंग रूम है। चारों ओर फोर लेन सड़कों की कनेक्टिवटी। मंत्रियों को प्रोजेक्ट भवन पहुंचने में दो से तीन मिनट का लगेगा समय। हर बंग्लो में सेंट्रलाइज एसी की है व्यवस्था। हर बंग्लो में कुल पांच बेडरूम होंगे। डाइनिंग हॉल, ड्राइंग रूम के साथ मॉड्यूलर स्मार्ट किचन की भी है व्यवस्था। आवास के निरीक्षण के दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास के प्रधान सचिव सुनील ▶▶ 8

संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक का नया गवर्नर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस): संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक का नया गवर्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के कार्यकाल में विस्तार नहीं किए जाने के बाद की गई है, जो लगातार मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ था।

संजय मल्होत्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तहत राजस्थान कैडर से अपनी सेवा शुरू की थी। वह अब रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद केंद्रीय बैंक की जिम्मेदारियां संभाली थी। संजय मल्होत्रा का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए होगा। संजय मल्होत्रा के पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अत्यधिक अनुभव है। उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके ▶▶ 8

सीएम हेमंत ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी जी को जन्मदिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और माननीय राज्यसभा सांसद आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार. मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं.

पीएम मोदी ने लांच की 'बीमा सखी योजना, ग्रामीण महिलाओं को बनाएगी आत्मनिर्भर

पानीपत (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के पानीपत में 'बीमा सखी योजना लांच की। यह योजना खासतौर पर ग्रामीण महिलाओं के लिए तैयार की गई है, ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। 'बीमा सखी योजना के तहत महिलाओं को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ बीमा एजेंट के रूप में काम करने का मौका मिलेगा। यह योजना तीन सालों तक महिलाओं को मासिक स्टाइपेंड और कमीशन-आधारित इंसेटिव देगी जिससे उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिलेगी। बीमा सखी योजना के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया काफी सरल है। महिलाओं की उम्र १८ से ७० साल के बीच होनी चाहिए और वे कम से कम १०वीं कक्षा पास की हो। हालांकि, एलआईसी एजेंटों या कर्मचारियों के रिश्तेदार, जैसे पति-पत्नी, बच्चे, माता-पिता, भाई-बहन या ससुराल वाले योजना के लिए आवेदन नहीं कर सकते। इसके अलावा, एलआईसी के पूर्व कर्मचारी या पूर्व एजेंट जो दोबारा नियुक्ति चाहते हैं, वे भी योजना के लिए पात्र नहीं है। योजना के तहत महिलाओं को तीन साल तक मासिक स्टाइपेंड मिलेगा। पहले साल ७,००० प्रति माह का स्टाइपेंड मिलेगा। दूसरे साल ६,००० प्रति माह का स्टाइपेंड मिलेगा, लेकिन इसके लिए शर्त है कि पहले साल पूरी की गई पॉलिसियों में से करीब ६५ प्रतिशत पॉलिसियां दूसरे साल के हर माह के अंत तक सक्रिय बनी रहें।

स्पीकर बनते ही रवींद्रनाथ महतो रच देंगे इतिहास

रांची (एजेंसी): नाला से विधायक रवींद्रनाथ महतो दूसरी बार स्पीकर बनते ही एक नया इतिहास रच देंगे. वे पहले ऐसे विधायक होंगे, जो दूसरी बार स्पीकर का दायित्व संभालेंगे. रवींद्र नाथ महतो ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि सीएम हेमंत सोरेन ने मेरे प्रति जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके लिए हार्दिक आभार. मेरा प्रयास रहेगा कि सदन में संवाद को अधिक सशक्त बनाते हुए आम सहमति से राज्यवासियों की आशाओं-अपेक्षाओं को पूरा करें.

रवींद्रनाथ महतो ने विधानसभा चुनाव में चौथी बार जीत हासिल की है. स्पीकर बनते ही वे इस मिथक को भी तोड़ देंगे, जिसमें हमेशा यह देखा जा रहा है कि कोई भी स्पीकर रहते दोबारा विधायक नहीं बनता. सिर्फ सीपी सिंह ने ही स्पीकर रहते दोबारा जीत हासिल की थी. लेकिन रवींद्र नाथ महतो दोबारा स्पीकर बनने जा रहे हैं.

रवींद्रनाथ महतो सबसे पहले नाला सीट से २००५ में जीत हासिल की थी। २००९ में रवींद्रनाथ महतो को शिकस्त मिली थी। २०१४, २०१९ और २०२४ में रवींद्रनाथ महतो ने लगातार जीत हासिल की।

महाराष्ट्र में शिंदे गुट को गृहमंत्रालय नहीं देगी भाजपा

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस के रुप में नया मुख्यमंत्री मिल चुका है, लेकिन अब तक मंत्रालयों को लेकर चर्चाएं जारी हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना को गृह मंत्रालय देने से मना कर दिया है। गुरुवार को हुए समारोह के दौरान फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने। रिपोर्ट में भाजपा के सूत्र के हवाले से बताया, भाजपा ने गठबंधन के साथ शिवसेना को दो कूट कह दिया है कि वह उन्हें गृहमंत्रालय नहीं दे सकती है।

आप बंगाल में कब्जा करेंगे और हम बैठकर लॉलीपॉप खाएंगे... बांग्लादेश मुद्दे पर दिखा ममता बनर्जी का रौद्र रूप

कोलकाता (एजेंसी): बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर भारत में विरोध-प्रदर्शन तेज हो रहे हैं. हिंसा का असर पश्चिम बंगाल, दिल्ली, ओडिशा और असम में देखा जा रहा है. इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है. ममता बनर्जी ने सोमवार को बंगाल विधानसभा में कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि वो बिहार पर कब्जा करेंगे. ओडिशा पर कब्जा करेंगे. मैं उनसे कहती हूं कि भाई आप अच्छे रहिए, स्वस्थ रहिए और सुंदर रहिए. आपमें तो क्या किसी में भी इतनी बड़ी हिम्मत नहीं है कि वो बांगला, बिहार और ओडिशा सब पर कब्जा कर लेंगे और हम बैठकर लॉलीपॉप खाएंगे. ऐसा सोचने की कोई जरूरत नहीं है.

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी रूहुल कबीर रिजवी ने रविवार को एक जनसभा में भारत को लेकर बयान दिया था. रिजवी ने कहा था, भारत हर कदम पर बांग्लादेश को नुकसान पहुंचा सकता है. उसने शेख हसीना को इसलिए शरण दी, क्योंकि उसे बांग्लादेश के लोग पसंद नहीं हैं. भारत किसी से दोस्ती नहीं कर सकता. रिजवी ने कहा था, अगर भारत चटगांव मांगता है, तो हम बंगाल, बिहार और ओडिशा वापस ले लेंगे. ममता बनर्जी ने इसी बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. ममता ने कहा, हम बहुत सर्तक लोग हैं. अविभाजित भारत के नागरिक हैं. हम हर चीज में सक्षम हैं, लेकिन हम सब्र रखना भी जानते हैं. बांग्लादेश की राजनीति ▶▶ 8

एनसीडब्ल्यू की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा भाजपा की राज्यसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और हरियाणा के राज्यसभा उम्मीदवारों की घोषणा की है । भाजपा ने आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैयाह, ओडिशा से सुजीत कुमार और हरियाणा से रेखा शर्मा पर दांव लगाया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा का कार्यकाल ६ अगस्त को समाप्त हो गया था। उच्च सदन के लिए चुनाव २० दिसंबर को होंगे और नतीजे भी उसी दिन घोषित किये जायेंगे. आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा राज्यसभा के लिए छह सदस्यों का चुनाव करेंगे।

मुंबई हवाई अड्डे पर लावारिस ड्रोन मिलने से मचा हड़कंप

मुंबई (ईएमएस): मुंबई हवाई अड्डे पर लावारिस ड्रोन मिलने से हड़कंप मच गया। बताया गया है कि एयरपोर्ट के अंदर पुराने एयर इंडिया हैंगर के टैक्सीवे के पास ड्रोन मिला जिसके बाद वहां हड़कंप मच गया। उधर ड्रोन मिलते ही पुलिस ने तुरंत एयरपोर्ट और आसपास के रिहायशी इलाके की जांच की। लेकिन ड्रोन ऑपरेटर का को कोई सुराग पास के हाथ नहीं लग सका। फिलहाल ड्रोन को जब्त कर लिया गया है और जांच चल रही है। दरअसल हवाईअड्डा परिसर के भीतर किसी भी प्रकार के ड्रोन या रिमोट कंट्रोल विमान उड़ाना सख्त वर्जित है। अब इस बात की जाँच चल रही है कि वहां ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से लाया?

झारखंड के पारा शिक्षकों की बल्ले-बल्ले नये साल से मिलेगा बढ़ा हुआ मानदेय

रांची (एजेंसी): राज्य के ५९ हजार पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापक) के लिए खुशखबरी है. नये साल (जनवरी) से पारा शिक्षकों को चार फीसदी बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा. स्कूली शिक्षा विभाग ने अगले तीन साल यानी २०२७ तक के लिए बढ़ोत्तरी की राशि तय कर दी है. जनवरी २०२५ से छठी से आठवीं कक्षा तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को २५,२०० रुपये मिलेंगे.

जनवरी २०२५ से कक्षा एक से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को २३,५३० रुपये मिलेंगे. सिर्फ प्रशिक्षित शिक्षकों, जो कक्षा छठी से आठवीं तक पढ़ाते हैं, को २०,३८४ रुपये मिलेंगे. आकलन परीक्षा पास पारा शिक्षकों को २१,७८८ रुपये दिये जायेंगे. सिर्फ प्रशिक्षित पारा शिक्षकों, जो कक्षा एक से पांच तक पढ़ाते हैं, को १८,८१६ रुपये दिये जायेंगे. इस कटैगरी में जो आकलन परीक्षा पास हैं, उन्हें २०,११२ रुपये मिलेंगे.

नोट : पारा शिक्षकों के मासिक मानदेय की गणना आकलन परीक्षा के परिणाम की तिथि २९ सितंबर २०२३ के आधार पर की गयी है.

वर्तमान में जनवरी २०२४ से कक्षा छठी से आठवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को २४,३०० और कक्षा पहली से पांचवीं तक पढ़ाने वाले टेट पास पारा शिक्षकों को २२,६८० दिये जा रहे हैं. वर्तमान में प्रशिक्षित पारा शिक्षकों (वर्ग छह से आठ) को १९,६५६, जबकि आकलन पास के बाद २१,००८ रुपये दिये जा रहे हैं. वर्तमान में सिर्फ प्रशिक्षित (वर्ग एक से पांच) पारा शिक्षकों को १८,१४४ रुपये और आकलन परीक्षा पास करने वाले को १९,३९२ दिये जा रहे हैं.

बांग्लादेश के मुद्दे पर राम मंदिर ट्रस्ट अयोध्या के न्यासी स्वामी गोविंददेव गिरि बोले-' घुसकर मारना है तो यही सही समय'

इन्दौर (ईएमएस): बांग्लादेश में नोबल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद युनूस भले ही अंतरिम सरकार का सर्वेसर्वा बन गया हो, यह बंदा इतना बिगडैल और शैतान प्रवृत्ति का है कि इसके कारनामों की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं इसके कार्यकलापों की घोर निंदा करता हूं और अब तो चारों ओर से आवाज आना चाहिए कि भारत सरकार को यदि घुसकर मारना है तो यही सही समय है, बांग्लादेश में घुसकर मारने में हमारी सरकार को कोई संकोच नहीं करना चाहिए।

राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी एवं कोषाध्यक्ष तथा श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास मथुरा के उपाध्यक्ष राष्ट्र संत स्वामी गोविंददेव गिरि ने सोमवार को गीता भवन में चल रहे ६७वें अ.भा. गीता जयंती महोत्सव की धर्मसभा के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बांग्लादेश में अत्यंत चिंताजनक स्थिति बन गई है, जिसकी घोर निंदा की जाना चाहिए। प्रचार माध्यमों से जो जानकारियां प्राप्त हो रही हैं, उसे देखते हुए यही कहूंगा कि अब देश में चारों ओर से आवाज आना चाहिए कि सरकार को घुसकर मारना है तो यही सही समय है। उन्होंने गीता भवन ट्रस्ट द्वारा बांग्लादेश सनातनधर्मियों पर में हो रहे अत्याचारों के विरोध में चलाए जाने वाले हस्ताक्षर अभियान का भी शुभारंभ किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी और अन्य पदाधिकारियों ने जब उनसे राष्ट्रपति के नाम तैयार ज्ञापन पर हस्ताक्षर का अनुरोध किया तो उन्होंने तत्काल प्रथम संत के रूप में हस्ताक्षर किए और कहा कि अब यह अभियान चारों ओर आवाज उठाने वाला बनना चाहिए। स्वामी गोविंददेव गिरि के अलावा इस ज्ञापन पर अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य जगदगुरू स्वामी रामदयाल महाराज ने भी आज हस्ताक्षर किए।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि म.प्र. के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के सभी जिलों में गीता भवन बनाने और उनके लिए २८७८ करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर करने का जो कदम उठाया है, वह अभिनंदनीय है। गीता एक धर्म निरपेक्ष ग्रंथ है और वास्तव में सरकार को चाहिए कि गीता पढ़ने वाले बच्चों को पुरस्कार भी दें और उनका उत्साहवर्धन करें। स्कूलों और कालेजों की किताबों में भी गीता को पाठ्यक्रम के रूप में निश्चित रूप से शामिल करना चाहिए। गीता किसी धर्म या पंथ विशेष का ग्रंथ नहीं, बल्कि प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी ग्रंथ है।

अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के बारे में उन्होंने कहा कि मंदिर का वार्षिकोत्सव २२ जनवरी को नहीं बल्कि ११ जनवरी को मनाया जाएगा, जिसे प्रतिष्ठा ▶▶ 8

माइनिंग के क्षेत्र में आगे आये महिलाएं : राज्यपाल

धनबाद (कासं) : धनबाद जिले का सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आईआईटी आइएसएम का सोमवार को ९९ साल पूरा हो गया है। संस्थान ने अपना ९९वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल हुए। आईआईटीआइएसएम पहुंचने पर जिला प्रशासन ने राज्यपाल को गॉड ऑफ ऑनर दिया। आईआईटी आई एसएम के डायरेक्टर प्रो. सुकुमार मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर प्रो.धीरज कुमार, डीसी माधवी मिश्रा, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी ने राज्यपाल का स्वागत किये। समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अलावे विशिष्ट अतिथि में कोल इण्डिया चेयरमैन पीएम प्रसाद एवं दुर्गापुर बर्नपुर सेल निदेशक विजिंदर प्रताप सिंह उपस्थित थे।

समारोह में संस्थान के समस्त फेकेल्टीज, स्टूडेंट्स एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं राज्यपाल ने पूर्ववर्ती छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। संस्थान ने राज्यपाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आईआईटी आइएसएम की स्थापना ९ दिसंबर १९२६ को हुई थी। संस्थान स्थापना के १००वें साल में प्रवेश कर रहा है। राज्यपाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी के पहले से ही ऐसे संस्थान देश के विकास के लिये कार्य कर रहा है। माइनिंग के क्षेत्र में महिलाएं भी आगे आये। आईआईटी आइएसएम के ९९ वां स्थापना दिवस में आकर अच्छा लगा है। संस्थान को इसके लिये बहुत बहुत बधाई है।

सफल सर्जरी के बाद मरीज को मिली नई जिंदगी

धनबाद (कासं) : एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल धनबाद में एक जटिल बाईपास सर्जरी के बाद एक मरीज़ ने अपनी नई ज़िंदगी की शुरुआत की है। मरीज़ जो पहले से ही १० साल पुरानी डायबिटीज, क्रॉनिक स्मोकिंग और सीओपीडी जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रही थी, ने अस्पताल में इलाज के बाद अब बिना किसी छाती में भारीपन के सामान्य जीवन जीना शुरू कर दिया है।

पटना में एंजियोग्राफी के दौरान मरीज़ को तीन महत्वपूर्ण नसों में क्रिटिकल ब्लॉकेज का पता चला था। इसके बाद, पटना, रांची और कोलकाता के प्रमुख अस्पतालों ने मरीज़ की उम्र को देखते हुए बाईपास सर्जरी करने से मना कर दिया था। ऐसे में मरीज़ और उनके परिवार को उम्मीद का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था। फिर, एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के अनुभवी हृदय विशेषज्ञ डॉ. श्रवण ने उनकी स्थिति का पूरी तरह से मूल्यांकन किया और सर्जरी की योजना बनाई।

डॉ. श्रवण और उनकी टीम ने मरीज़ की तीन प्रमुख नसों के ब्लॉकेज को बाईपास सर्जरी से सफलतापूर्वक खोल दिया। सर्जरी के बाद मरीज़ की हालत में सुधार हुआ और वे अब बिना किसी छाती में भारीपन के सामान्य जीवन जी रही हैं।

मरीज़ के परिवार ने अस्पताल के डॉक्टरों, विशेष रूप से डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. आनंद, डॉ. स्वपन और डॉ. नून का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन फिर से संजीवनी मिल गई है और वे अब पूरी उम्मीद और खुशियों के साथ अपनी ज़िंदगी जी रहे हैं।

हमारे अस्पताल का उद्देश्य हमेशा मरीज़ों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है और यह घटना इस बात का प्रमाण है कि हमारी टीम अपने कर्तव्यों में पूरी तरह से समर्पित है। डॉ. श्रवण और उनकी टीम को इस सफल सर्जरी के लिए बधाई दी गई।

ठेका मजदूर का विवाद खत्म

सिंदरी (ससे) : सिंदरी अडानी सीमेंट कंपनी में नए प्रोजेक्ट के अंतर्गत कार्यरत ठेका मजदूरों ने कंपनी का मुख्य गेट को जामकर करीबन दो घंटे अवरुद्ध कर दिया।

घटना के बारे में बताया गया कि रविवार को अडानी सीमेंट प्लांट परिसर के मजदूर आवास में रह रहे कुछ मजदूरों ने आपसी विवाद के चलते आपस में भिड़ गए। विवाद को बढ़ता देख सीमेंट प्लांट के नए बन रहे प्रोजेक्ट में सुरक्षा प्रमुख के रूप में कार्यरत सुनील सिंह ने मौके पर पहुंचकर विवाद को शांत करने की कोशिश की। मजदूर पक्ष के आरोपी राज विश्वकर्मा ने बताया कि सुनील सिंह ने उनके साथ मारपीट की जिसके कारण उनका फोन का स्क्रीन टूट गया। साथ ही कुछ रुपयों के छीनने की बात की।

आक्रोशित मजदूरों ने काम बंद कर अपनी कुछ मांगों के साथ सोमवार को कंपनी के मुख्य गेट को अवरुद्ध कर दिया। उनका कहना था कि ठोस पहल नहीं होगी तब तक मजदूरों का आन्दोलन जारी रहेगा। मजदूरों द्वारा बताया गया कि सुरक्षा प्रमुख उनसे माफी मांगे तथा दूसरा उसके द्वारा तोड़े गए फोन की मरम्मत करवाने की मांग किया। एवं उनके द्वारा छिने गए रुपए वापस करने की भी बातें कर रहे थे। दूसरे तरफ सुनील सिंह द्वारा बताया गया कि मजदूर मनगढ़ंत बातें कर रहे हैं। सीमेंट प्लांट द्वारा दी गई जानकारी पर शाम ३:०० बजे फैक्ट्री गेट पर सिंदरी थाना के पुलिस प्रशासन पहुंच कर राज विश्वकर्मा और सुनील सिंह से घटना की जानकारी ली। पुलिस की मध्यस्थता में पीड़ित राज विश्वकर्मा और सुनील सिंह के विवाद को समाप्त कराया गया।

सोलर पैनल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

धनबाद (ससे) : बरोरा पुलिस ने स्वास्थ्य उपकेंद्र पहाड़ीधर (झगराही) में सोलर लाइट के तीन पैनल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी किए गए तीनों सोलर पैनल भी बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के नाम रोहित कुमार हेम्ब्रम और मनोज कुमार राय हैं। दोनों आरोपी पहाड़ीधर (झगराही) के निवासी हैं। इस घटना में शामिल तीसरा आरोपी विकाश कुमार फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

३ दिसंबर को स्वास्थ्य उपकेंद्र पहाड़ीधर (झगराही) से सोलर पैनल चोरी की घटना सामने आई थी। डॉ. एस. राजू ने ८ दिसंबर को इस घटना की लिखित शिकायत बरोरा पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ८ दिसंबर की रात चोरी में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि तीसरा आरोपी विकाश कुमार अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बरोरा पुलिस की इस तेज कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है। पुलिस ने न सिर्फ चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया, बल्कि चोरी किए गए सोलर पैनल को भी बरामद कर लिया है, जिससे लोगों का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

इस्कॉन मंदिर में विशेष प्रार्थना सभा

धनबाद (कासं) : बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में सोमवार को इस्कॉन कुसुम विहार के द्वारा विशेष प्राथना का आयोजन की गई।

प्रार्थना सभा में सभी भक्तों ने हरि नाम जाप किया एवं कीर्तन कर भगवान से बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की और सभी देशवासियों को एक होने का निवेदन किया।

इस्कॉन कुसुम विहार प्रबंधक सुंदर गोविंद प्रभु ने सभी भक्तों से आग्रह किया कि वे धर्म को समझे अपने ग्रंथों का अध्ययन करें और एक रहे। अगर सभी सनातनी विभिन्न जात या समाज में नहीं बटकर एक रहे तो एक सकारात्मक विचार का माहौल बनेगा और सभी अपने धर्म की रक्षा कर सकेंगे। सभा के पश्चात भक्तों के मध्य प्रसाद का वितरण किया गया।

सोनियाा गांधी का मनाया गया जन्मदिन

गोविंदपुर (ससे) : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन गोविंदपुर प्रखंड कांग्रेस कमेटी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक कुमार सिंह की अगुवाई में सोमवार को निर्मला अस्पताल के कुष्ठ रोगियों के साथ मनाया। इस मौके पर केक काटा गया और कुष्ठ रोगियों को भोजन कराया गया। उनके बीच फल और मिठाइयां भी वितरित की गई। प्रखंड अध्यक्ष मनोज हाड़ी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए अशोक कुमार सिंह ने कहा कि देश के विकास और कांग्रेस को संगठित रखने में सोनिया गांधी ने अहम भूमिका अदा की है। वह केंद्र में विपक्ष की स्तंभ है।

उन्होंने कहा कि झारखंड से भाजपा के सफाये में कांग्रेसियों ने भी बड़ी भूमिका अदा की है। प्रखंड अध्यक्ष मनोज हाड़ी ने कहा कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसियों ने जी तोड़ मेहनत की है। इसी कारण यहां गठबंधन प्रत्याशी की जीत हुई। इस अवसर पर जिला महासचिव मोइन अंसारी, सिंदरी विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष टिंकू अंसारी, गुलाम मुंतका,मोलिन बाउरी, शयाम हाड़ी, देवनारायण पंडित, सुल्तान शाह, आफताब आलम, जाहिद अंसारी, हराधन पांडेय आदि शामिल थे।

BEFORE THE EXECUTIVE MAGISTRATE, DHANBAD

AFFIDAVIT

I, SUMAN KUMARI, D/o Deepak Saw, Date of Birth-16.03.2001, by faith-Hindu, by occupation-Student, resident of Near Thakur Bari Road Kendua Bazar, P.O.-Kusunda, P.S.-Kenduadih, Dist.- Dhanbad, State-Jharkhand, Pin-828116, do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows:-

1. That, my actual name is SUMAN KUMARI, which is mentioned in my Aadhar Card being No.- 8672 9678 2640.
2. That, in my Bank Passbook of Bank of India Kirkend Branch vide A/C No.- 472110510001903, where my name has been mentioned as SUMAN KUMARI GUPTA.
3. That, DEEPAK SAW and DIPAK GUPTA is my Father is same and one person i.e. my self.
4. That, SUMAN KUMARI and SUMAN KUMARI GUPTA is same and one Lady i.e. myself.
5. That, the averments made above are true to the best of my knowledge, faith and belief and nothing has been kept concealed or stated false herein above.
6. That, I affix my photograph for my proper identification.
7. That, I am swearing this affidavit for producing it before the competent authority for correction of my name SUMAN KUMARI in place of SUMAN KUMARI GUPTA in my aforesaid Bank Account for needful purposes.

Sl. No 36554 Date. 15/10/24

पान दुकान में चोरी, दुकानदारों में रोष

निरसा (ससे) : निरसा में विभिन्न कारोबारियों की बंद दुकानें एक बार फिर से अपराधियों के निशाने पर है। रविवार की रात अपराधियों ने शासन बेड़िया मोड़ पर स्थित अशोक मांझी की पान की दुकान में चोरी की। दुकान के ऊपर लगे एस्बेस्टस शीट को तोड़कर चोर अंदर घुसे और दुकान में रखा सारा सामान तथा नकदी लेकर चलते बने। सुबह जब अशोक ने अपनी दुकान खोली तो देखा की दुकान के ऊपर का एस्बेस्टस शीट टूटा हुआ है और गल्ले में रखे लगभग १५२० हजार नकदी चोरी कर ली गई है। कुछ कीमती सामान भी दुकान से गायब है. देखते ही देखते आसपास के लोग भी जुट गए और सभी ने चोरी की घटना को देखते हुए पुलिस को इसका जिम्मेवार बताया। बतातें चलें कि एक दिन पूर्व अपराधियों ने मुगमा मोड़ स्थित ज्वेलरी दुकान में भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना में अपराधियों को करीब ३ लाख की संपत्ति हाथ लगी थी।

अपराधियों के इस रवैये से स्थानीय दुकानदारों में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त हो गया है। बाजार वासियों का कहना है कि पुलिस रात्रि गश्ती में डंडी मारी कर रही है, जिसके कारण दुकानप्रतिष्ठान अपराधियों के निशाने पर हैं। बदमाश बेखौफ होकर गैस कटर से शटर को काटकर चोरी की घटना को अंजाम देते रहे और पुलिस चैन की नींद सोती रही। बता दें कि निरसा में अपराधियों पर कंट्रोल व लोगों की सुरक्षा के लिए ८१० लोगों का लगा रखा है। मजेदार बात यह कि थानेदार जिन लोगों को क्राइम कंट्रोल के लिए लगा रखा है इतिहास खंगालेंगे तो वे सभी कोयला चोर हैं. इससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि थानेदार के रडार पर नहीं बल्कि चोर के रडार पर हैं थानेदार। ऐसे में क्राइम कंट्रोल करने की बात करना बेमानी होगी।

विधायक चन्द्रदेव महतो को दी बधाई

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो सोमवार को विधानसभा में शपथ ग्रहण करने के बाद बलियापुर के लोगों में हर्ष है। उन्हें बधाई देने वालों में झामुमो किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष महावीर महतो, झामुमो केन्द्रीय सदस्य जग्गू महतो, चंडी चरण देव, समीर मुर्मू, राजेंद्र किस्कू, सूरजकांत सोरेन, हैदर अली, टार्जन हेंब्रम, नुनूलाल हेंब्रम, अब्दुल कादिर, विकाश आदि मौजूद थे।

गरीबों में कंबल वितरण व अलाव जलाने की मांग

धनबाद (कासं) : झामुमो (यू) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी वालिया ने उपायुक्त को पत्र देकर ठंड से बचाव के लिए गरीबों को कंबल देने एवं अलाव जलाने की मांग की है। उपायुक्त को दिये पत्र में श्री वालिया ने कहा है कि इन दिनों कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इससे गरीब तबके के लोगों की हालत खराब हो रही है। ठंड से बचने के लिए उसके पास प्रर्याप्त कपडे. और गरम वस्त्र नहीं है। जिस कारण वे लोग इस कड़ाके की सर्दी में परेशान हैं।

सरकार की ओर से फिलहाल अलाव की भी व्यवस्था अब तक नहीं की गई है। नतीजतन गरीब और बेबस लोग इस ठंड की रात बड़ी मुश्किल से काटने को मजबूर हैं। ये लोग जिला प्रशासन की ओर टकटकी लगाएं बैठे हैं कि कब उन्हें ठंड से बचने के लिए कंबल और अलाव की व्यवस्था करायी जायेगी।

श्री वालिया ने कहा है कि रेलवे स्टेशन के आसपास बड़ी संख्या में गरीब तबके के लोग रह रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा अब तक उन्हें ना तो अलाव की व्यवस्था की गई और ना ही कंबल ही दिया गया है। ऐसे में वे लोग इस ठंड भरी रात बड़ी मुश्किल से गुजारने को विवश है। श्री वालिया ने जिला प्रशासन से शीघ्र गरीबों को कंबल देने और जगहजगह एलाव जलाने की मांग की है।

बंग भाषा में शपथ लिए जाने पर विधायकों को बधाई

बलियापुर (ससे) : झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति की कार्यकारी अध्यक्ष रीना मंडल ने कहा कि मंत्री इरफान अंसारी, विधायक समीर महांती व अरूप चटर्जी द्वारा बंगला में विधानसभा सदस्य के रूप में

शपथ लिए जाने का स्वागत करती हूं। झारखंड में बंगला भाषी समाज की अहमियत को रेखांकित करता है। झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति शुरू से घोषणा कर चुकी है।

सांसद ढुलू महतो ने इस्पात मंत्री से की मुलाकात

धनबाद (कासं) : सांसद ढुलू महतो ने अपने लोकसभा क्षेत्र के बोकारो की जनता की समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए इस्पात और भारी उद्योग मंत्रालय के मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जनहित से जुड़े कई मुद्दों को लेकर संज्ञान पत्र सौंपा है। सांसद ने इस्पात उद्योग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की है।

सांसद महतो ने इन पत्रों में क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग पर जोर दिया है। उन्होंने पुराने और निष्क्रिय इस्पात संयंत्रों के पुनर्जीवन, नई परियोजनाओं के आरंभ, और क्षेत्र में उद्योगों के विस्तार की मांग की है। उन्होंने लिखा है कि इससे न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

ढुलू महतो ने यह भी मांग की है कि इस्पात उद्योग के सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचनाओं के विकास को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने क्षेत्र के आदिवासी और वंचित समुदायों की बेहतरी के लिए विशेष योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया है।

सांसद ढुलू महतो ने इस्पात मंत्री के समक्ष तथ्य उपलब्ध कराते हुए कहा है कि बीएसएल के ४३२८ अभ्यर्थियों का अप्रेंटिस सूचीबद्ध हुआ था। जिसमें से १५०० अभ्यर्थियों का नियोजन हुआ लेकिन बाकी का नहीं हो पाया था। बाकी बचे हुए अभ्यर्थियों को भी नियोजित किया जाए। साथ ही विस्थापन और पुनर्वास की नीतियों पर भी कई बातों को रखा है।

उन्होंने बीएसएल लैंड ऑनर्स फेडरेशन से प्राप्त प्रतिनिधित्व की एक प्रति संलग्न करते हुए मंत्री से क्षेत्र के मुद्दों को शीघ्र हल करने का भी अनुरोध किया है। श्री महतो ने मंत्रालय से संबंधित मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता जताई और इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द कदम उठाने का निर्देश देने की अपील की। सांसद महतो ने पत्र में यह भी कहा कि इन मुद्दों का समाधान स्थानीय जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उनकी समस्याओं का समाधान जल्द होना चाहिए।

सांसद श्री महतो ने जनता से कहा है, जनता के हितों की रक्षा करना और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं जनता की समस्याओं को हर संभव मंच पर उठाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उनकी इस पहल की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने इसे विकास की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। सांसद की सक्रियता ने उन्हें जनता के बीच एक जिम्मेदार और प्रभावी नेता के रूप में स्थापित किया है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जिला प्रशासन ने किया जीटी रोड का निरीक्षण

गोविंदपुर (ससे) : उपायुक्त के निर्देश पर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था पीयूष कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने गोविंदपुर में

जीटी रोड का निरीक्षण किया। टीम ने गोविंदपुर ऊपर बाजार मोड, सुभाष चौक एवं साहिबगंज मोड फकीरडीह का जायजा लिया। गोविंदपुर बाजार में अतिक्रमण को देखा एवं सड़क चौड़ीकरण कंपनी द्वारा पिछले दो दिनों में किए गए कार्यों की समीक्षा की।

डीसी के निर्देश पर यह टीम प्रतिदिन शाम में गोविंदपुर पहुंचेगी और कार्यों की समीक्षा करेगी। टीम में एसडीएम राजेश कुमार, सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे, डीएसपी मुख्यालय १ शंकर कामती, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह व एनएचआई अधिकारी शामिल थे। इधर सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे द्वारा जीटी रोड के दोनों ओर का सर्विस लेन खाली करने की समय सीमा सोमवार शाम समाप्त हो गई। अब मंगलवार दिन ११:०० बजे से जेसीबी लेकर सर्विस लेन से अतिक्रमण हटाया जाएगा और फुटपाथ दुकानदारों को माडा मैदान में घुसाया जाएगा। सीओ ने कहा कि माडा मैदान में सभी दुकानदारों को पांचपांच फीट जमीन दी जाएगी। अभी अनेक लोगों ने बड़ीबड़ी दुकान सजा कर रखी है। उसे छोटा कराया जाएगा और सभी को उसमें बसा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंगलवार को सुभाष चौक से सर्विस लेन का काम हर हाल में शुरू कर दिया जाएगा और जो सर्विस लेन खाली नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। एनएचआई की जमीन पर किसी का कैंजा रहने नहीं दिया जाएगा। डीसी के निर्देश के बाद गोविंदपुर थाना ने भी सर्विस लेन से वाहनों को हटाना शुरू कर दिया है मुख्य सचिव के निर्देश के ३ माह तक गोविंदपुर थाना ने वाहनों को नहीं हटाया था पर अब पुलिस ने वाहन हटाने का काम शुरू कर दिया है। डीसी ने जीटी रोड से अतिक्रमण हटाने में पुलिस को सीओ का सहयोग करने का निर्देश दिया है।

जवान की गोली लगने से मौत, टुंडी में था तैनात

धनबाद (कासं) : धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ कैंप में तैनात झारखंड पुलिस के हवलदार को गोली लग गई। गोली लगने के बाद उसे आनन फानन में एसएनएमएमसीएच अस्पताल धनबाद ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी एसपी अजीत कुमार, सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी समेत पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे। मृतक की पहचान नंदकिशोर सिंह के रूप में हुई। वह पलामू जिला का रहने वाला था और उनकी पोस्टिंग टुंडी थाना में हवलदार के तौर पर हुई थी। इस घटना से पुलिस लाइन में मातम पसर गया है। मौके पर सीटी एसपी अजीत कुमार ने बताया कि टुंडी थाना में हवलदार नंदकिशोर सिंह तैनात था। जहां गोली लगने से उसकी मौत हुई है। मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। बताया जा रहा है की जवान राइफल साफ कर रहा था इसी क्रम गोली चल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हॉस्पिटल ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई।

बारिश से किसानों का धान नुकसान

बलियापुर (ससे) : क्षेत्र में सोमवार को हुई बारिश से किसान चिंतित हैं। ८० किसान खेती पर निर्भर है। धान की कटनी शुरू ही हुई थी कि खेतों में धान के फसल जमीन के सतह पर आ गई। जिससे काफी संख्या में किसानों को काफी नुकसान हुआ है। क्षेत्र के कुछ किसानों ने धान फसल कटाई कर खलिहान में ले गए। बारिश से धान भींग गए। खलिहान लिपाई का भी बारिश से नुकसान पहुंचा है।

क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा गठित

धनबाद (कासं) : डिगवाडीह गुप्ता मेडिकल के पास जनहित कार्य के लिए आयोजित बैठक में क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मोर्चा के पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक की अध्यक्षता रामप्रवेश यादव ने की। इस बैठक में काफी संख्या में समाजसेवी, राजनीतिज्ञ बुद्धिजीवी उपस्थित थे। बैठक की चर्चा में झारखण्ड की आम जनता की समस्याओं से अवगत कराया गया। साथ ही लोगों की दर्जनों समस्याएं निकल कर सामने आई।

वंचितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सभी बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने निराकरण के सभी बिंदुओं पर एक साथ लड़ने के लिए आवाज़ उठाई। मोर्चा के सचिव व बैठक के संचालनकर्ता अनिल बाउरी ने कहा की मोर्चा का गठन जनहित के लिए है अगर जनहित के लिए लड़ाई लड़नी होगी तो मरते दम तक लड़ते रहेंगे।

आज तक जनहित कार्यों के लिए कोई मोर्चा नहीं बना है। ये पहली बार जनहित के कार्यों के लिए क्रांतिकारी वंचित जनवादी मोर्चा का गठन किया गया है। इस कार्य में महिला, पुरुष, बच्चे तथा शिक्षा से वंचित बच्चे, स्वास्थ्य से व आर्थिक स्थिति से कमज़ोर मजदूरों, बेरोजगारी जैसी अनेकों समस्याओं के समाधान को लेकर कार्य करेगी। अगर जनहित के कार्य के लिए सरकार से भी लड़नी पड़ी तो हम लोगों पीछे नहीं हटेंगे। मोर्चा के अध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने कहा समान काम का समान वेतन दिया जाए, पारा मेडिकल, पारा शिक्षक में से पारा नाम को जल्द जल्द हटाया जाए।

बैठक में मुख्य रूप से ओबीसी एससी एसटी एवं माइनॉरिटीके जिला महासचिव गोपाल यादव अपने संबोधन में कहा कि जनहित कार्यों के लिए सभी मोर्चा के साथ चले और लोगों का आवाज बुलंद करें।

बैठक में मुख्य रूप से रामप्रवेश यादव ओबीसी एससी एसटी जिला महासचिव व इस मोर्चा के मीडिया प्रभारी गोपाल यादव, शिवाजी सिंह यादव, उपाध्यक्ष हरिराम पंडित, महासचिव अनिल बाउरी, कोषाध्यक्ष शिवजी सिंह, सहसचिव अप्पू खान,रंजीत यादव, सैयद सुल्तान खान, अरमान अंसारी, मोतीलाल हेमराम, संतोष यादव, रामलाल महतो, मो. इरशाद, महेंद्र विश्वकर्मा समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकारणी सदस्य उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश, ओडिशा व हरियाणा के लिए राज्यसभा दावेदारों की सूची जारी

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। सूची में आंध्र प्रदेश, ओडिशा और हरियाणा के उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। भाजपा ने आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैयाह, ओडिशा से सुजीत कुमार और हरियाणा से रेखा शर्मा को उतारा है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा का कार्यकाल ६ अगस्त को समाप्त हो गया था। उनका कार्यकाल हमेशा विवादों से घिरा रहा और आरोप लगे कि उन्होंने महिलाओं के खिलाफ, खासकर भाजपा शासित राज्यों में होने वाले अत्याचारों को अनसुना किया। वे अगस्त २०१५ से आयोग की सदस्य थीं, फिर २०१८ में इसकी प्रमुख बनने से पहले २९ सितंबर २०१७ से अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला। एनसीडब्ल्यू के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति से पहले, शर्मा हरियाणा के लिए भाजपा जिला सचिव और मीडिया प्रभारी थीं। आंध्र प्रदेश में तीन, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा में एकएक सीट खाली थी। राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी के कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। पंवार का कार्यकाल १ अगस्त २०२८ तक था। बीजेपी इस सीट को बरकरार रखने के लिए तैयार है।

महर्षि मेंही आश्रम में साधना शिविर संपन्न

गोविंदपुर (ससे) : महर्षि मेंही आश्रम लाल बंगला गोविंदपुर में धनबाद जिला संतमत सत्संग समिति का ९ दिवसीय योग, ध्यान एवं साधना शिविर सोमवार को संपन्न हुआ। धनबाद जिला संतमत सत्संग समिति का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन मंगलवार और बुधवार को इसी आश्रम में होगा। योग एवं ध्यान शिविर में स्वामी राधे, स्वामी गंभीर आनंद, स्वामी रामप्रवेश, स्वामी बिंदु, रतन बाबा आदि ने योग एवं साधना की सीख श्रद्धालुओं को दी। संतमत सत्संग के जिला अध्यक्ष परमानंद प्रसाद एवं व्यवस्थापक स्वामी रतन बाबा ने कहा कि दो दिवसीय अधिवेशन में जिले के विभिन्न भागों के श्रद्धालु भाग लेंगे इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य स्वामी चतुरानंद महाराज विशेष रूप से भाग लेंगे। आश्रम श्रद्धालुओं के रहने की आवासीय व्यवस्था भी है।

कार पेड़ से टकराई, दो प्रशिक्षु पायलट की मौत

पुणे (ईएमएस) : महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक कार के पेड़ से टकराने के कारण उसपर सवार दो प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित बारामती स्थित 'रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग अकादमी' से संबद्ध प्रशिक्षु पायलट थे। बारामती-भिगवान रोड पर देर रात करीब साढ़े तीन बजे यह दुर्घटना नशे में वाहन चलाने के कारण हुई। पीड़ितों ने इसके पहले एक छोटी सी 'पार्टी' की थी। अधिकारी के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रशिक्षु पायलट तक्षु शर्मा और आदित्य कनासे (दोनों २१ वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया, ''उन्होंने अपने कमरे में एक छोटी सी 'पार्टी' की और शराब पी थी। वे रात्रि भोजन के बाद कार में घूमने निकले। वाहन के तेज गति से भिगवान की ओर जाते समय एक मोड़ पर चालक ने उसपर से नियंत्रण खो दिया और वाहन एक पेड़ से जा टकराया तथा पास में पाइपलाइन में फंस गया।''

सड़क दुर्घटना में अधिवक्ता घायल

बलियापुर (ससे) : पलानी मोड़ के पास सोमवार की देर शाम को सड़क दुर्घटना में भिखराजपुर गांव निवासी वरीय अधिवक्ता मोहम्मद समीम अहमद घायल हो गये। लोगों ने उसे इलाज के लिए धनबाद भेज दिया। अधिवक्ता श्री अहमद धनबाद कोर्ट से अपने चार पहिया वाहन से भिखराजपुर गांव आ रहे थे। इसी बीच पलानी मोड़ के पास हादसा हुआ। उनका चार पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

भीषण सड़क हादसे में 5 विद्यार्थियों समेत 7 लोगों की मौत

जूनागढ़ (ईएमएस) : जिले के मालिया हाटिना में आज सुबह भीषण सड़क हादसे में ५ विद्यार्थियों समेत ७ लोगों की मौत हो गई। दो कारों के बीच हुई टक्कर के बाद एक कार में लगी गैस की बोतल फटने से निकट की झुग्गी में आग लग गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस समेत दमकल की टीम मौके पर पहुंच गई और आगे की कार्यवाही शुरू की। हादसे के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक आज सुबह आठ बजे जूनागढ़वेरावल हाईवे पर मालिया हाटिना के भंडुरी गांव के दो कारों के बीच भीषण टक्कर हो गई। यह घटना उस समय हुई जब एक कार पुल की ओर जा रही थी और दूसरी आ रही थी। उस वक्त एक कार किसी कारणवश डिवाइडर कूदकर पुल की ओर से आ रही कार के साथ टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारें पलट गई। जब दो कारों की टक्कर हुई तो एक कार में लगी गैस की बोतल फट गई और पड़ोस की झोपड़ी में भी आग लग गई। इस हादसे में ५ विद्यार्थियों समेत ७ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में राजु कानजीभाई खूटण, विनु देवशीभाई वाळा, विक्रम कुवाडिया, वजु करशनभाई राठौड, धरम विजयभाई धरादेव, अक्षत समीरभाई दवे और ओम रजनीकांत मुगरा शामिल हैं। बताया जाता है कि मृतकों में ५ विद्यार्थी भी हैं जो परीक्षा देने जा रहे थे। लेकिन रास्ते में वे हादसे का शिकार हो गए। सुबहसुबह हाईवे पर दो कारों की टक्कर हो गई तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और बचाव कार्य के साथ ही पुलिस और १०८ को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बेड़े के साथ १०८ और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची अग्निशमन टीम ने झोपड़ी में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी।

भारत अपने ज्ञान, परंपरा व सदियों पुराने उपदेशों के आधार पर आगे बढ़ रहा है : पीएम मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद जिले में साणंद तहसील के लेखंबा स्थित रामकृष्ण मठ द्वारा सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मोदी ने इस अवसर पर कहा कि आज का भारत अपने ज्ञान, परंपरा व सदियों पुराने उपदेशों के आधार पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आधुनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत के हाल में बढ़ रहे वर्चस्व पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक विज्ञान के बहुत ही समर्थक स्वामी विवेकानंद मानते थे कि विज्ञान का महत्व केवल वस्तुओं या घटनाओं के वर्णन तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें प्रेरित करने एवं आगे ले जाने में भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में कदम, ढांचागत सुविधाओं के क्षेत्र में आधुनिक निर्माण तथा भारत द्वारा वैश्विक चुनौतियों के समाधान प्रदान किए जाने जैसी अनेक उपलब्धियों से भारत की पहचान को मान्यता मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद मानते थे कि युवा शक्ति देश की रीढ़ है। युवाओं की शक्ति के विषय में स्वामी विवेकानंद के उद्गारों का उल्लेख करते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है और हमें यह जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने जोड़ा कि भारत ने आज अमृतकाल की नई यात्रा शुरू की है और विकसित भारत का अचूक लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमें निर्धारित समयसीमा में यह लक्ष्य प्राप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे युवा राष्ट्र है।

उन्होंने आगे कहा कि आज भारत के युवाओं ने दुनिया में अपनी क्षमता तथा क्षमता का प्रमाण दिया है तथा भारत की युवा शक्ति ही विश्व की सबसे बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रही है और उन्होंने ही भारत के विकास की जिम्मेदारी संभाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज देश के पास समय व अवसर हैं। उन्होंने निर्माण के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व के लिए युवाओं को तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी व अन्य क्षेत्रों की तरह हमारे युवाओं को देश की राजनीति में भी नेतृत्व करने की जरूरत है। उन्होंने इस अवसर पर अपने संकल्प का उल्लेख किया कि आगामी समय में १ लाख प्रतिभाशाली व ऊर्जावान युवाओं को राजनीति में लाने के सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि ये युवा २१वीं शताब्दी की भारतीय राजनीति तथा देश के भविष्य का नया चेहरा बनेंगे। उन्होंने अध्यात्म तथा सातत्यपूर्ण विकास पर बल देते हुए कहा कि पृथ्वी को श्रेष्ठ बनाने के लिए याद रखने योग्य दो महत्वपूर्ण विचार हैं। इन दोनों विचारों के बीच समन्वय साधकर हम अधिक अच्छे भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्वामी विवेकानंद अध्यात्म के व्यावहारिक पहलू पर बल देते थे तथा समाज की आवश्यकताएं पूर्ण कर सकने वाला अध्यात्म चाहते थे। विचारों की शुद्धता के साथ स्वामी विवेकानंद आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने पर भी बल देते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण एवं पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखकर स्थायी विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। नरेन्द्र मोदी ने कहा स्वामी विवेकानंद के विचार इस लक्ष्य तक पहुंचने में हमें मार्गदर्शन देंगे।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सफलपूर्वक टेस्ट लैंडिंग

नई दिल्ली (ईएमएस) : उत्तरप्रदेश के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को फ्लाइट की सफलपूर्वक टेस्ट लैंडिंग हुई। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट संख्या ए३२० नियो ने नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग की। एयरपोर्ट पर विमान का वॉटर कैनन से स्वागत किया गया। ये एयरपोर्ट अप्रैल २०२५ से कमर्शियल उड़ानों के लिए खुल जाएगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) ने अप्रैल २०२५ में हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण आयोजित किया। एनआईएएल ने अगले साल १७ अप्रैल २०२५ को हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले आज पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण किया। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइन का एक परीक्षण विमान तकनीकी मूल्यांकन के लिए नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। अगले साल अप्रैल २०२५ में वाणिज्यिक उड़ान संचालन शुरू होने से पहले ये विमान तकनीकी मूल्यांकन के लिए जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट पर सुरक्षा से जुड़े सभी परीक्षण पूरे हो गए हैं। नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने शुभारंभ के लिए तैयार है। अप्रैल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों गंतव्यों के लिए करीब ३० उड़ानें रवाना होने की उम्मीद है। इसके पहले चरण में प्रमुख घरेलू शहरों को जोड़ने वाली २५ उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए तीन उड़ानें होंगी। इसके अलावा दो उड़ानें कार्गो सेवाओं पर केंद्रित होंगी।

उल्लेखनीय है कि नोएडा एयरपोर्ट पर ३९०० मीटर लंबा एवं ६० मीटर चौड़ा पहला रनवे तैयार है। रनवे पर मार्किंग और लाइटिंग का कार्य पूरा हो चुका है।

महाभारत का प्रत्येक पात्र एक अद्वितीय गुण का प्रतीक है : योगानंदजी

रांची (ससे) : भारत के बच्चों ने अपने बचपन में जितनी भी कहानियां सुनी हैं, उनमें से महाभारत की कथा ने उन्हें अनेक सदियों से सबसे अधिक आकर्षित किया है। महाभारत-कथा, कथानक, उपकथानकों, पात्रों और छलकपट इत्यादि विविध जटिलताओं से पूर्ण है। तथापि इसका सार गीता के सन्देश में निहित है। श्रीमद्भगवद्गीता स्वयं भगवान् द्वारा अपने भक्त महान् पाण्डव योद्धा अर्जुन को प्रदान किये गए कालातीत, युगान्तरकारी और शाश्वत एवं दिव्य धर्मोपदेश की एक अत्यन्त उत्कृष्ट प्रस्तुति है।

ऐसा सत्य ही कहा गया है कि एक भक्त किसी समय में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के जिस चरण में होता है, श्रीमद्भगवद्गीता यात्रा के उस खण्ड पर अपना प्रकाश डालती है। प्रत्येक वर्ष दिसम्बर के महीने में सम्पूर्ण विश्व में गीता जयन्ती मनाई जाती है और विशेष रूप से इस अवधि में ज्ञानीजन इस महान् ग्रन्थ में निहित गहन विषयों पर प्रकाश डालते हैं।

जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन अपने ही सम्बन्धियों के विरुद्ध युद्ध करने के लिए इच्छुक नहीं थे तथा विषाद की स्थिति में थे, तो प्रत्युत्तर में भगवान् श्रीकृष्ण ने उन्हें अपने रूपान्तरकारी एवं प्रेरक शब्दों के साथ परम सत्य का उपदेश दिया। श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा रचित पुस्तक ईश्वरअर्जुन संवाद श्रीमद्भगवद्गीता और उसमें अन्तर्निहित सन्देश की एक अत्यन्त गहन आध्यात्मिक व्याख्या है। योगानन्दजी ने वैश्विक स्तर पर अत्यन्त लोकप्रिय पुस्तक, योगी कथामृत तथा अनेक अन्य अत्यधिक प्रेरणादायक आध्यात्मिक पुस्तकों का भी लेखन किया है।

दो खण्डों वाली पुस्तक

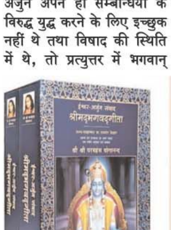

श्री श्री परमहंस योगानन्द

ईश्वरअर्जुन संवाद में योगानन्दजी ने गीता के ७०० श्लोकों के वास्तविक महत्व का विस्तृत विश्लेषण किया है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए दिव्य उपदेश का सार यह है कि हम सब आत्मा हैं, शरीर नहीं, और अन्ततः हमारे भीतर विद्यमान पाण्डवों को हमारे भीतर विद्यमान कौरवों पर विजय प्राप्त करनी होगी, ताकि आत्मा जन्म और मृत्यु के अन्तहीन चक्रों से मुक्त हो सके।

भगवान् ने जिस प्रकार अपने शिष्य अर्जुन को सर्वोच्च युद्ध लड़ने का परामर्श दिया था, उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य को अपने अहंकार, आदतों, क्रोध, बुराई, वासना और भौतिक इच्छाओं पर विजय पाने का प्रयास करना चाहिए, ताकि वह अन्तिम मोक्ष प्राप्त कर सके। योगानन्दजी बताते हैं कि महाभारत का प्रत्येक पात्र एक अद्वितीय गुण का प्रतीक है, जिसे हमें पराजित करना है अथवा उसका पोषण करना है-यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह गुण अन्दर विद्यमान दुष्ट कौरवों का प्रतिनिधित्व करता है या नेक पाण्डवों का।

योगानन्दजी की क्रियायोग शिक्षाओं में गीता का मूल सन्देश निहित है। क्रियायोग आत्मसाक्षात्कार का सर्वोच्च मार्ग है। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) द्वारा प्रकाशित योगानन्दजी की गृह अध्ययन पाठमाला में क्रियायोग ध्यान प्रविधियों के विषय में चरणबद्ध निर्देश सम्मिलित हैं। यह योगदा सत्संग पाठमाला सभी सत्यान्वेषियों के लिए उपलब्ध है तथा इस पाठमाला के माध्यम से लाखों भक्तों ने अपनी आध्यात्मिक खोज को तीव्र करने की क्षमता प्राप्त की है।

श्रीमद्भगवद्गीता में ध्यान की इस उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रविधि क्रियायोग का दो बार उल्लेख किया गया है। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी की लीला के माध्यम से मानवजाति ने पुनः इसकी खोज की। बाबाजी ने अपने शिष्य और योगानन्दजी के परम गुरु लाहिड़ी महाशय को इसका ज्ञान प्रदान किया। लाहिड़ी महाशय ने स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि को क्रियायोग की दीक्षा प्रदान की और तत्पश्चात उन्होंने अपने प्रमुख शिष्य योगानन्दजी को दीक्षा प्रदान की। भारत में एक कहावत है, जहां कृष्ण हैं। वहाँ विजय है। वस्तुतः वे लोग अत्यन्त भाग्यशाली हैं, जिन्होंने अपनी जीवनशैली का निर्माण गीता की शिक्षाओं के अनुरूप किया है।

संपादकीय

डबल इंजन की ताकत-फिर भी सुलगता मणिपुर

मणिपुर में रह-रह कर कुछ अंतराल के बाद हो रही बर्बर हिंसा शर्मसार कर देती है। बीते बरस 3 मई से शुरू हुई इस हिंसा को रोकने में नाकामयाबी पर भले ही जो राजनीतिक बयानबाजी हो लेकिन मणिपुर में मचे हैवानियत के नंगे नाच से दुनिया भर में कहे-अनकहे जो भी संदेश जा रहा है वह ठीक नहीं है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी स्थानीय जातीय हिंसा में अब तक 258 लोगों ने जान गंवा दी। उससे भी ज्यादा दुखद यह कि कई घटनाओं ने देश-दुनिया को शर्मसार किया। जिरीबाम जिले के बोरोबेकरा क्षेत्र से 3 महिलाओं और 3 बच्चों का 11 नवंबर को अपहरण हुआ।

15 से 18 नवंबर के बीच उनके शव जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में मिले। इस दौरान अपहृतों के साथ हैवानियत की ऐसी हदें पार की गईं कि पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टर भी सिहर गए। बच्चे के चेहरे पर गोलियां मारीं फिर भी जी नहीं भरा तो पूरे शरीर पर हमला किया। बच्चे की आंखें तक निकाल लीं। छाती पर काटने के निशान मिले। पसलियां टूटी हुई थीं। बाकियों का भी कमोबेश यही हाल रहा। गोलियों से दिल, फेफड़े और पसलियां कट गईं। पेट फट गए। बाहें चीथड़ों में बदल गईं। खोपड़ी को वजन से कुचला गया। हड्डियां चूर-चूर की गईं और मस्तिष्क को क्षत-विक्षत। इसे पुलिस स्टेशन और विधायकों के आवासों पर बड़ा हमला माना गया।

भुक्तभोगियों की आपबीती सुनने पर रौंगटे खड़े हो जाते हैं। लोग खेतों या सुनसान इलाकों में छिपकर जान बचाते रहे तो हमलावर गाडियों में भर-भरकर आते और अंधाधुंध गोलियां बरसा कर जो भी मिलता है मारते, बर्बरता करते और

अपहरण कर साथ ले जाते। यह उस मणिपुर की मौजूदा हकीकत है जहां मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग पर 3 मई से जारी इ्क्षहसा थमने का नाम नहीं ले रही है।

मणिपुर की लड़ाई जातिगत है जो जनसंख्या आधारित वर्चस्व की भी है। मौजूदा विधानसभा में 60 में 40 विधायक मैतेई समुदाय से हैं और 20 विधायक नागा-कुकी जनजाति से। राजनीतिक लाभ-हानि और प्रभुत्व की लड़ाई में कौन भारी दिखे असल लड़ाई यही है। नागा-कुकी दोनों जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोधी हैं। इनका तर्क है कि पहले ही 60 में से 40 विधानसभा सीटें मैतेई बहुल इंफाल घाटी में हैं। ऐसे में अनुसूचित जनजाति वर्ग में मैतेई को आरक्षण मिलने से उनके अधिकार भी बंट जाएंगे।

मैतेई समुदाय की धारणा है कि जब वह बहुसंख्यक हैं तो क्षेत्रीय अखंडता से कैसे समझौता कर लें? वह सोचते हैं कि अपने लिए अगर अलग प्रशासन और व्यवस्थाओं की नीयत रखते हैं तो बुरा क्या है? वहीं कुकी समुदाय भी राजनीतिक प्रभुत्व के वशीभूत होकर मनमाफिक प्रशासन चाहते हैं। मणिपुर की जनसंख्या लगभग 38 लाख है। प्रमुख रूप से तीन समुदाय हैं। मैतेई, नागा और कुकी। मणिपुर में ज्यादातर मैतई हिंदू हैं जिनकी जनसंख्या लगभग 52 से 64.6 प्रतिशत के बीच है। नागा-कुकी ज्यादातर ईसाई धर्म को मानते हैं और अनुसूचित जनजाति वर्ग में आते हैं। इनकी जनसंख्या लगभग 34 प्रतिशत है।

लगभग 10 प्रतिशत इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई बहुल तो नागा-कुकी जनसंख्या राज्य के करीब 90 प्रतिशत इलाके में है। हकीकत में आंकड़ों में दिख रही वर्चस्व की यही लड़ाई वहां गुटीय होकर आपसी हिंसा में तबदील हो गई है। उदाहरण हैं कि केन्द्र ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर हर कहीं विद्रोह, विद्रोहियों, नक्सलवाद, आतंकवाद की कमर तोड़ी है। चाहे पंजाब, जम्मू-कश्मीर का आतंकवाद हो या बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, दक्षिण भारत सहित पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों का नक्सलवाद जिसने ऐसी जड़ें जमाई थीं कि तमाम राज्य सरकारों की नाक में दम कर रखा था। हां, मणिपुर हिंसा की तुलना नक्सलवाद, अर्बन नक्सलवाद या उग्रवाद से करना बेमानी होगी। सच्चाई स्वीकारनी होगी कि इसे समझने में या तो देरी हुई या समझ कर भी अनजान रहे? भले ही कहें कि मणिपुर की समस्याएं विरासत में मिली हैं लेकिन हैं तो नासूर। कम से कम पूरे देश में अपना परचम फहराने की मंशा रखने और लगभग कामयाबी हासिल करने वाले दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा को जरूर सोचना होगा कि डबल इंजन की ताकत और 60 में से 37 विधायक होने के बावजूद मणिपुर क्यों सुलग रहा है?

भारत-बांग्लादेश के बीच रिश्ते कब सामान्य होंगे?

शोभना जैन

कुछ समय पूर्व भारत के साथ प्रगाढ़ संबंध वाले बांग्लादेश में हाल में शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट और यूनुस सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद से वहां भारत विरोधी तौर-तरीकों, विशेष तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के चलते संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं. भारत वहां अल्पसंख्यकों, विशेषतौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर लगातार चिंता जता रहा है. भारत-बांग्लादेश अनेक मर्तबा उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरते रहे हैं लेकिन कुल-मिलाकर रिश्ते दोस्ताना ही रहे. हाल के कुछ वर्षों में, विशेष तौर पर शेख हसीना के कार्यकाल के समय दोनों देशों के संबंधों को नई गति मिली, विभिन्न क्षेत्रों मे द्विपक्षीय सहयोग बढ़ा. लेकिन गत अगस्त मे शेख हसीना सरकार के तख्तापलट और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के बनने के बाद भारत-बांग्लादेश के संबंधों में कड़वाहट शुरू हुई और पिछले दिनों वहां हिंदू अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, उन के घरों, मंदिरों पर बढ़ते हमलों और आगजनी की घटनाओं के बीच हाल ही में वहां इस्कॉन के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के बीच तनातनी काफी बढ़ गई है. आखिर भारत के बेहद करीबी रहे बांग्लादेश के साथ रिश्ते कब फिर से उसी मुकाम पर पहुंचेंगे, रिश्तों में ये तल्खियां कब खत्म होंगी? लगता तो यही है कि जब तक वहां चुनाव नही होते तब तक संबंध सामान्य नही होंगे. भारत और बांग्लादेश चार हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबी सीमा साझा करते हैं और दोनों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते हैं. बांग्लादेश की सीमा भारत और म्यांमार से लगती है लेकिन उसकी 94 प्रतिशत सीमा भारत से लगती है. बीते कुछ सालों में बांग्लादेश भारत के लिए एक बड़ा बाजार बनकर उभरा है. दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है और भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है. बहरहाल बेहद तनावपूर्ण आंतरिक असंतोष से गुजर रहे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है, उससे न केवल भारत बल्कि इंग्लैंड ने भी कूटनीतिक स्तर पर गहरी चिंता जताई है. उम्मीद की जानी चाहिए कि न केवल यूनुस सरकार बल्कि वहां आम चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार दोनों देशों की जनता के बीच अपनेपन से भरे गहरे भावनात्मक, सामाजिक रिश्तों के साथ द्विपक्षीय सहयोग की महत्ता समझेगी. देखना होगा कि चुनावों तक क्या रिश्तों में तल्खियां यूं ही जारी रहेंगी और फिर चुनावों के बाद नई सरकार भारत के साथ सकारात्मक सोच के साथ कैसे रिश्ते रखती है.

आज का कार्टून

राहुल गांधी के लिए कठिन है आगे की राह?

असम कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह और राहुल गांधी द्वारा समय रहते जीत की रणनीति तैयार न कर पाना पार्टी के राज्य में जीत न पाने की कुछ वजहें हो सकती हैं। तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और केरल में कांग्रेस भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में शामिल नहीं है। इन राज्यों में भी अप्रैल-मई 2026 में चुनाव होने हैं। महाराष्ट्र में चुनाव संपन्न होने के साथ, अब भाजपा वर्तमान अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के स्थान पर अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा के नेता भी हैं। पूरी संभावना है कि अगले दो महीनों के भीतर नए भाजपा प्रमुख द्वारा पदभार संभाल लिया जाएगा। 'संघ परिवार' के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि अगले भाजपा प्रमुख को दो प्रमुख मानदंडों को पूरा करना होगा।

हरीश गुप्ता

हरियाणा और महाराष्ट्र में लगातार दो शर्मनाक पराजय के बाद राहुल गांधी के लिए चिंतित होने की वजहें हैं। कांग्रेस को फरवरी 2025 की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोई उम्मीद नहीं है। जून 2024 में लोकसभा में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पार्टी सातवें आसमान पर थी। उसने हरियाणा में लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन किया था और उम्मीद थी कि यह व्यवस्था आने वाले सालों में भी जारी रहेगी। लेकिन कांग्रेस अनिच्छुक हो गई और अब आप के अरविंद केजरीवाल ने घोषणा कर दी है कि कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। हो सकता है कि महाराष्ट्र में हार के बाद बदले राजनीतिक माहौल में 'सीटों के तालमेल' की गुंजाइश हो।

ऐसी खबरें हैं कि दिल्ली में फिर से उभर रही भाजपा बाजी पलट सकती है, जहां केजरीवाल को 40 करोड़ रुपए का 'शीश महल' (नया सीएम बंगला) महंगा पड़ा है। कांग्रेस जानती है कि बिहार में भी उसका कोई मजबूत आधार नहीं है और वह राजद पर निर्भर है, जो अपनी कानूनी समस्याओं से जूझ रही है। बिहार विधानसभा चुनाव नवंबर 2025 में होने हैं और एनडीए मजबूत स्थिति में दिख रहा है।

भाजपा ने राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व के साथ समझौता कर लिया है। इन सब बातों ने राहुल गांधी के लिए परेशानी खड़ी कर दी है क्योंकि मार्च 2026 में असम में कांग्रेस का आमना-सामना भाजपा से होने वाला है। असम में कांग्रेस के कार्यकर्ता और मध्यम स्तर के नेता चिंतित हैं क्योंकि पार्टी को भाजपा के खिलाफ इसी तरह का हश्र झेलना पड़ सकता है।

कहा जा रहा है कि असम कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह और राहुल गांधी द्वारा समय रहते जीत की रणनीति तैयार न कर पाना पार्टी के राज्य में जीत न पाने की कुछ वजहें हो सकती हैं। तमिलनाडु, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और केरल में कांग्रेस भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में शामिल नहीं है। इन राज्यों में भी अप्रैल-मई 2026 में चुनाव होने हैं।

महाराष्ट्र में चुनाव संपन्न होने के साथ, अब भाजपा वर्तमान अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के स्थान पर अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा के नेता भी हैं। पूरी संभावना है कि अगले दो महीनों के भीतर नए भाजपा प्रमुख द्वारा पदभार संभाल लिया जाएगा। 'संघ परिवार' के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि अगले भाजपा प्रमुख को दो प्रमुख मानदंडों को पूरा करना होगा।

पहला यह कि वह एक पक्का आरएसएस स्वयंसेवक होना चाहिए। दूसरा यह कि उसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वासपात्र भी होना चाहिए। पार्टी के सुचारु संचालन और सरकार के साथ समन्वय के लिए यह आवश्यक है। सूत्रों का

कहना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के बहुमत खोने के बाद आरएसएस की आवाज महत्वपूर्ण हो गई है। इसलिए नड्डा के उत्तराधिकारी को चुनने में कुछ देरी हुई है।

हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के बाद कुछ नेताओं का ग्राफ आसमान छू गया है, जैसे; केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और धर्मेंद्र प्रधान, जो क्रमशः महाराष्ट्र और हरियाणा के प्रभारी थे। हालांकि मोदी के एक और चहेते अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री, यादव के साथ रणनीति बनाने का हिस्सा थे, लेकिन पार्टी में अपेक्षाकृत नए होने के कारण वे दौड़ में नहीं हैं।

दिलचस्प बात यह है कि यादव और वैष्णव की जोड़ी ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान मध्य प्रदेश में भी जीत हासिल की थी। मध्य प्रदेश में, भाजपा ने सभी 29 लोकसभा सीटें भी जीतीं। यह अलग बात है कि शिवराज सिंह चौहान, जो भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे ऊपर थे, झारखंड में हार के बाद पिछड़ गए। उन्हें झटका तब लगा जब भाजपा ने झारखंड खो दिया, हालांकि वे राज्य विधानसभा चुनावों के लिए हिमंत बिस्वा सरमा के साथ प्रभारी थे। इस बात की भी काफी अटकलें हैं कि दक्षिण से कोई नेता उनकी जगह ले सकता है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गिरती सेहत के मद्देनजर चिंतित जनता दल (यू) के नेताओं ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। पार्टी में कोई स्वीकार्य दूसरा व्यक्ति न होने के कारण पार्टी को एकजुट रखने के लिए खोज तेज कर दी गई है। पटना में इस बात की जोरदार अफवाह है कि नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति में लाने के लिए अत्यधिक दबाव में हैं, जो एक बड़ी दुविधा का सामना कर रहे हैं क्योंकि वे हमेशा राजनीति में 'परिवारवाद' के खिलाफ रहे हैं।

निशांत, जो एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के पूर्व छात्र हैं, चकाचौंध और राजनीतिक आयोजनों से दूर रहते हैं। 49 वर्षीय निशांत ने कुछ समय पहले स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्होंने अध्यात्म का मार्ग चुना है और उन्हें राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है।

उन्होंने बाजार में देखे जाने पर अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की और कहा कि वे एक ऑडियो सेट खरीदने आए थे क्योंकि वे अपने मोबाइल फोन पर 'हरे रामा हरे कृष्णा' सुनना चाहते थे, जिसकी आवाज कम है। जब भी वे पटना की सड़कों पर निकलते हैं, तो सुरक्षाकर्मी हमेशा उनके साथ होते हैं।

कुछ समय पहले उन्हें स्थानीय इलाके में एक पौधा लगाते हुए भी देखा गया था। दिग्गज राजनेता के बेटे के उत्थान पर अंतिम फैसला होना अभी बाकी है। लेकिन जद (यू) के पास भी विकल्प नहीं हैं। नीतीश कुमार ने पहले जिसे भी अपना संकटमोचक प्रभारी बताया था, उसके साथ लौटने के सारे दरवाजे बंद कर दिए; चाहे वह आरसीपी सिंह हों या अन्य।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और पार्टी के नए चहेते और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा को भी नीतीश के उत्तराधिकारी के रूप में नहीं देखा जा रहा है। दरअसल नीतीश कुमार के बेटे को लाने की मांग के पीछे का उद्देश्य किसी भी आकस्मिक घटना की स्थिति में बागडोर संभालने की आकांक्षा रखने वाले अन्य नेताओं की संभावना को दूर करना है। अगले वर्ष 2025 में होने वाला विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

धन और बल से जीवन और मृत्यु को नियंत्रित करना संभव नहीं

कहते है कि ययाति ने हजार वर्ष तक विषय भोग में लिप्त रहकर चक्रवर्ती सम्राट के रूप में राज किया। एक दिन उसे वैराग्य हुआ। इस क्रम में उसका बुढ़ापा झेल रहे पुत्र पुरु को उसकी जवानी लौटा दी और उसे राजा बनाकर अपनी दोनों पत्नियों के साथ वन चले गए। वहां शरीर नष्ट होने दिया और मानव शरीर से मुक्ति पाई। यह श्रृंखला पुरु के वंशजों, राजा दुष्यंत और राजा भरत तक जाती है जिनके नाम पर हमारा देश भारत वर्ष कहलाता है। आज का युग वैज्ञानिक सोच का है। विज्ञान ने ऐसी चीजों को सिद्ध किया है और कल्पना करते ही सामने प्रस्तुत भी किया है जिनके सामने बुद्धि चकरघिन्नी बन जाए। लेकिन आजतक कोई भी किसी की आयु की गणना नहीं कर पाया है।

पूरन चंद सरीन

पिछले दिनों अमरीका के एक अरबपति ब्रायन जॉनसन के भारत आने की चर्चा थी। उसका आना कोई विशेष घटना नहीं थी बल्कि यह था कि यह अपने को 18 वर्ष की आयु का ही रखना चाहता है चाहे उसकी वास्तविक उम्र कितनी भी हो। अभी वह 60-70 के आसपास होगा। अब क्योंकि वह बहुत अमीर है तो सभी तरह के साधन उसके पास हैं। वह चिरयुवा बने रहने के लिए लगभग 20 करोड़ रुपए हर साल खर्च करता है। खाना-पीना सब कुछ एकदम नियंत्रित, नापतोल और कब क्या लेना है उसका पूरा चार्ट, पालन करने को कर्मचारियों की फौज। सुबह 11 बजे दिन का अंतिम भोजन, उसके बाद 100 के आसपास गोलियां खाना। नियत समय पर नियंत्रित वातावरण में जिसमें रोशनी से लेकर बिस्तर तक का आकार और उसकी बनावट शामिल है, नपी तुली नींद, जो आती है या नहीं, वही जाने क्योंकि वह अकेला सोता है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार चिरंजीवी या अमर अर्थात् जिनकी न मृत्यु हुई और न होगी, उनमें रामभक्त हनुमान, परशुराम, अश्वत्थामा, विभीषण, ऋषि व्यास, दैत्य राज बाली, गुरु कृपाचार्य, ऋषि मार्कण्डेय हैं। कहते हैं कि ये सभी पृथ्वी पर कहीं न कहीं वास कर रहे हैं। अनेक कथाएं इनके देखे जाने की भी सुनने को

मिलती हैं जो एक प्रकार से किंवदंतियां हैं जिनका कोई प्रमाण नहीं मिलता। सबसे अधिक हनुमान जी के देखे जाने की कथाएं हैं।

बजरंगबली के भक्त सबसे अधिक होंगे और उनमें से प्रत्येक उनके प्रकट होने या साक्षात दर्शन देने के अनुभव सुना सकता है। होता यह है कि हर कोई अपने आराध्य की छवि मन में गढ़ लेता है, किसी भी मुसीबत के समय उसका स्मरण करता है। परेशानी से बाहर निकल गया तब उनकी कृपा और नहीं निकल पाया और फंस गया तब भाग्य का दोष। जो धैर्य से सोच-विचार कर अपनी भूल या गलती ढूंढने का प्रयास करता है वह निश्चित रूप से किसी भी संकट से जूझते हुए बाहर निकल ही आता है।

चलिए एक पौराणिक कथा का आनंद लेते हैं जिसका वर्णन हमारे अनेक ग्रंथों में हुआ है। छः इंद्रियों की भांति राजा नहुष के 6 पुत्र, यति, ययाति, संयाति, आयति, वियति और कृति। नहुष बड़े पुत्र यति को राज्य देना चाहते थे लेकिन उसने स्वीकार नहीं किया क्योंकि उसका कहना था कि राज्य ऐसी वस्तु है जिसमें अपने आत्मस्वरूप को नहीं समझा जा सकता अर्थात् राजकाज में बहुत दांव-पेच होते हैं। अब हुआ यह कि नहुष ने इंद्र की पत्नी शची से बलात्कार करने की चेष्टा की तो ब्राह्मण वर्ग ने उसे इन्द्रपद से हटाकर श्राप दिया कि वह अजगर बन जाए। उसके बाद ययाति राजा बना। उसने अपने चारों भाइयों को चार दिशाओं में नियुक्त कर दिया और शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से विवाह कर लिया। इसी के साथ उसने दैत्यराज वृष पर्वा की पुत्री शर्मिष्ठा से अवैध संबंध बना लिए और फिर उसे भी पत्नी बना लिया। यह कैसे हुआ इसकी भी कथा है। हुआ यह था कि देवयानी और शर्मिष्ठा अपनी सखियों के साथ वस्त्र उतारकर सरोवर में जलक्रीड़ा कर रही थीं कि शंकर पार्वती वहां आ गए, उन्हें देखकर सब घबरा गईं और गलती से शर्मिष्ठा ने देवयानी के वस्त्र पहन लिए। दोनों में कलह हो गई और शर्मिष्ठा ने देवयानी के कपड़े छीनकर उसे कुएं में धकेल दिया और घर चली गई।

ययाति शिकार खेलते हुए वहां पहुंचे और पानी पीने के लिए कुएं के पास आए तो वहां देवयानी को नग्न अवस्था में देखा। अपना दुपट्टा फैंक कर हाथ पकड़कर बाहर निकाला। दोनों में प्रेम हो गया। देवयानी अपने पिता के पास गई और शर्मिष्ठा के बारे में बताया। पिता से वचन लिया कि जिस के साथ उसका विवाह होगा, शर्मिष्ठा दासी बनकर जाएगी। अब जब ययाति से देवयानी का विवाह हो गया तो शर्मिष्ठा भी दासी के रूप में मिली। ययाति की कामुकता जाग उठी और उसने दासी शर्मिष्ठा से संबंध बना लिए। दोनों गर्भवती हो गईं। देवयानी को पता चला तो वह क्रोध में घर छोड़कर पिता के पास चली गई। ययाति पीछे से वहां पहुंचे तो शुक्राचार्य ने उसे लंपट, व्यभिचारी कहकर तुरंत बूढ़े होने का श्राप दे दिया।

ययाति ने कहा कि अभी वासना मिटी नहीं है और अब वह अपनी पत्नी से भी संबंध नहीं बना सकेगा। यह देखकर शुक्राचार्य ने कहा कि जो तुझे अपनी जवानी दे उससे अपना बुढ़ापा बदल सकता है। ययाति ने अपने बड़े पुत्रों से एक-एक करके पूछा और कहा कि वे अपने नाना के श्राप के कारण उसके बुढ़ापे से अपनी जवानी बदल लें। कोई राजी नहीं हुआ पर सबसे छोटा पुत्र पुरु जो सबसे अधिक गुणी था, उसने पिता की आज्ञा मानकर अपने यौवन का बलिदान कर बुढ़ापा स्वीकार कर लिया।

कहते हैं कि ययाति ने हजार वर्ष तक विषय भोग में लिप्त रहकर चक्रवर्ती सम्राट के रूप में राज किया। एक दिन उसे वैराग्य हुआ। इस क्रम में उसका बुढ़ापा झेल रहे पुत्र पुरु को उसकी जवानी लौटा दी और उसे राजा बनाकर अपनी दोनों पत्नियों के साथ वन चले गए। वहां शरीर नष्ट होने दिया और मानव शरीर से मुक्ति पाई। यह श्रृंखला पुरु के वंशजों, राजा दुष्यंत और राजा भरत तक जाती है जिनके नाम पर हमारा देश भारत वर्ष कहलाता है। आज का युग वैज्ञानिक सोच का है। विज्ञान ने ऐसी चीजों को सिद्ध किया है और कल्पना करते ही सामने प्रस्तुत भी किया है जिनके सामने बुद्धि चकरघिन्नी बन जाए। लेकिन आजतक कोई भी किसी की आयु की गणना नहीं कर पाया है।

तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में अपने आसपास के लोगों को भी करें जागरूक

बोकारो (ससे): सेक्टर- ४ स्थित केन्द्रीय विद्यालय-१ बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य श्री मनोज कुमार के द्वारा की गई। इस दौरान जिला परामर्शी मो० असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टाल फ्री नम्बर १८००-११-२३५६ एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के मुख्य बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला परामर्शी के अनुसार झारखण्ड के अन्दर ३८.९ प्रतिशत लोग तम्बाकू का उपयोग किसी न किसी रूप में करते है जिसमें ५९.७ प्रतिशत पुरूष, १७ प्रतिशत महिलायें ५.१ प्रतिशत बच्चे ऐसे है जो सिर्फ १३-१५ आयु में तम्बाकू का उपयोग करना शुरू कर देते है। तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोआक्साईड, टार, बेंजीन आदि रसायनिक गैसें भी हमारे आने वाले पीढी को कितना नुकसान कर सकते है स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू का नशा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है इसको हमारे देश में करोड़ों लोग इस्तेमाल करते है इनमें कमी लाने के लिये हम सबको आगे आना होगा नही तो तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोआक्साईड, टार, बेंजीन आदि रसायनिक गैसें भी हमारे आने वाले पीढी को कितना नुकसान कर सकते है आप अन्दाजा नही लगा सकते। ऐसे मे हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि यदि आप तम्बाकू का उपयोग करते है तो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से सम्पर्क कर तम्बाकू छोड कर तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण करें और बच्चों से अनुरोध है कि यदि आपके माता पिता भी इसका उपयोग करते है तो उन्हें भी तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दे।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य मनोज कुमार, जिला परामर्शी मो० असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

पुलिस ने पकड़ा अवैध कोयला लदा ट्रक,चालक को जेल

डुमरी (ससे): निमियाघाट पुलिस ने अवैध कोयला लदे एक ट्रक को पकड़े जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर मौके से हिरासत में लिए गए ट्रक चालक को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया।मामले में पुलिस ने गिरिडीह खनन निरीक्षक के लिखित आवेदन पर ट्रक चालक,ट्रक मालिक और अज्ञात धंधेबाजों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बताते चलें की निमियाघाट पुलिस ने गुप्त सुचना के आधार पर थाना के समीप रविवार की शाम कोयला लदे (बीआर २४ जीबी १८६३) नंबर की ट्रक को जांच के लिये रोका था।पुलिस ने ट्रक चालक द्वारा प्रस्तुत कागजातों की जब जांच करवाई तो वह फर्जी पाया गया।ट्रक में लगभग ४५ टन कोयला लदा है।मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने मौके से हिरासत में लिये गए चालक औरंगाबाद के रफीगंज निवासी अब्दुल समद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

युवा कांग्रेस ने मनाया सोनिया गांधी का जनमदिन

डुमरी (ससे): युवा कांग्रेस प्रखंड कमिटी डुमरी द्वारा सोमवार को जामतारा पंचायत भवन सभागार में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। इस दौरान उपस्थित कांग्रेसियों ने केक काटकर और दीप प्रज्वलित कर श्रीमती गांधी की कुशल स्वास्थ्य तथा दीर्घायु होने की कामना की साथ ही एक दूसरे को केक खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी।वहीं वक्ताओं ने कहा कि देश के लिए गांधी परिवार ने बहुत बलिदान दिया है।

इस दौरान युवा कांग्रेस के जिला सचिव गुड्डु मलिक उर्फ सरफराज अहमद कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल युवा कांग्रेस प्रखड अध्यक्ष कपिल ठाकुर उपाध्यक्ष सनाउल्लाह अन्सारी महासचिव सदिक अली, मन्टू कमार, रियाज अन्सारी, जबार सत्तार अन्सारी, युसूफ अन्सारी, जहाना खातून, नूरेसा खातून, अरमान अन्सारी, विजय कुमार, सुमित कुमार, जुनैद अहमद, फुलमनी देवी, सुमित्रा देवी, दीपक कमार आदि उपस्थित थे।

डुमरी की समस्याओं का जयराम करेंगे निदान : देवेश कुमार

डुमरी (ससे): डुमरी विधानसभा क्षेत्र के समस्याओं का निदान करने में नवनिर्वाचित विधायक जयराम महतो अपनी सक्रिय भूमिका निभायेंगे।यह कहना है क्षेत्र के सोशल वर्कर सह शिक्षाविद देवेश कुमार देव का।उन्होंने कहा कि समस्याऐं व बाधाऐं तो मानव जीवन का दस्तुर है। समस्याऐं और उनका समाधान नदी के दो किनारों की तरह साथ-साथ चलते हैं,जरुरत है इन दोनों किनारों को मिलाने की।जरूरत है वैसे भागीरथ का जो स्वर्ग से गंगा की धारा को धरा में अवतरित करने करने का माद्दा रखता हो।

इस बार झारखंड विधानसभा चुनाव में भले ही हेमंत सोरेन की सरकार पुनः अस्तित्व में आई है,किन्तु इस चुनाव में एक शख्स उभर कर आया है जो डुमरी की समस्याओं को समाधान की राह दिखा सकता है,वो शख्स है डुमरी विधानसभा के निर्वाचित विधायक जयराम कुमार महतो। ३० वर्षीय गुदड़ी का लाल, कॉमरेड का जोश रखने वाला, गरीबी से रूबरू रहने वाला, बालक, किशोर,युवा,महिलाओं का आंखों का तारा, उम्मीद की किरण बन चुके विधायक जयराम महतो से डुमरी की जनता,समाजसेवी,प्रबुद्धजन और शिक्षाविद ये आश लगाए बैठे हैं कि डुमरी अनुमंडल को उसके प्रशासनिक महत्ता के आधार पर सजाने- संवारने का काम जयराम करेंगे।डुमरी अनुमंडल क्षेत्र के उपनगरी इसरी बाजार और डुमरी की गंदगी की समस्या,इसरी की ट्रैफिक समस्या,भगवान् पार्श्वनाथ की नगरी इसरी के स्टेशन रोड की जर्जर अवस्था,बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था,उपनगरी की सौंदर्यीकरण का प्रयास,डुमरी की जनता की मांग है।इसरी डुमरी में एक पुस्तकालय,एक सार्वजनिक खेल का मैदान,डुमरी एवं चिरैया मोड़ में एक शौचालय का निर्माण,एक स्थायी ऑटो स्टैंड,इसरी बाजार के समीप एनएच-१९ पर बस ठहराव एवं यात्री शेड का निर्माण,विरान हो चुके बस स्टैंड में यात्री वाहनों का ठहराव जैसी छोटी-छोटी चीजें यहां के लोगों को सुकून देने वाला साबित होगा।

वहीं शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार जयराम की प्राथमिकता होगी ऐसी जनता की सोच है।समाजसेवी, शिक्षाविद और प्रबुद्धजन विधायक के विकास कार्यों के प्रति आश्वस्त हैं।गरीब मजदूर और मुफलिसी की जिंदगी जीने वाली जनता जयराम में आशा की किरण देख रही है कि उनके द्वार भी विकास जरूर आएगा।

चास नगर निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था होगी दुरुस्त : अपर नगर आयुक्त

बोकारो (ससे): नगर निगम कार्यालय के सभागार में अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार अध्यक्षता में नगर निगम के पदाधिकारी व कर्मियों के बीच शहर की बिजली व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। साथ ही बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने तथा शहर के स्ट्रीट लाइट को ठीक करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

इसके लिए खराब पड़े बंद लाइटों की सूची उनकी मरम्मती तथा बेकार पड़े लाइटों के जगह नए लाइट लगाने का भी निर्देश दिया गया। स्ट्रीट लाइट से संबंधित एजेंसी को उसके रख - रखाव को दुरुस्त करने तथा तकनीति समस्या को अविलंब दूर करने का भी निर्देश जारी किया। अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु निरंतर अभियान चलाने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में उन्होंने कहा कि शहरवासियों को अतिक्रमण मुक्त करना हमारी प्राथमिकता ही नहीं बल्कि हमारी जवाबदेही भी है और इसे निरंतर चलाना होगा । साथ ही शहर वासियों से अपील भी किया है कि शहर को स्वच्छ तथा कचरा मुक्त कराने हेतु वह उनका सहयोग करें ।

इस दौरान सहायक नगर आयुक्त सुश्री प्रियंका कुमारी, श्री जयपाल सिंह मुंडा, स्ट्रीट लाइट से जुड़े संबंधित अधिकारी नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक तथा अन्य सभी कर्मी मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची
जिला– जामताड़ा (पार्ट–3)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी मो0 इम्तियाज खां एवं दुलाल राय द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचानके आधार पर।	
124.	1. आवेदन क्र0–24/1142 2. आवेदक–सुष्मिता बास्की, पति–नेपाल हाँसदा 3. ग्राम–सिवली बाडी, पोस्ट–केवट जाली, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
125.	1. आवेदन क्र0–24/1143 2. आवेदक–सहदेव सोरेन, पिता–स्व0 समेसार सोरेन 3. ग्राम–पियर सोला, पोस्ट–कैलाही, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
126.	1. आवेदन क्र0–24/1144 2. आवेदक–पर्वती सोरेन, पति–रंजन सोरेन 3. ग्राम–दलबेडिया, पोस्ट–सहरडाल, थाना– मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हाथ में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
127.	1. आवेदन क्र0–24/1145 2. आवेदक–प्रमीला देवी, पति–नेबु महतो 3. ग्राम–आमलाचातर, पोस्ट–आसनचुवाँ, थाना–जामताड़ा, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग– महिला, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया गाल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
128.	1. आवेदन क्र0–24/1146 2. आवेदक–नरेन्द्र टुडू, पिता–राजेन टुडू 3. ग्राम–आमोई, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हाथेली में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
129.	1. आवेदन क्र0–24/1147 2. आवेदक–भोला मुर्मू, पिता–स्व0 गिरीश मुर्मू 3. ग्राम–कबरी, पोस्ट–रानीटांड, थाना–करमाटांड, प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
130.	1. आवेदन क्र0–24/1148 2. आवेदक–निरंजन कुमार शर्मा, पिता–शिव शरण शर्मा 3. ग्राम–मेन रोड, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर पर अंगुठा कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
131.	1. आवेदन क्र0–24/1149 2. आवेदक–राम पद,मंडल पिता–स्व0 नेपाल चन्द्र मंडल 3. ग्राम–बेवा, पोस्ट–बेवा, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया साईड गाल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
132.	1. आवेदन क्र0–24/1150 2. आवेदक–मो0 जाकिर हुसैन, पिता–तसलीम 3. ग्राम–सकलपुर, पोस्ट–करमाटांड, थाना–करमाटांड, प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–सिर में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
133.	1. आवेदन क्र0–24/1151 2. आवेदक–रंजन सोरेन, पिता–स्व0 दक्षिण सोरेन 3. ग्राम–दलबेडिया, पोस्ट–सहरडाल, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
134.	1. आवेदन क्र0–24/1152 2. आवेदक–सलीम मियाँ, पिता–स्व0 मोहम्मद मियाँ 3. ग्राम–बरंमुड़ी, पोस्ट–करमाटांड, थाना–करमाटाड, प्रखण्ड– करमाटांड 4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–गाल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
135.	1. आवेदन क्र0–24/1153 2. आवेदक–बलराम मंडल, पिता–प्रेम मंडल 3. ग्राम–दुमरिया, पोस्ट–करमाटांड, थाना–करमाटांड, प्रखण्ड– करमाटांड 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–ओट में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
136.	1. आवेदन क्र0–24/1154 2. आवेदक–फैयाज खान, पिता–स्व0 यासीन खान 3. ग्राम–पी0 बनर्जी रोड, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर के ऐड़ी में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
137.	1. आवेदन क्र0–24/1155 2. आवेदक–स्वपन राय, पिता–स्व0 नारायण राय 3. ग्राम–हाँसीपहाड़ी, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये पैर में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
138.	1. आवेदन क्र0–24/1156 2. आवेदक–निमाई राय, पिता–जानकी राय 3. ग्राम–हाँसीपहाड़ी, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
139.	1. आवेदन क्र0–24/1157 2. आवेदक–सूकेन कुमार मंडल, पिता–स्व0 सहदेव मंडल 3. ग्राम–धानबाद, पोस्ट–बेवा, थाना–जामताड़ा, प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना बजू में काला तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
140.	1. आवेदन क्र0–24/1158 2. आवेदक–भरत राय, पिता–स्व0 अपिन्द्र राय 3. ग्राम–हाँसीपहाड़ी, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये साईड पैर मे कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
141.	1. आवेदन क्र0–24/1159 2. आवेदक–सुनील राय, पिता–स्व0 झरि राय 3. ग्राम–हाँसीपहाड़ी, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया साईड सिर पर कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
142.	1. आवेदन क्र0–24/1160 2. आवेदक–विकाश चन्द्र मंडल, पिता–स्व0 साधु चरण मंडल 3. ग्राम–रांगासोला, पोस्ट–तारड़ा, थाना–बिंदापाथर, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
143.	1. आवेदन क्र0–24/1161 2. आवेदक–अचिन्त मंडल, पिता–स्व0 धिरेन चन्द्र मंडल 3. ग्राम–कानगोई, पोस्ट–मिहिजाम, थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना साईड छाती में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी बड़ो सोरेन एवं लुस्कु द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
144.	1. आवेदन क्र0–24/1162 2. आवेदक–बाबुधन मराण्डी, पिता –शिकारी मराण्डी 3. ग्राम–कालीपाथर, पोस्ट–अम्बा, थाना–बागडेहरी, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– पुरूष, आय–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
145.	1. आवेदन क्र0–24/1163 2. आवेदक–शिकार मराण्डी, पिता –बबलू मराण्डी 3. ग्राम–कालीपाथर, पोस्ट–अम्बा, थाना–बागडेहरी, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– पुरूष, आय–73 वर्ष, पहचान चिन्ह–आँख के निचे तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
146.	1. आवेदन क्र0–24/1164 2. आवेदक–मो0 आईनुल अंसारी, पिता –मो0 आबीद अलि 3. ग्राम–महेशपुर, पोस्ट– कुण्डहित, थाना– कुण्डहित, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– पुरूष, आय–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
147.	1. आवेदन क्र0–24/1165 2. आवेदक–धनिरानी मंडल, पति– युद्धपति मंडल 3. ग्राम–छोलाबेड़िया, पोस्ट–सगड़बंधा, थाना–बागडेहरी, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान –बायें गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
148.	1. आवेदन क्र0–24/1166 2. आवेदक–विश्वनाथ मुर्मू, पिता –काला मुर्मू 3. ग्राम–नापुमधारा, पोस्ट–लायकपुर, थाना– बागडेहरी, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– पुरूष, आय–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
149.	1. आवेदन क्र0–24/1167 2. आवेदक–मेनका माजी, पति– सुनील माजी 3. ग्राम–छोलाबेड़िया, पोस्ट–सगड़बंधा, थाना–बागडेहरी, प्रखण्ड– कुण्डहित 4. लिंग– महिला, आयु–52 वर्ष, पहचान –दायां गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
150.	1. आवेदन क्र0–24/1168 2. आवेदक–मिसिल टुडू, पिता –कालो टुडू 3. ग्राम–बाबुपूर, पोस्ट–सितामुड़ी, थाना– विन्दापाथर, प्रखण्ड– नाला 4. लिंग– पुरूष, आय–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
151.	1. आवेदन क्र0–24/1169 2. आवेदक–सुशील गोराई, पिता –अकुर गोराई 3. ग्राम–तारा, पोस्ट–तारा, थाना– विन्दापाथर, प्रखण्ड– नाला 4. लिंग– पुरूष, आय–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–आँख के निचे तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
152.	1. आवेदन क्र0–24/1170 2. आवेदक–आनन्द सोरेन, पिता –फुगर सोरेन 3. ग्राम–घाटसगोरीया, पोस्ट–तारा, थाना– विन्दापाथर, प्रखण्ड– नाला 4. लिंग– पुरूष, आय–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
153.	1. आवेदन क्र0–24/1241 2. आवेदक–दशरथ मांझी, पिता –बादल मांझी 3. ग्राम–धीरनगर, पोस्ट–मलुटी, थाना–शिकारीपाड़ा, प्रखण्ड– शिकारीपाड़ा 4. लिंग– पुरूष, आय–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य — (नरसिंह मुर्मू) सदस्य — (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 341576 Home (24-25)_D

संभल मस्जिद मामले में सर्वे रिपोर्ट नहीं हुई पेश

संभल (ईएमएस): शाही जामा मस्जिद के सर्वे मामले में कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने सोमवार को रिपोर्ट अदालत में पेश करने के लिए और समय की मांग की है। यह रिपोर्ट २९ नवंबर को अदालत में पेश की जानी थी, लेकिन तबीयत खराब होने का हवाला देते हुए उन्होंने समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था। अदालत ने उनके अनुरोध पर पहले ही १० दिन का समय दिया था, जो ९ दिसंबर को समाप्त हो गया। सोमवार को कोर्ट कमिश्नर ने एक बार फिर अदालत से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे मंजूर कर लिया गया।

कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट फौरी तौर पर तैयार है, लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण इसे अंतिम रूप देने में विलंब हो रहा है। उन्होंने कोर्ट से १५ दिन का अतिरिक्त समय मांगा और कहा कि रिपोर्ट को सील बंद लिफाफे में प्रस्तुत किया जाएगा।मुस्लिम पक्ष के वकील जफर अली ने कोर्ट कमिश्नर के बार-बार समय मांगने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि हमने इस मामले में अदालत में आपत्ति दर्ज कराई है। अब देखना होगा कि कोर्ट क्या निर्णय लेता है। आगे की कोई भी कार्रवाई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के बाद ही हो सकेगी। यह मामला १९ नवंबर को उस समय चर्चा में आया जब चंदौसी स्थित सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए एक वाद दायर किया गया। अदालत ने तत्काल कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति कर मस्जिद का सर्वे करने का निर्देश दिया।

भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन में लाएं तेजी : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने सोमवार को सभी अंचलाधिकारियों (सीओ) के साथ बैठक किया। बैठक में अंचल अधिकारियों के कार्यालय में लंबित भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्रत्येक सप्ताह के सोमवार बुधवार एवं शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित कर आमजनों के दाखिल - खारिज (म्यूटेशन) संबंधित मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया। इसके अलावा अपने-अपने पंचायत में शिविर लगाकर लोगों के जमीन संबंधित मामलों के निष्पादन का अंचल अधिकारियों को कहा। बैठक में उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रभाष द्वत्ता एवं सभी अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

भारत बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा : जस्टिस यादव

लखनऊ (ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव का एक बयान चर्चा का केंद्र बन गया है। शेखर कुमार ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि यह भारत है और यह अपने बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा। जज साहब ने इसके पीछे की वजह भी जाहिर की है।

जज शेखर यादव हिंदी में निर्णय देने के साथ ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने वाले निर्णय के बाद चर्चा में आ गए थे। जज शेखर का जन्म १६ अप्रैल १९६४ को हुआ है। जस्टिस यादव ने साल १९८८ में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से लॉ में ग्रेजुएट किया। ८ सितंबर १९९० को एक वकील के रूप में पंजीकृत हो गए थे। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट में सिविल और संवैधानिक मामलों में प्रैक्टिस की थी।

शेखर कुमार यादव ने हाई कोर्ट में राज्य सरकार के अपर शासकीय अधिवक्ता और स्थायी अधिवक्ता के पद पर काम किया है। साथ ही केंद्र सरकार के स्थायी अधिवक्ता और रेलवे के वरिष्ठ अधिवक्ता के पद पर भी काम कर चुके हैं।

उन्होंने अपने कार्यकाल में कई निर्णय हिंदी में दिए हैं। जस्टिस को बीते माह जाम्बिया की यसबड यूनिवर्सिटी लुसाका ने कानून में मानद डॉक्टरेट पीएचडी से सम्मानित किया था। उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का निर्णय देकर कहा था कि गाय एकमात्र पशु है, जो ऑक्सीजन छोड़ती है। गौरक्षा को मौलिक आधार भी करार दिया था। गौहत्या के आरोपी को जमानत देने से इंकार कर उन्होंने ये बातें कही थी। जिसके बाद जज शेखर कुमार सुर्खियों में आ गए थे।

बता दें कि जस्टिस यादव प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में पहुंचे थे, जिसमें वकील और वीएचपी स्वयंसेवक मौजूद थे। जस्टिस ने कहा कि जब आप अपने बच्चों के सामने ही जानवरों को कटते हैं, तब वे दया का भाव कैसे सीखेंगे, जबकि हम अपने बच्चों को जन्म से दया करना सिखाते है और जानवरों व प्रकृति से प्रेम करना सिखाते हैं, इसलिए कहने में झिझक नहीं कि ये भारत है और ये अपने बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा।

अनियंत्रित बाइक खाई में गिरी, 3 की मौत

सोनभपद्र,(ईएमएस): सोनभद्र जिले के कोन-तेलुगुडुवा मार्ग पर एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी जिसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे हुई दुर्घटना में तीन बाइक सवारों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। मृतकों की उम्र करीब बीस साल थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्ष पांडे ने बताया कि बिलरुआ गांव के पास एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई, जिससे उस पर सवार तीन युवक घायल हो गए थे।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अपने सरकारी वाहन से कोन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

स्कूली बच्चों का अपहरण करते पकड़ाए तीन साधु, जमकर पिटाई

सुल्तानपुर,(ईएमएस): यूपी के सुल्तानपुर में भगवा वस्त्र धारण किए तीन साधु मॉब लिंचिंग से बच गए। स्कूली बच्चों के अपहरण के चलते गांव वालों ने इन्हें घेरकर पीटा, जिसका वीडियो सामने आया। पुलिस ने तीनों साधुओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें अपहरण की बात की पुष्टि नहीं हुई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज करके निजी मुचलके पर साधुओं को छोड़ दिया है।

लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय चाचपारा है। जहां सत्यम, प्रांजल, आदिति और अंश नाम के बच्चे स्कूल गए थे और प्रधान अध्यापिका को जानकारी दी कि साधु के भेस में लोग उन्हें कार में बैठाकर ले जा रहे थे। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। इस पर गांव वालों ने साधुओं की गाड़ी को घेर लिया। फिर उन्हें कार से उतारकर उनकी जमकर पिटाई कर दी। इसका वीडियो वायरल हो गया।

इस बीच डायल ११२ की टीम मौके पर पहुंच गई और साधुओं को बचाकर कोतवाली लम्भुआ लेकर आई जहां साधुओं से पूछताछ की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन साधु ग्राम के प्राथमिक विद्यालय के पास नजर आए, जहां पर कुछ हल्ला-गुल्ला होने पर गांव और आस-पास के लोग आ गए। एक बच्चे की मां की सूचना के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

उन्होंने बताया कि तीनों अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में पूछताछ के लिए लाया गया। पूछताछ में पता चला कि तीनों व्यक्ति नोएडा से निकले थे। वे कुम्भ मेला प्रयागराज जाने वाले थे और उनके पास जो गाड़ी थी वह खेरकन सेरखा, हरियाणा मठ के कर्मवीर नाथ पुत्र जवाहर नाथ के नाम पंजीकृत है। तीनों साधू ६ दिसम्बर को यहां पहुंचे थे और केएनआईटी के पास स्थित हनुमान मंदिर में रात बिताई। तीनों के परिचय और प्रमाणिकताएं पुलिस द्वारा सत्यापित की गई। प्रथम दृष्टया अपहरण के चेष्टा के घटना की पुष्टि नहीं हो पा रही है।

चाचपारा निवासी अमर यादव ने बताया सुबह ७ बजे साधू बाबा का ये गिरोह फोर व्हीलर से यहां आया था। ये लोग रास्ता पूछ रहे थे, उसके बाद ये लोग गौतमपुर गए। वापसी में ये लोग जब बच्चे स्कूल जा रहे थे तो उन्हें खींच कर ये गाड़ी में बैठा रहे थे। इनके पास नशीली दवा भी थी। जब ग्रामीणों को पता चला और चीख-पुकार मची तो इन्हें पकड़ा लिया। पुलिस को सूचित किया गया। साधुओं की पहचान ओमवीर नाथ पुत्र सुंदर नाथ, परमेश्वर नाथ पुत्र सुंदर नाथ निवासी ग्राम तुशियाना ईकोटेक थाना ग्रेटर नोएडा और सुमित नाथ पुत्र कर्मवीर नाथ ग्राम समस्तपुर थाना परीक्षितगढ़ मेरठ के रूप में हुई है। इनके विरुद्ध कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची, जिला–गिरिडीह (पार्ट–1)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी मो0 ओमप्रकाश महतो एवं नागेश्वर महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचानके आधार पर।		
1.	1. आवेदन क्र0–24/1775 2. आवेदक–सोनामुनी मरण्डी , पति–सोमर हाँसदा 3. ग्राम–करगालो , पोस्ट–बड़ियाबाद , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–महिला , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
2.	1. आवेदन क्र0–24/1676 2. आवेदक–रेशमी देवी , पति–रेवत दास 3. ग्राम–चपुआडीह , पोस्ट–चपुआडीह , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–महिला , आयु–71 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
3.	1. आवेदन क्र0–24/1677 2. आवेदक–धनेश्वरी देवी , पति–नुनुलाल दास 3. ग्राम–चपुआडीह , पोस्ट–बेंगाबाद , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–महिला , आयु–69 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
4.	1. आवेदन क्र0–24/1678 2. आवेदक–जीतन मराण्डी , पिता–चुड़ा मराण्डी 3. ग्राम–रखाटांड , पोस्ट–चपुआडीह , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
5.	1. आवेदन क्र0–24/1679 2. आवेदक–भरत दास , पिता–नीरू दास 3. ग्राम–फुफंदी , पोस्ट–बड़ियाबाद , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
6.	1. आवेदन क्र0–24/1680 2. आवेदक–मुकेश शर्मा , पिता–अवध किशोर शर्मा 3. ग्राम–चान्दडीह , पोस्ट–खरगडीहा , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–50 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
7.	1. आवेदन क्र0–24/1681 2. आवेदक–बीरेन्द्र कुमार वर्मा , पिता–बिशुन महतो 3. ग्राम–मलीडीह , पोस्ट–सियाँडीह , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
8.	1. आवेदन क्र0–24/1682 2. आवेदक–रमजान मियाँ , पिता–मातु मियाँ 3. ग्राम–तुलसीडीह , पोस्ट–बदडीहा , थाना–हीरोडीह , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–74 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
9.	1. आवेदन क्र0–24/1683 2. आवेदक–यमुना महतो , पिता–लेढासीमर 3. ग्राम–लेढासीमर , पोस्ट–बदडीहा , थाना–हीरोडीह , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
10.	1. आवेदन क्र0–24/1684 2. आवेदक–दशरथ राम , पिता–जगदीश राम 3. ग्राम–खरगडीहा , पोस्ट–खरगडीहा , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
11.	1. आवेदन क्र0–24/1685 2. आवेदक–भुनेश्वर प्रसाद वर्मा , पिता–चेतन महतो 3. ग्राम–चचघरा , पोस्ट–जरूआडीह , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
12.	1. आवेदन क्र0–24/1686 2. आवेदक–सुदामा देवी , पति–टुपलाल महतो 3. ग्राम–बदडीहा 1 , पोस्ट–बदडीहा , थाना–हीरोडीह , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–महिला , आयु–72 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
13.	1. आवेदन क्र0–24/1687 2. आवेदक–यशोदा देवी , पति–श्यामलाल महतो 3. ग्राम–सखयबाद , पोस्ट–दुम्मा , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–महिला , आयु–75 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
14.	1. आवेदन क्र0–24/1688 2. आवेदक–कलावती देवी , पति–कामता प्रसाद कुशवाहा 3. ग्राम–गुंडरी , पोस्ट–अखांगो , थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–महिला , आयु–61 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
15.	1. आवेदन क्र0–24/1689 2. आवेदक–संजय विश्वकर्मा , पिता–सरजू विश्वकर्मा 3. ग्राम–धनवार , पोस्ट–धनवार , थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
16.	1. आवेदन क्र0–24/1690 2. आवेदक–हरिहर प्रसाद वर्मा , पिता–स्व0 ईश्वर महतो 3. ग्राम–बलहरा , पोस्ट–तारानाखो , थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
17.	1. आवेदन क्र0–24/1691 2. आवेदक–महाजन राणा , पिता–कैला राणा 3. ग्राम–घोसै , पोस्ट–देवरी , थाना–देवरी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–59 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
18.	1. आवेदन क्र0–24/1692 2. आवेदक–मो0 कासीम अंसारी , पिता–शोभी मियाँ 3. ग्राम–जमखुसरो , पोस्ट–देवरी , थाना–देवरी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
19.	1. आवेदन क्र0–24/1693 2. आवेदक–रामचन्द्र यादव , पिता–लेखो यादव 3. ग्राम–गोरडीह , पोस्ट–खैरीडीह , थाना–बिरनी , प्रखण्ड–बिरनी 4. लिंग–पुरूष , आयु–61 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
20.	1. आवेदन क्र0–24/1694 2. आवेदक–बासुदेव मिस्त्री , पिता–महावीर मिस्त्री 3. ग्राम–सेरूआ , पोस्ट–सेरूआ , थाना–गाँवा , प्रखण्ड–गाँवा 4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
21.	1. आवेदन क्र0–24/1695 2. आवेदक–विश्वनाथ दास , पिता–हरिश्चन्द्र दास 3. ग्राम–हरिसिंहरायडीह , पोस्ट–बुढ़ियाडीह , थाना–गिरिडीह , प्रखण्ड–गिरिडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
22.	1. आवेदन क्र0–24/1696 2. आवेदक–रंजीत कुमार , पिता–दशरथ राम 3. ग्राम–बक्सीडीह रोड, गिरिडीह , पोस्ट–गिरिडीह , थाना–गिरिडीह , प्रखण्ड–गिरिडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
23.	1. आवेदन क्र0–24/1697 2. आवेदक–अशोक कुमार , पिता–कृष्णा राम 3. ग्राम–बक्सीडीह रोड, गिरिडीह , पोस्ट–गिरिडीह , थाना–गिरिडीह , प्रखण्ड–गिरिडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
24.	1. आवेदन क्र0–24/1698 2. आवेदक–श्यामलाल महतो , पिता–डुमर महतो 3. ग्राम–कोयरीडीह , पोस्ट–कोयरीडीह , थाना–सरिया , प्रखण्ड–सरिया 4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
25.	1. आवेदन क्र0–24/1699 2. आवेदक–रामेश्वर महतो , पिता–नीरू महतो 3. ग्राम–पिंडरसोत , पोस्ट–बदडीहा , थाना–हीरोडीह , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–72 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
26.	1. आवेदन क्र0–24/1700 2. आवेदक–विजय यादव , पिता–शोभरन यादव 3. ग्राम–किसगो , पोस्ट–किसगो , थाना–हीरोडीह , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
27.	1. आवेदन क्र0–24/1701 2. आवेदक–गंगा प्रसाद , पिता–बन्धु यादव 3. ग्राम–गाँवां , पोस्ट–गाँवां , थाना–गाँवां , प्रखण्ड–गाँवां 4. लिंग–पुरूष , आयु–68 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
28.	1. आवेदन क्र0–24/1702 2. आवेदक–भागीरथ सिंह , पिता–टेकलाल सिंह 3. ग्राम–डाबर , पोस्ट–सेरूआ , थाना–गाँवां , प्रखण्ड–गाँवां 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
29.	1. आवेदन क्र0–24/1703 2. आवेदक–अनिता देवी , पति–रामचन्द्र यादव 3. ग्राम–गोरडीह , पोस्ट–खैरीडीह , थाना–बिरनी , प्रखण्ड–बिरनी 4. लिंग–महिला , आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
30.	1. आवेदन क्र0–24/1704 2. आवेदक–सच्चिदानन्द शर्मा , पिता–पृथ्वी शर्मा 3. ग्राम–चांदडीह , पोस्ट–खरगडीहा , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–49 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
31.	1. आवेदन क्र0–24/1705 2. आवेदक–नारायण महतो , पिता–जीवलाल महतो 3. ग्राम–सखयबाद , पोस्ट–दुम्मा , थाना–जमुआ , प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष , आयु–69 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
32.	1. आवेदन क्र0–24/1706 2. आवेदक–परमानन्द देव , पिता–स्व0 बिन्देश्वरी देव 3. ग्राम–पुरनी सौंखो , पोस्ट–देवरी , थाना–देवरी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
33.	1. आवेदन क्र0–24/1707 2. आवेदक–शम्भु प्रसाद राय , पिता–स्व0 बुलाकी राय 3. ग्राम–नया सौंखो , पोस्ट–नया सौंखो , थाना–देवरी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
34.	1. आवेदन क्र0–24/1708 2. आवेदक–अनिल कुमार ठाकुर , पिता–खुभी ठाकुर 3. ग्राम–खसिलोडीह, पोस्ट–मंडरो, थाना–देवरी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
35.	1. आवेदन क्र0–24/1709 2. आवेदक–बलदेव दास , पिता–अकलु दास 3. ग्राम–जरूआडीह, पोस्ट–टिकलाटो , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
36.	1. आवेदन क्र0–24/1710 2. आवेदक–बिनोद रविदास , पिता–प्रभु दास 3. ग्राम–चपुआडीह, पोस्ट–चपुआडीह , थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
37.	1. आवेदन क्र0–24/1711 2. आवेदक–पंचानन्द राय , पिता–कामेश्वर प्रसाद राय 3. ग्राम–सलैया , पोस्ट–सलैया , थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
38.	1. आवेदन क्र0–24/1712 2. आवेदक–बालगोविन्द यादव , पिता–सेवा यादव 3. ग्राम–खरखरी , पोस्ट–किसुटांड , थाना–तिसरी , प्रखण्ड–तिसरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
39.	1. आवेदन क्र0–24/1713 2. आवेदक–सिधेश्वर प्रसाद सिंह , पिता–बद्री प्रसाद सिंह 3. ग्राम–बक्सीडीह रोड, गिरिडीह , पोस्ट–गिरिडीह , थाना–गिरिडीह , प्रखण्ड–गिरिडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
40.	1. आवेदन क्र0–24/1714 2. आवेदक–कुलदीप कुमार साहु, पिता–मुनेश्वर साव 3. ग्राम–सिदोडीह , पोस्ट–गिरिडीह , थाना–गिरिडीह , प्रखण्ड–गिरिडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
41.	1. आवेदन क्र0–24/1715 2. आवेदक–संतोष कुमार दास, पिता–रामचन्द्र दास 3. ग्राम–छायायंड बुढियाडीह, पोस्ट–बुढियाडीह, थाना–गिरीडीह मु0 , प्रखण्ड–गिरीडीह 4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
42.	1. आवेदन क्र0–24/1716 2. आवेदक–मनोज यादव, पिता–दशरथ यादव 3. ग्राम–घाघरा, पोस्ट–बड़कीटांड, थाना–बेंगाबाद , प्रखण्ड–बेंगाबाद 4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
43.	1. आवेदन क्र0–24/1717 2. आवेदक–लखन प्रसाद साव, पिता–महादेव साव 3. ग्राम–चिरकी, पोस्ट–पीरटांड, थाना–पीरटांड , प्रखण्ड–पीरटांड़ 4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
44.	1. आवेदन क्र0–24/1718 2. आवेदक–भिखी राम, पिता– स्व0 मातु राम 3. ग्राम–गोरहन्द , पोस्ट–गोरहन्द, थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
45.	1. आवेदन क्र0–24/1719 2. आवेदक–गफूर मियाँ, पिता–सेवा मियाँ 3. ग्राम–भेलवाघाटी, पोस्ट–जगसीमर, थाना–भेलवाघाटी, प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
46.	11. आवेदन क्र0–24/1720 2. आवेदक–रेणुका देवी, पति–रामेश्वर विश्वकर्मा 3. ग्राम–चट्टी , पोस्ट–चट्टी, थाना–धनवार, प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
47.	1. आवेदन क्र0–24/1721 2. आवेदक–मीरा देवी, पति–काशी प्रसाद साव 3. ग्राम–चिरकी, पोस्ट–चिरकी, थाना–पीरटांड, प्रखण्ड–पीरटांड़ 4. लिंग–महिला, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
48.	1. आवेदन क्र0–24/1722 2. आवेदक–दुलार राना, पिता–लेखो राना 3. ग्राम–बलगो, पोस्ट–बलगो, थाना–जमुआ, प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष, आयु–81 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
49.	1. आवेदन क्र0–24/1723 2. आवेदक–कौशल्या देवी, पति–द्वारिका प्रसाद 3. ग्राम–गोरहन्द, पोस्ट–गोरहन्द, थाना–धनवार, प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–महिला, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
50.	1. आवेदन क्र0–24/1724 2. आवेदक–रामस्वरूप राय, पिता–कृतेश्वर राय 3. ग्राम–जमुआ, पोस्ट–जमुआ, थाना–जमुआ, प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
51.	1. आवेदन क्र0–24/1725 2. आवेदक–जुमन मियाँ , पिता–स्व0 रजबली मियाँ 3. ग्राम–चिरूडीह, पोस्ट–खुरजियो, थाना–बिरनी , प्रखण्ड–बिरनी 4. लिंग–पुरूष, आयु–73 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
52.	1. आवेदन क्र0–24/1726 2. आवेदक–महेश प्रसाद सिंह पिता–स्व0 कंठी सिंह 3. ग्राम–धरमपुर , पोस्ट–नवागरचट्टी , थाना–धनवार , प्रखण्ड–धनवार 4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
53.	1. आवेदन क्र0–24/1727 2. आवेदक–सरजू महतो, पिता–बन्धू महतो 3. ग्राम–सियाटांड, पोस्ट–सियाटांड, थाना–जमुआ, प्रखण्ड–जमुआ 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी विजय कुमार महतो एवं संजय कुमार महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
54.	1. आवेदन क्र0–24/1728 2. आवेदक–विरेन्द्र साव , पिता–हिरो साव 3. ग्राम–खटको, पोस्ट–बगोदर , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष , आयु–74 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने घुटने पर चोट का निशान।	कंडिका–2(ix)
55.	1. आवेदन क्र0–24/1729 2. आवेदक–कैलाश महतो , पिता–मंगरू महतो 3. ग्राम–गोपालडीह , पोस्ट–बेको , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने गाल पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
56.	1. आवेदन क्र0–24/1730 2. आवेदक–चुरामण साव , पिता–ननुचन्द साव 3. ग्राम–गोपालडीह पुर्वी , पोस्ट–बेको , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
57.	1. आवेदन क्र0–24/1731 2. आवेदक–टेकलाल महतो , पिता–शुकर महतो 3. ग्राम–खेतको, पोस्ट–बेको , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें घुटना पर चोट का निशान।	कंडिका–2(ix)
58.	1. आवेदन क्र0–24/1732 2. आवेदक–भागीरथ महतो , पिता–स्व0 नन्हकू महतो 3. ग्राम–तारानारी , पोस्ट–बेको , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ का अंगुली टुटा।	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

PR 341522 Home(24-25)#D

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

सीएम नीतीश ने किया मेट्रो कार्य का निरीक्षण

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो ट्रेन चलने की तारीख जबसे सामने आई है. तबसे सबको इसका बेसब्री से इंतजार है. पटना में १५ अगस्त २०२५ से मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हो जाएगी. इसकी काउंटडाउन भी शुरू हो गई है. पटना मेट्रो की पहली ट्रेन मलाही पकड़ी से बैरिया तक चलने वाली है.

इसके लिए पटना मेट्रो का निर्माण कार्य फिलहाल काफी तेजी से चल रहा है. इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीती रात अचानक अपने ड्रीम प्रोजेक्ट पटना मेट्रो का निरीक्षण करने पहुंच गए.

सीएम नीतीश कुमार ने पटना जंक्शन के सामने मेट्रो निर्माण कार्य का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने इस दौरान दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेट्रो का काम तय समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाए. दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की देखरेख में पटना मेट्रो का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को डेडलाइन देते हुए कहा है कि मेट्रो का ड्राइ रन जून २०२५ के अंत तक शुरू कर दिया जाए. पटना मेट्रो के पहले चरण में चार मेट्रो स्टेशन मलाही पकड़ी, जीरो माइल, भूतनाथ और आईएसबीटी पर यात्रियों को चढ़ने-उतरने की सुविधा दी जाएगी.

बता दें कि १५ अगस्त २०२५ को मेट्रो का परिचालन शुरू करने को लेकर नीतीश कैबिनेट ने डीएमआरसी को ११५ करोड रुपए के बजट की स्वीकृति दे दी है.बता दें कि पटना मेट्रो सीएम नीतीश कुमार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है. बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले है ऐसे में इसे १५ अगस्त २०२५ तक शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है. पटना मेट्रो की शुरुआत शहर के ट्रैफिक को कम करने और शहरवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है.

उपायुक्त–सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो। (गोपनीय शाखा)

–:: आदेश ::–

अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 11.12.2024 (बुधवार) को कार्यालय से संबंधित सभी कर्मी तथा बैठकों/जनता दरबार इत्यादि अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) के कार्यालय, तेनुघाट से संचालित की जायेगी।

: जिल स्तरीय सभी पदाधिकारियों को निदेश दिया जाता है कि संबंधित कार्यों एवं बैठकें अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरामो (तेनुघाट) के कार्यालय, तेनुघाट से निष्पादित कराना सुनिश्चित करेंगें।

अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरामो (तेनुघाट) को निदेश दिया जाता है कि तत्संबंधी सूचित व्यवस्थाएँ करते हुए व्यापक प्रचार–प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे।

PR 341599 (Bokaro) 24-25 (D)

उपायुक्त, बोकारो।

बी0 आई0 टी0 सिन्दरी
पत्रालयः सिन्दरी इन्स्टीच्यूट, धनबाद।

आवश्यक सूचना

संख्या : 1014

सिन्दरी, दिनांक 05.12.2024

बी0आई0टी0 सिन्दरी में कार्यरत निम्नांकित कर्मी काफी लम्बे समय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित है एवं इनके नाम पर संस्थान का बकाया राशि भी है :

क्रम सं0	नाम एवं पदनाम	अनुपस्थित की तिथि	संस्थान का बकाया राशि
01	श्रीमति वैजयन्ती गोस्वामी, लिपिक	ये दिनांक 22.07.2008 से अभी तक लगातार अनुपस्थित है।	आवास का बकाया राशि रू0 65,501.00/– (पैसठ हजार पाँच सौ एक रूपये) मात्र
02	श्री मिथिलेश शर्मा, च0व0क0	ये दिनांक 24.03.2002 से लगातार अनुपस्थित है एवं दिनांक 31.05.2021 को 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके है।	बकाया नहीं है।
03	श्री अशोक सिंह, च0व0क0	ये दिनांक 20.09.2000 से लगातार अनुपस्थित है एवं दिनांक 31.12.2022 को 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके है।	बकाया नहीं है।

ह0/–
निदेशक
बी0आई0टी0 सिन्दरी

PR 341556 (Science & Technology) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची
जिला–गिरिडीह (पार्ट–3)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोनलकारी मुस्तफा अंसारी द्वारा माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
119.	1. आवेदन क्र0–24/1810 2. आवेदक–भिखारी पंडित , पिता–स्व0 प्रसदी पंडित 3. ग्राम–लक्ष्मणटुंडा , पोस्ट– लक्ष्मणटुंडा , थाना– डुमरी , प्रखण्ड– डुमरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
120.	1. आवेदन क्र0–24/1811 2. आवेदक–मो0 नईमुदीन , पिता–मो0 कुर्बान 3. ग्राम–जामजोरी , पोस्ट–बुधूडीह , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड–गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
121.	1. आवेदन क्र0–24/1812 2. आवेदक–कबीर अंसारी , पिता–मो0 कुर्बान 3. ग्राम–जामजोरी , पोस्ट–बुधूडीह , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड–गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
122.	1. आवेदन क्र0–24/1813 2. आवेदक–मो0 मेहताब अंसारी , पिता–मो0 समसुदीन अंसारी 3. ग्राम–भदवाकला , पोस्ट–बुधूडीह , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड–गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
123.	1. आवेदन क्र0–24/1814 2. आवेदक–जाकीर हुसैन , पिता–दिल मोहम्मद 3. ग्राम–बोड़ो , पोस्ट–पचम्बा , थाना– पचम्बा , प्रखण्ड–गिरीडीह 4. लिंग–पुरूष , आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
124.	1. आवेदन क्र0–24/2125 2. आवेदक–अली मुर्तजा , पिता–समसुद्दीन मियां 3. ग्राम–ओलदहा , पोस्ट– करंजो , थाना–मारगोमुण्डा , प्रखण्ड– मारगोमुण्डा 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–गले में चोट का निषान।	कंडिका–2(ix)
125.	1. आवेदन क्र0–24/1171 2. आवेदक–मो0 सकूर अंसारी , पिता–मो0 चेरकू अंसारी 3. ग्राम–टोपाटांड , पोस्ट– सिंदुरी , थाना–नरायणपुर , प्रखण्ड– नरायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
126.	1. आवेदन क्र0–24/1172 2. आवेदक–मुस्तकीम मियां , पिता–एतवारी मियां 3. ग्राम–टोपाटांड , पोस्ट– सिंदुरी , थाना–नरायणपुर , प्रखण्ड– नरायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–51वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
127.	1. आवेदन क्र0–24/1741 2. आवेदक–मुस्तकीम अंसारी , पिता–कमरूदीन मियां 3. ग्राम–करमई , पोस्ट– फुलझेरिया , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड– गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–45वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
128.	1. आवेदन क्र0–24/1742 2. आवेदक–मिन्हाज अंसारी , पिता–मुस्तफा मियां 3. ग्राम–नौकी , पोस्ट– फुलझेरिया , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड– गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–44वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
129.	1. आवेदन क्र0–24/1743 2. आवेदक–अब्दुल हसन , पिता–मकबुल मियां 3. ग्राम–बाघाडीह , पोस्ट– फुलझेरिया , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड– गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–46वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
130.	1. आवेदन क्र0–24/1744 2. आवेदक–मो0 नईमुदीन , पिता–सुलेमान मियां 3. ग्राम–बाघाडीह , पोस्ट– फुलझेरिया , थाना–अहिल्यापुर , प्रखण्ड– गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
131.	1. आवेदन क्र0–24/1745 2. आवेदक–मालती देवी, पति–स्व0 रामलाल महतो 3. ग्राम–मोहनडीह, पोस्ट–गाण्डेय , थाना– गाण्डेय , प्रखण्ड– गाण्डेय 4. लिंग– महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये हाथ में दाग का निषान।	कंडिका–2(ix)
132.	1. आवेदन क्र0–24/1746 2. आवेदक–मुषी हेम्ब्रम, पिता–बबुआ हेम्ब्रम 3. ग्राम–बुधुवाडीह, पोस्ट–चतरी, थाना–भेलवाघाटी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग– पुरूष, आयु–75 वर्ष, पहचान चिन्ह–हाथ में दाग का निषान।	कंडिका–2(ix)
133.	1. आवेदन क्र0–24/1747 2. आवेदक–कन्दना सोरेन, पिता–मधु सोरेन 3. ग्राम–बुधुवाडीह, पोस्ट–चतरी, थाना–भेलवाघाटी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग–पुरूष, आयु–68 वर्ष, पहचान चिन्ह–गाल में दाग का निषान।	कंडिका–2(ix)
134.	1. आवेदन क्र0–24/1748 2. आवेदक–चुन्कू सोरेन, पिता–डूगु सोरेन 3. ग्राम–बुधुवाडीह, पोस्ट–चतरी, थाना–भेलवाघाटी , प्रखण्ड–देवरी 4. लिंग– पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये गाल में निषान।	कंडिका–2(ix)
135.	1. आवेदन क्र0–24/1749 2. आवेदक–मो0 इकारामुदीन, पिता–मो0 मन्सुर अंसारी 3. ग्राम–हेंसला, पोस्ट–हेंसला , थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये हाथ में निषान है।	कंडिका–2(ix)
136.	1. आवेदन क्र0–24/1173 2. आवेदक–महबूब आलम, पिता–मतीन शेख 3. ग्राम–टोपाटांड, पोस्ट–सिन्दुरी, थाना–नारायणपुर, प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग– पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
137.	1. आवेदन क्र0–24/1174 2. आवेदक–मो0 आफताब आलम, पिता–मो0 महफूज आलम 3. ग्राम–टोपाटांड, पोस्ट–सिन्दुरी, थाना–नारायणपुर, प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग– पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
138.	1. आवेदन क्र0–24/1750 2. आवेदक–सायरा खातुन, पति–मोहम्मद इरफान 3. ग्राम–बेको, पोस्ट–बेको, थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग– महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)
139.	1. आवेदन क्र0–24/1751 2. आवेदक–गोविन्द यादव, पिता–पेरू महतो 3. ग्राम–सिजुवा, पोस्ट–गादीसिरसिया, थाना–गाण्डेय , प्रखण्ड–गाण्डेय 4. लिंग–पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये हाथ में निषान।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोनलकारी नागेन्द्र महतो एवं रूपलाल महतो द्वारा माननीय सदस्य श्री भुवनेष्वर महतो के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
140.	1. आवेदन क्र0–24/1815 2. आवेदक–मीना देवी, पति–रूपलाल महतो 3. ग्राम–नवाडीह, पोस्ट–बगोदर, थाना–बगोदर , प्रखण्ड–बगोदर 4. लिंग– महिला, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है।	कंडिका–2(ix)

नोट :–1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच षिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4 आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवशयक है।

PR 341524 Home(24-25).D

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

नीतीश कुमार ने खोला नौकरियों का पिटारा, 4135 पदों पर भर्ती

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने नियुक्तियों का पिटारा खोल दिया है. इस बार लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में बड़े स्तर पर भर्ती निकाली गई है. इस भर्ती के तहत कुल ४१३५ लोगों को सरकारी नौकरी मिलेगी. इसके बारे में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) मंत्री नीरज सिंह ने विभिन्न श्रेणी के ४१३५ रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि राज्य में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति को बेहतर करने के लिए तीन एजेंसियों को भर्ती की प्रक्रिया पूरा करने को कहा गया है.

नीरज सिंह ने बताया कि ११८ सहायक अभियंता पदों पर बिहार लोक सेवा आयोग से भर्ती होगी, जबकि २०७८ पदों पर बिहार राज्य कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से नियुक्तियां होगी. इसमें शोध सहायक, निम्नवर्गीय लिपिक, प्रयोगशाला सहायक, परिचारी, की-मैन सह चौकीदार एवं खलासी के पद शामिल किए गए हैं. इसके अलावा १११४ कार्य निरीक्षक और वाहन चालक मुख्यालय के चार पद पर तकनीकी सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्ति की जाएगी. साथ ही ४९३ पद पर कार्य निरीक्षक और पंप ऑपरेटर के ३२८ अंचलस्तरीय पंप आपरेटरों के पद पर नियुक्तियां होने वाली है.

देश में ऐसी सरकार हो जो हिंदुओं को सुरिक्षत कर सके : विहिप

बदायूं,(ईएमएस): बिल्सी नगर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि ३०० साल पहले मुगल सल्तनत थी, तब जितनी भी मस्जिद बनी हैं, सभी मंदिर को तोड़कर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम गोयल नामक एक विद्वान ने भारत के डिस्ट्रिक्ट वाइज कितने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं, बताया है। ऐसी २० हजार की सूची भी है, यह सभी पढ़ी है।

तोगड़िया ने बांग्लादेश हिंसा को लेकर कहा कि फिलिस्तीन ने इजराइल के ३०० लोगों को मारा तो इजराइल ने उनके ४२ हजार लोगों को मारा। सीरिया, लेबनान तक घुसकर मारा, अगर झगड़ा बांग्लादेश सरकार से था तो हिंदुओं को क्यों मारा गया। देश में ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो हिंदुओं को सुरक्षित कर सके और उचित जवाब दे सके। मेरी बात को मोदीजी, राजनाथजी और अमित शाह जरूर समझेंगे। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन ४५ हजार लोगों को कंबल, मोबाइल चार्जिंग पावर बैंक और भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था उनके द्वारा की जा रही है। उनका कहना है कि करीब ४० लाख लोगों को महाकुंभ में उनके द्वारा बेहतर सुविधाएं देने की व्यवस्थाएं की जानी हैं।

भागलपुर में ठेले पर बिहार का स्वास्थ्य सिस्टम

पटना (एजेंसी): बिहार में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था की बानगी एक बार फिर देखने को मिली है. जहां सरकारी अस्पताल के लिए मरीज को एम्बुलेंस नहीं मिली और मरीज को आखिर में ठेले पर ही बिहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. घटना बिहपुर के बभनगामा गांव की है. बताया जा रहा है कि बभनगामा गांव के निवासी मोहम्मद सफीक का पड़ोसी से विवाद हो गया था. जिसमें वो घायल हो गया था. इस पर परिजनों ने एम्बुलेंस के लिए फोन किया, लेकिन एम्बुलेंस नहीं मिली. जिसके कारण परिजन उन्हें ठेले पर लादकर अस्पताल ले गए.

वहां घायल युवक का इलाज शुरू हुआ. अब लोग कह रहे हैं कि मरीज ठेले पर नहीं है, बल्कि बिहार का स्वास्थ्य सिस्टम ठेले पर है. सरकारी वादे और दावे ठेले पर हैं. इससे पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं. नवादा जिले में शव वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण लोगों को ठेले का सहारा लेना पड़ता था. ज़ी न्यूज़ पर इस खबर को दिखाने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लिया और शव वाहन उपलब्ध कराने का वादा किया था. नालंदा जिले से भी ऐसी ही तस्वीर सामने आई थी. यहां सिलाव थाना क्षेत्र इलाके में धर्मेंद्र कुमार और बिहार थाना क्षेत्र के अंबेर मोहल्ले में राइस मिल में बिजली के काम करने के दौरान करंट से संजू साव की मौत हो गई थी. दोनों के शवों को एंबुलेंस नहीं मिल सकी थी.

दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सुधार अस्पताल लाया गया था. जहां अस्पताल में मौजूद शव वाहन से धर्मेंद्र कुमार के शव को सिलाव भेज दिया गया.

टुकड़े-टुकड़े गैंग का नेतृत्व कर रहे सोनिया और राहुल : गिरिराज सिंह

पटना (एजेंसी): केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया है. कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी पर अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस के संगठन के साथ जुड़े होने का आरोप है.

कथित तौर पर यह संगठन उस संस्था को भी पैसे मुहैया करता है, जो कश्मीर को अलग करने की मांग करता है. इस पर गिरिराज सिंह ने कहा, सोनिया गांधी और राहुल गांधी देशद्रोह का काम करते हैं. राहुल गांधी यहां पर सोरोस की भाषा और सोरोस राहुल गांधी की भाषा बोलता है. वह भारत का विरोध करने वालों को फंडिंग करता है. इस पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए. टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग देश को तोड़ने में लगे हैं और राहुल गांधी उसका नेतृत्व कर रहे हैं. बांग्लादेश की स्थिति को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा, भारत पहले अपना घर देख ले. यहां पर मस्जिद तोड़ी जा रही हैं.

इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह राहुल गांधी से पूछिए, जिन्होंने कश्मीर में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन किया. पाकिस्तान से बात करने वाले, आतंकवादियों और पत्थरबाजों का साथ देने वाले फारूक अब्दुल्ला का कांग्रेस ने साथ दिया था. उनसे पूछिए कि फारूक अब्दुल्ला आज ऐसी भाषा क्यों बोलते हैं.

उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद से कांग्रेस का डीएनए देश विरोधी रहा है. नेहरू ने गजवा-ए-हिंद का बीज बो दिया था. उन्होंने संविधान के तहत धर्म-परिवर्तन का अधिकार दे दिया. हिंदुओं के धार्मिक शिक्षा का अधिकार खत्म कर दिया और मुसलमानों को दे दिया. उन्होंने ये अधिकार दे दिया कि हिंदू किनारे हटो और मुसलमान धार्मिक शिक्षा के तहत गजवा-ए-हिंद करो. ये बातें कांग्रेस और राहुल गांधी के डीएनए में हैं.

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती के हिंदुत्व को बीमारी कहने पर गिरिराज सिंह ने कहा, वह सौभाग्य मानें कि हिंदुत्व ही सबको साथ लेने वाला है.

महिला सीओ मैडम दुपट्टा ओढ़ती ही नहीं है : सऊद आलम

पटना (एजेंसी): ठाकुरगंज से राजद विधायक सऊद आलम ने दिघलबैंक की महिला सीओ के खिलाफ काफी आपत्तिजनक बयान दिया है. उनके विवादित बयान पर सियासी पारा चढ़ना तय था. महिला सीओ के संदर्भ में राजद विधायक ने कहा कि पहली बात तो यह कि वहां मैडम दुपट्टा ओढ़ती ही नहीं है, फिर कैसे मुखिया दुपट्टा खींचा जा सकता है. राजद विधायक ने कहा कि महिला अधिकारी ने आरोपी मुखिया मुहम्मद जैद अजीज सहित दर्जनों अज्ञात के खिलाफ दुर्व्यवहार करने बदन से दुपट्टा खींचने का आरोप लगाकर, लिखित आवेदन देकर दिघलबैंक थाने में मामला दर्ज करवायी है.

पत्रकारों के सवाल पर राजद विधायक ने कहा कि दिघलबैंक अंचलाधिकारी मैडम दुपट्टा ओढ़ती ही नही है. विधायक सऊद असरार किशनगंज के पूर्व सांसद स्वर्गीय असरारुल हक कासमी के बेटे है. इस पूरे मामले को समझने के लिए आपको थोड़ा पीछे जाना होगा. दरअसल, ३० नवंबर को दिघलबैंक प्रखंड की महिला अंचल अधिकारी को तुलसिया पंचायत के नवनिर्मित रेलवे ऊपरी पुल के समीप से अवैध खनन की गुप्त सूचना मिली थी. इस पर महिला अंचलाधिकारी ने त्वरित कार्यवाही करते हुए ट्रैक्टर को धर दबोचा. जब्त ट्रैक्टर को छुड़ाने के लिए स्थानीय मुखिया मोहम्मद जैद अजीज पहुंचे और उनकी महिला अंचलाधिकारी से भिड़ंत हो गई. जिस पर महिला अधिकारी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है.

उन्होंने जैद अजीज पर दुर्व्यवहार करने के अलावा दुपट्टा खींचने का आरोप लगाया है. महिला अंचलाधिकारी किसी तरह ग्रामीण और अपने चालक के सहारे जान बचाकर मौके से भागी. महिला अधिकारी ने आरोपी मुखिया मुहम्मद जैद अजीज सहित दर्जनों अज्ञात के खिलाफ दुर्व्यवहार करने बदन से दुपट्टा खिंचने का आरोप लगाकर लिखित आवेदन देकर दिघलबैंक थाने में मामला दर्ज करवायी है. घटना के चार दिनों के बादठाकुरगंज विधायक सऊद आलम ने अपने चहेते मुखिया मुहम्मद जैद अजीज के पक्ष में उसे निर्दोष साबित करने के लिए महिला अंचलाधिकारी को ही गलत ठहराने में जुट गए हैं.

इस पर बीजेपी प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा कि राजद की यही राजनीतिक असिलियत हैं, राजद का मतलब ही है महिलाओं का अपमान, राजद के राजनीतिक रूप से ट्रेनिंग दी जाती है की किस तरीके से महिलाओं से किस तरह से बदसलूकी करनी है.

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि राजद का तो राजनीतिक संस्कार ही रहा है, राजद के इतिहास का वो काला अध्याय है चंपा विश्वास कांड शिल्पी गौतम कांड, बेटियां का सशक्तिकरण बर्दास्त नहीं हो रहा है. वहीं कांग्रेस नेता प्रेमचंद मिश्रा ने कहा कि सोच समझ कर बयान देना चाहिए, खास करके किसी महिला के बारे में टिप्णी कर रहे हैं, जिन्होंने भी ऐसा कहा है उन्हें खेद प्रकट करना चाहिए.

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

69वीं औपबंधिक सूची जिला–जामताड़ा (पार्ट–1)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी मो0 इम्तियाज खां एवं दुलाल राय द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचानके आधार पर।		
1.	1. आवेदन क्र0–24/1125 2. आवेदक–सर्जन हेम्ब्रम , पिता–स्व0 बाबुराम हेम्ब्रम 3. ग्राम–गोपालपुर , पोस्ट–गुहियाजोरी , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–74 वर्ष , पहचानचिन्ह–पिठ पर कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
2.	1. आवेदन क्र0–24/1026 2. आवेदक–बिमान चन्द्र मंडल , पिता–स्व0 मधुसुदन मंडल 3. ग्राम–राजामडीह , पोस्ट–जामताड़ा , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचानचिन्ह–बायां पैर में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
3.	1. आवेदन क्र0–24/1027 2. आवेदक–रफिक मियाँ , पिता–इमाम अली मियाँ 3. ग्राम–बाझीकेन्द्र , पोस्ट–बेना , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–67 वर्ष , पहचानचिन्ह–दाहिना पैर में कटा निषान।	कंडिका–2(ix)
4.	1. आवेदन क्र0–24/1028 2. आवेदक–कबीरन बीबी , पति–हाकिम अंसारी 3. ग्राम–गोखलाडीह , पोस्ट–मेझिया , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–48 वर्ष , पहचानचिन्ह–सर में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
5.	1. आवेदन क्र0–24/1029 2. आवेदक–मो0 मकबुल , पिता–मो0 शहादत 3. ग्राम–सोनबाद , पोस्ट–सोनबाद , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–43 वर्ष , पहचानचिन्ह–बायां हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
6.	1. आवेदन क्र0–24/1030 2. आवेदक–सबीला खातुन , पति–मो0 अनाउल अंसारी 3. ग्राम–चैंगाईडीह , पोस्ट–धोबना , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–41 वर्ष , पहचानचिन्ह–आंख के सामने तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
7.	1. आवेदन क्र0–24/1031 2. आवेदक–सुभाष मंडल , पिता–स्व0 ज्योति नाथ मंडल 3. ग्राम–धोबना , पोस्ट–धोबना , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष , पहचानचिन्ह–दाहिना तरफ गाल में तिल का निषान।	कंडिका–2(ix)
8.	1. आवेदन क्र0–24/1032 2. आवेदक–माथुर हेम्ब्रम , पिता–स्व0 सुधन हेम्ब्रम 3. ग्राम–कुमहारडीह टोला (बेवा) , पोस्ट–बेवा , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–73 वर्ष , पहचानचिन्ह–बायां हाथ में कटा का निषान।	कंडिका–2(ix)
9.	1. आवेदन क्र0–24/1033 2. आवेदक–अब्दुल करीम , पिता–मो0 सफीक 3. ग्राम–गोखलाडीह , पोस्ट–मेझिया , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष , पहचानचिन्ह–दायां पैर में तिल का निषान।	कंडिका–2(ix)
10.	1. आवेदन क्र0–24/1034 2. आवेदक–सूरजमणि सोरेन , पति–सर्जन हेम्ब्रम 3. ग्राम–बन्दाजोरी , पोस्ट–दक्षिण बहाल , थाना–जामताड़ा , प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–50 वर्ष , पहचानचिन्ह–दाहिना पैर पर गिलटी का निशान।	कंडिका–2(ix)
11.	1. आवेदन क्र0–24/1035 2. आवेदक–बासुदेव लायक , पिता–स्व0 शंकर लायक 3. ग्राम–डाबर , पोस्ट–देवजोड़ , थाना–नाला , प्रखण्ड–नाला 4. लिंग–पुरूष, आयु–73 वर्ष , पहचानचिन्ह–दाहिना आंख के उपर तिल का निषान।	कंडिका–2(ix)
12.	1. आवेदन क्र0–24/1036 2. आवेदक–अजीत मंडल , पिता–मदन मोहन मंडल 3. ग्राम–अमलाजोड़ा , पोस्ट–नाला , थाना–नाला , प्रखण्ड–नाला 4. लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष , पहचानचिन्ह–बायें तरफ नाक में मासा का निषान।	कंडिका–2(ix)
13.	1. आवेदन क्र0–24/1037 2. आवेदक–बाबुराम मुर्मू , पिता–गोपीन मुर्मू 3. ग्राम–दुमा , पोस्ट–बामनबांधी , थाना–फतेहपुर , प्रखण्ड–फतेहपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष , पहचानचिन्ह–दाहिना गाल पर काला तिल।	कंडिका–2(ix)
14.	1. आवेदन क्र0–24/1038 2. आवेदक–सुजीत कुमार सरकार , पिता–अचित कुमार सरकार 3. ग्राम–फतेहपुर , पोस्ट–फतेहपुर , थाना–फतेहपुर , प्रखण्ड–फतेहपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–43 वर्ष , पहचानचिन्ह–दायें हाथ पर कटा का निषान।	कंडिका–2(ix)
15.	1. आवेदन क्र0–24/1039 2. आवेदक–नजमुन निशा , पति–मो0 सरिफुल्लाह 3. ग्राम–चिरूडीह , पोस्ट–बांकुडीह , थाना–नारायणपुर , प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–महिला , आयु–69 वर्ष , पहचानचिन्ह–दायां तरफ पीठ के तिल का निषान।	कंडिका–2(ix)
16.	1. आवेदन क्र0–24/1040 2. आवेदक–मनुवारा बीबी , पति–सहिद खाँ 3. ग्राम–जलालपुर , पोस्ट–आम्बा , थाना–कुण्डहित , प्रखण्ड–कुण्डहित 4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचानचिन्ह–दाहिना तरफ गला में मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
17.	1. आवेदन क्र0–24/1041 2. आवेदक–मो0 साहीद खान , पिता–षराफत अली खान 3. ग्राम–जलालपुर , पोस्ट–आम्बा , थाना–कुण्डहित , प्रखण्ड–कुण्डहित 4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचानचिन्ह–दायें गाल पर तिल का निषान।	कंडिका–2(ix)
18.	1. आवेदन क्र0–24/2166 2. आवेदक–अली मोहम्मद अंसारी , पिता–इतवारी मियां 3. ग्राम–मोहलीडीह , पोस्ट–सागरभंगा , थाना–पालोजोरी , प्रखण्ड–पालोजोरी 4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचानचिन्ह–बायें पैर में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
19.	1. आवेदन क्र0–24/1042 2. आवेदक–सुनीता टुडू , पति–महेन्द्र टुडू 3. ग्राम–कोड़ा पाड़ा , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–47 वर्ष , पहचान–दाहिने गाल में तिल का निषान ।	कंडिका–2(ix)
20.	1. आवेदन क्र0–24/1043 2. आवेदक–आलोनी मुर्मू , पति–भारतेन्दु मुर्मू 3. ग्राम–शहरडाल , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–55 वर्ष , पहचान–बायें हाथ में कट का निशान ।	कंडिका–2(ix)
21.	1. आवेदन क्र0–24/1044 2. आवेदक–अषोक कुमार ठाकुर , पिता–अर्जुन ठाकुर 3. ग्राम–राजबाड़ी , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–43 वर्ष , पहचान–दाहिने हाथ में कटा का निषान ।	कंडिका–2(ix)
22.	1. आवेदन क्र0–24/1045 2. आवेदक–सुबोध कुमार ओझा , पिता–गोरख नाथ ओझा 3. ग्राम–कृष्णा नगर , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष , पहचान–बायां हाथ में कटा का निषान ।	कंडिका–2(ix)
23.	1. आवेदन क्र0–24/1046 2. आवेदक–बंकु राय , पिता–जादु राय 3. ग्राम–कानगोई , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–63वर्ष , पहचान–बायां आँख के निचे तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
24.	1. आवेदन क्र0–24/1047 2. आवेदक–मनोज राय , पिता–स्व0 अंनत राय 3. ग्राम–हाँसी पहाड़ी , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान–बायां पैर में कटे का निशान ।	कंडिका–2(ix)
25.	1. आवेदन क्र0–24/1048 2. आवेदक–सफाउर रहमान , पिता–स्व0 खलीलुर रहमान 3. ग्राम–मेन रोड , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–62 वर्ष , पहचान–दाहिने गाल पर तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
26.	1. आवेदन क्र0–24/1049 2. आवेदक–छोटु सिंह , पिता–राजेन्द्र सिंह 3. ग्राम–लीला नगर , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचान–दाहिने जांघ में कटा का निषान ।	कंडिका–2(ix)
27.	1. आवेदन क्र0–24/1050 2. आवेदक–दशरथ यादव , पिता–बासुदेव यादव 3. ग्राम–कानगोई , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–49 वर्ष , पहचान–दाहिने कान के निचे मासा का निषान ।	कंडिका–2(ix)
28.	1. आवेदन क्र0–24/1051 2. आवेदक–अलका देवी , पति –मनोरंजन सिंह 3. ग्राम–लीला नगर , पोस्ट–मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड– जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–43 वर्ष , पहचान–दाहिने हाथ में कटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
29.	1. आवेदन क्र0–24/1052 2. आवेदक–पंकज कुमार , पिता–भोला यादव 3. ग्राम–कानगोई , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान–बाये पैर का अँगुली छोटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
30.	1. आवेदन क्र0–24/1053 2. आवेदक–सुबल माजी , पिता–स्व0 संतोष माजी 3. ग्राम–कानगोई , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष , पहचान–बाये पैर में कटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
31.	1. आवेदन क्र0–24/1054 2. आवेदक–मो0 नौशाद आलम , पिता–स्व0 मो0 इदरीस 3. ग्राम–मेन रोड , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–71वर्ष , पहचान–दाहिने आँख के निचे कटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
32.	1. आवेदन क्र0–24/1055 2. आवेदक–कैलाश पति मंडल , पिता–स्व0 कीर्तन चन्द्र मंडल 3. ग्राम–बेवा , पोस्ट–बेवा , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–56 वर्ष , पहचान–बाये हाथ का अँगुली कटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
33.	1. आवेदन क्र0–24/1056 2. आवेदक–मनोज भारती , पिता–बिरेन्द्र भारती 3. ग्राम–हाँसी पहाड़ी , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–44वर्ष , पहचान–दाहिने गाल में तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
34.	1. आवेदन क्र0–24/1057 2. आवेदक–बिरेन चंद्र दत्ता , पिता–फणि भूषण दत्ता 3. ग्राम–गोड़यनाला , पोस्ट–सहरडाल , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष , पहचान–बायें आँख के निचे तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
35.	1. आवेदन क्र0–24/1058 2. आवेदक–सनातन राय , पिता–स्व0 दुर्गा राय 3. ग्राम–हाँसी पहाड़ी , पोस्ट– मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान–बायें गाल में तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
36.	1. आवेदन क्र0–24/1059 2. आवेदक–जानकी राय , पति –किंकर राय 3. ग्राम–कानगाई , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–56 वर्ष , पहचान–बाये सर में तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
37.	1. आवेदन क्र0–24/1060 2. आवेदक–मानिक राय , पिता–स्व0 धना राय 3. ग्राम–कानगाई , पोस्ट– मिहिजाम , थाना– मिहिजाम ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान–पीठ मेंलहसन का निशान ।	कंडिका–2(ix)
38.	1. आवेदन क्र0–24/1061 2. आवेदक–रसिक मंडल , पिता–बच्चु मंडल 3. ग्राम–कालाझरिया, पोस्ट– कालाझरिया , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–59 वर्ष , पहचान–दायें हाथ में तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
39.	1. आवेदन क्र0–24/1062 2. आवेदक–नैमुल अंसारी , पिता–आजाद अंसारी 3. ग्राम–बासदाहा , पोस्ट– कालाझरिया , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–73 वर्ष , पहचान–दायें पैर में कटा का निशान ।	कंडिका–2(ix)
40.	1. आवेदन क्र0–24/1063 2. आवेदक–सलुल मियां , पिता–उरबान मियां 3. ग्राम–बरमुण्डी , पोस्ट– करमाटांड , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष , पहचान–गर्दन में तिल का निशान ।	कंडिका–2(ix)
41.	1. आवेदन क्र0–24/1064 2. आवेदक–प्रकाष साव , पिता–बिसु साव 3. ग्राम–कालाझरिया, पोस्ट– कालाझरिया , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष , पहचान–बायां पैर में कटाव का निशान ।	कंडिका–2(ix)
42.	1. आवेदन क्र0–24/1065 2. आवेदक–रामदेव मंडल , पिता–स्व0 बुधन मंडल 3. ग्राम–मंझलाडीह , पोस्ट– करमाटांड , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष , पहचान–बायां हाथ में कटाव का निषान ।	कंडिका–2(ix)
43.	1. आवेदन क्र0–24/1066 2. आवेदक–मो0 मुस्ताक , पिता–स्व0 मो0 इस्लाम 3. ग्राम–करमाटांड , पोस्ट–करमाटांड , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–58 वर्ष , पहचान–बायां गाल में कटाव का निशान ।	कंडिका–2(ix)
44.	1. आवेदन क्र0–24/1067 2. आवेदक–अकबाल हुसैन , पिता–नेबुल मियाँ 3. ग्राम–बरादाहा , पोस्ट–कालाझरिया , थाना– करमाटांड ,प्रखण्ड–करमाटांड 4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचान–बायां हाथ में कटाव का निषान ।	कंडिका–2(ix)
45.	1. आवेदन क्र0–24/1068 2. आवेदक–मोतीलाल मुर्मू , पिता–स्व0 हपना मुर्मू 3. ग्राम–सुपाईडीह , पोस्ट–सुपाईडीह , थाना– जामताड़ा ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–73 वर्ष , पहचान–गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
46.	1. आवेदन क्र0–24/1069 2. आवेदक–अषोक कुमार पाण्डेय , पिता–स्व0 शंकर पाण्डेय 3. ग्राम–महुल डंगाल , पोस्ट–जामताड़ा , थाना– जामताड़ा ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–64 वर्ष , पहचान–सर पर कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
47.	1. आवेदन क्र0–24/1070 2. आवेदक–जमषेद मियाँ , पिता–स्व0 अकबर मियाँ 3. ग्राम–काठडाबर , पोस्ट–नारायणपुर , थाना– नारायणपुर ,प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–71 वर्ष , पहचान–दायां आंख के नीचे तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
48.	1. आवेदन क्र0–24/1071 2. आवेदक–अलाउद्दीन मियाँ , पिता–स्व0 तिबुह मियाँ 3. ग्राम–काठडाबर , पोस्ट–नारायणपुर , थाना– नारायणपुर ,प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान–दायां पैर घुटना में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
49.	1. आवेदन क्र0–24/1072 2. आवेदक–लक्ष्मण रूज , पिता–स्व0 मदन मोहन रूज 3. ग्राम–पंजनियाँ , पोस्ट–पंजनियाँ , थाना– जामताड़ा ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–50 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
50.	1. आवेदन क्र0–24/1073 2. आवेदक–जयदेव हेम्ब्रम , पिता–छतन हेम्ब्रम 3. ग्राम–पंजनियाँ , पोस्ट–पंजनियाँ , थाना– जामताड़ा ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–59 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
51.	1. आवेदन क्र0–24/1074 2. आवेदक–रहिम अंसारी , पिता–पियारत अंसारी 3. ग्राम–बीरग्राम , पोस्ट–पंजनियाँ , थाना– जामताड़ा ,प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
52.	1. आवेदन क्र0–24/1075 2. आवेदक–बबलु कुमार , पिता–रामबली साह 3. ग्राम–पी0 बनर्जी रोड , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष , पहचान–बायां हाथ मे कटा का निषान।	कंडिका–2(ix)
53.	1. आवेदन क्र0–24/1076 2. आवेदक–नागेष्वर प्रसाद साह , पिता–रामबली साह 3. ग्राम–पी0 बनर्जी रोड , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष , पहचान–बायां पैर के अंगुली में कटा का निषान।	कंडिका–2(ix)
54.	1. आवेदन क्र0–24/1077 2. आवेदक–रघु मंडल , पिता–सदानन्द मंडल 3. ग्राम–बडिपाड़ा , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष , पहचान–दाहिना पैर के घुटना में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
55.	1. आवेदन क्र0–24/1078 2. आवेदक–अरविन्द कुमार शर्मा , पिता–नारायण शर्मा 3. ग्राम–कुर्मीपाड़ा , पोस्ट–मिहिजाम , थाना–मिहिजाम, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष , पहचान–बायां पैर के घुटना में कटा का निषान।	कंडिका–2(ix)
56.	1. आवेदन क्र0–24/1079 2. आवेदक–महा प्रसाद दत्ता , पिता–स्व0 शंकर कुमार दत्ता। 3. ग्राम–न्यू टाउन, जामताड़ा, पोस्ट–जामताड़ा, थाना–जामताड़ा, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष , पहचान–दायें पैर पर जले का निशान।	कंडिका–2(ix)
57.	1. आवेदन क्र0–24/1080 2. आवेदक–रूमा देवी , पति–बिनोद राउत 3. ग्राम–फागुडीह , पोस्ट–बेना , थाना–जामताड़ा, प्रखण्ड–जामताड़ा 4. लिंग–महिला , आयु–54 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
58.	1. आवेदन क्र0–24/1081 2. आवेदक–नईम अंसारी , पिता–स्व0 दुखी मियाँ 3. ग्राम–भगवानपुर , पोस्ट–गोखला , थाना– नारायणपुर ,प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
59.	1. आवेदन क्र0–24/1082 2. आवेदक–इसलाम अंसारी , पिता–स्व0 गुजर मियाँ 3. ग्राम–भगवानपुर , पोस्ट–गोखला , थाना– नारायणपुर ,प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–80 वर्ष , पहचान–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
60.	1. आवेदन क्र0–24/1083 2. आवेदक–गेनू मियाँ , पिता–स्व0 झगरू मियाँ 3. ग्राम–भागाबाँध , पोस्ट–नारायणपुर , थाना– नारायणपुर ,प्रखण्ड–नारायणपुर 4. लिंग–पुरूष , आयु–71 वर्ष , पहचान–बायें पैर में घाव का दाग।	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR.NO. 341574 Home (24-25):D

शिक्षकों के तबादले की बाढ़ टीचरों ने ट्रांसफर की मांग की

पटना (एजेंसी): बिहार शिक्षा विभाग में सरकारी शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए स्पेशल ग्राउंड पर आवेदन की प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है. इसी कड़ी में शिक्षा विभाग को स्पेशल ग्राउंड पर स्थानांतरण के लिए अभी तक कुल ३३,२२७ आवेदन आये हैं. इसमें से ८३% से अधिक यानी २७,६६१ शिक्षकों अपने पसंदीदा स्थान से वर्तमान पदस्थापन की दूरी के आधार पर तबादले का आग्रह किया है. बता दें कि गाइडलाइंस के अनुसार शिक्षक सात विशेष कारणों के आधार पर स्थानांतरण का अनुरोध कर सकते हैं. इनमें गंभीर बीमारियां, दिव्यांगता, मानसिक स्वास्थ्य, वैवाहिक स्थिति और दूरी प्रमुख हैं. ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया १ दिसंबर से ई-शिक्षा कोश पोर्टल पर शुरु हुई है और यह १५ दिसंबर तक चलेगी.

शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक ३३,२२७ शिक्षकों ने तबादले के लिए आवेदन किया है. इनमें से ८५% से अधिक यानी २७,६६१ शिक्षकों ने अपने वर्तमान पदस्थापन से पसंदीदा स्थान की दूरी को आधार बनाकर तबादले की मांग की है. बता दें कि सरकारी शिक्षकों के तबादले के लिए अभी तक कैंसर आदि गंभीर किस्म की बीमारियों के आधार पर ४५६, विशेष दिव्यांगता के आधार पर नियुक्ति पाने के आधार पर १५२२ ऑटिज्मअथवा मानसिक दिव्यांगता के आधार पर २९०, विधवा या तलाक शुदा होने के आधार पर २१६, पति अथवा पत्नी की नियुक्ति के आधार पर २९१९ शिक्षकों ने तबादलों की मांग की है.

राज्य में कुल ५,४५,१८२ शिक्षक हैं. इस तरह राज्य के कुल शिक्षकों में से अभी तक केवल ६% शिक्षकों ने ही तबादलों की मांग की है. १२,३६० हजार से अधिक शिक्षकों के आवेदन अभी ड्रॉफ्ट मोड में हैं. शिक्षकों के तबादले के लिए आवेदन की प्रक्रिया इ शिक्षा कोश पोर्टल पर एक दिसंबर से शुरू है. तबादले की मांग सात विशेष वजहों के आधार पर की जा सकती है.

बिहार बोर्ड ने जारी किया 2025 का परीक्षा कैलेंडर

पटना (एजेंसी): बिहार बोर्ड ने अगले साल यानी २०२५ के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है. बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर का प्रेस कॉन्फ्रेंस करके २०२५ के परीक्षा कैलेंडर को जारी किया. इस दौरान उन्होंने १०वीं और १२वीं कक्षा की परीक्षा की तारीख भी बता दीं. उन्होंने बताया कि १ फरवरी से इंटरमीडिएट की परीक्षाएं शुरू होंगी और १५ फरवरी २०२५ तक चलेंगी. वहीं मैट्रिक यानी १०वीं की परीक्षाएं १७ फरवरी से २५ फरवरी तक चलेगी. मार्च अथवा अप्रैल के दौरान रिजल्ट भी जारी कर दिया जाएगा. इसके बाद सप्लीमेंट्री तथा विशेष परीक्षा का आयोजन किया जाएगा.

मई से जून के दौरान सप्लीमेंट्री परीक्षा का रिजल्ट जारी हो जाएगा. उन्होंने कहा कि राज्य के सभी डीएलएड शिक्षण संस्थान में नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन आगामी २७ फरवरी २०२५ को किया जाएगा. आईटीआई की भाषा विषय की परीक्षा २५ और २६ अप्रैल को होगा, सिमुलतला वाशी विद्यालय के लिए कक्षा ११ में कक्षा की परीक्षा २५ जून को किया जाना है. कक्षा ६ के लिए परीक्षा १७ अक्टूबर २०२५ और मुख्य परीक्षा २० दिसंबर २०२५ को होगा, २०२५ में मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा होगी उसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए जो भी पुरस्कार की योजना

२०२५ से पुरस्कार राशि दुगनी हो जाएगी. इंटरमीडिएट में टॉपर को २ लाख रुपये मिलेंगे तो वहीं सेकेंड टॉपर को डेढ़ लाख रुपए मिलेंगे. तीसरे स्थान पर रहने वाले को एक लाख रुपये मिलेंगे और चौथे एवं ५वें स्थान के लिए ₹३० हजार, ६वें नंबर से १०वें नबर तक के छात्र-छात्राओं को ₹२० हजार दिये जाएंगे. इसके साथ ही सभी को लैपटॉप मिलेगा. इंटरमीडिएट और मैट्रिक के टॉपर के लिए छात्रवृत्ति योजना में भी २०२५ से वृद्धि की जाएगी.

व्यापारियों के समन्वय से कार्य को गति मिलेगी : शिल्पी तिर्की

रांची (एजेंसी): फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदधारियों ने सोमवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से नेपाल हाउस स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट कर, उन्हें कृषि विभाग का प्रभार ग्रहण करने पर बधाई दिया. राज्य की कृषि मंडियां सशक्त हों, ट्रेडर्स और कृषकों के आपसी समन्वय से राज्य में मंडियों का विकास हो, कृषकों का उत्थान हो और मंडी में व्याप्त असुविधाओं के समाधान पर चैंबर और मंत्री के बीच सकारात्मक वार्ता हुई.

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने बाजार समितियों में रिफॉर्म की जरुरत पर बल दिया. उन्होंने बाजार समितियों का रि-कंस्ट्रक्शन और बाजार समितियों में ओपन वेयरहाउस की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की बात कही. सुझाव दिया कि झारखंड में उत्पादित उत्पाद को अन्य देशों में निर्यात की सुविधा उपलब्ध कराने से भी कृषकों को प्रोत्साहित करने में सहयोग किया जा सकता है.

कृषि मंडियों की दयनीय व्यवस्था पर चिंता जताते हुए बाजार समितियों के डेवलपमेंट के लिये व्यापारी, किसान और विभागीय अधिकारियों की एक को-ऑर्डिनेशन कमेटी के गठन करने का सुझाव दिया.

राज्य की बाजार समितियों में सड़क, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी के साथ ही मरम्मती के अभाव में जर्जर हो चुकी दुकानों पर भी चैंबर द्वारा चिंता जताई गई. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने झारखंड की कृषि मंडियों को मॉडल कृषि मंडी के रूप में विकसित करने की जरुरत बताते हुए, व्यापारियों के समन्वय से कार्य को गति देने की बात कही. उन्होंने कहा कि जल्द ही चैंबर भवन में आकर व्यापारियों के साथ वृहद् स्तर पर बैठक करने के लिए भी आश्वस्त किया. प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, सह सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, प्रवक्ता सुनिल सरावगी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार और श्रम उप समिति के चेयरमेन प्रमोद सारस्वत मौजूद थे.

नगर निगम अधिकारियों ने बैंक्वेट हॉल संचालकों से कहा, शादी समारोह में प्रिवैलिंग एक्ट का पालन करें

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम सभागार में सभी बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन संचालकों के साथ निगम अधिकारियों की बैठक आज सोमवार को हुई. अधिकारियों ने आम जन की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सभी बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन संचालकों को निर्देश दिया कि राज्य में लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग के संबंध में लागू किये गये प्रिवैलिंग अधिनियम के तहत लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग करना सुनिश्चित करेंगे. बताया कि आवासीय क्षेत्र में ध्वनि की सीमा तय है एवं रात में १० बजे से सुबह ६ बजे तक इसे बजाना कानूनन प्रतिबंधित है.

रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर/बैंड बजाने पर कार्रवाई

रात १० बजे के बाद लाउडस्पीकर/बैंड का उपयोग करने पर कार्रवाई की जायेगी. इस संबंध में आमजनों को भी सूचित किया गया कि लाउडस्पीकर/बैंड से किसी प्रकार की समस्या होने पर ११२ में डायल कर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं. बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, रांची उत्कर्ष कुमार, सिटी डीएसपी कुमार वी रमण, उप प्रशासक, नगर निगम गौतम प्रसाद साहु, सकायक प्रसाशक नगर निगम, निकेश कुमार एवं बाजार शाखा के सभी कर्मचारी मौजूद थे.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मिला प्रतिनिधिमंडल, दी बधाई

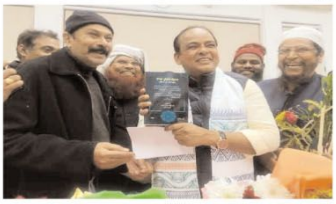

रांची (एजेंसी): नेपाल हाउस स्थित स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं खाद आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने पदभार ग्रहण किया. इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता खुर्शीद हसन रूमी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री से मुलाकात कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी. उन्होंने उम्मीद जताया कि चिकित्सा सेवा में रिम्स, सदर अस्पताल में जो सुधार की जरुरत है उसकी समीक्षा कर सुधार करना चाहिए. मंत्री ने आश्वासन दिया. प्रतिनिधिमंडल में डॉ मुफ्ती सलमान कासमी, समाजसेवी हाजी माशूक, हव्वारी मस्जिद के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इम्तियाज, हाजी शकील, हाजी सदरुल अंसारी मौजूद थे.

पारस हॉस्पिटल में पेट के कैंसर से पीड़ित महिला का हुआ सफल इलाज

रांची (एजेंसी): पारस हॉस्पिटल धुर्वा में पेट के कैंसर से पीड़ित ५१ वर्षीय महिला का सफल इलाज किया गया. पेट में कैंसर के कारण भोजन वाले रास्ते में रुकावट आ गई थी. इस कारण खाने और पीने में भी परेशानी हो रही थी. इसकी वजह से कैंसर की दवाइयों को भी देने में भी दिक्कत आ रही थी. वो महिला मरीज ऑपरेशन के लिए भी फिट नहीं थी. पारस हॉस्पिटल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के निदेशक बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने इस मरीज की नयी तकनीक से इलाज किया.

इंडोस्कोपी के माध्यम से पेट में रूकावट वाले स्थान के उपर एक मेटल स्टेंट डालकर मरीज का सफल ऑपरेशन किया गया. २० मिनट के अंदर मरीज के पेट के भीतर जो रूकावट थी, इसे खोल दिया गया. अब मरीज बड़े ही आराम से मुंह से खाना खा सकती है और कैंसर का इलाज भी आगे आसानी से करवा सकती है.

बिग्रेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने कहा कि पारस हॉस्पिटल धुर्वा में पहली बार इस तरह का ऑपरेशन इंडोस्कोप से किया गया है. इस तकनीक के इस्तेमाल से कैंसर के मरीजों को अच्छे से इलाज करवाने में मदद मिलेगी. मरीज अच्छे तरीके से खाना खाकर अपना जीवन बिता सकती है. पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि पारस हॉस्पिटल धुर्वा में मरीज के इलाज की विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध है. यहां केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत मरीजों का इलाज किया जा रहा है. इस हॉस्पिटल में झारखंड समेत अन्य प्रदेशों के मरीज इलाज करवा रहे हैं.

कांके विधायक सुरेश बैठा ने माथा टेक सदन में ली एंट्री

रांची (एजेंसी): झारखंड के छठी विधानसभा का पहला सत्र आज ९ दिसंबर से शुरू हुआ, जो १२ दिसंबर तक चलेगा. सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायी. इससे पहले कांके विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायक सुरेश बैठा ने सदन में अलग अंदाज में एंट्री ली. सुरेश बैठा ने माथा टेका. इसके बाद हाथों में संविधान की प्रति लेकर सदन में प्रवेश किया और झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली.

यीशू के आगमन काल के दूसरे सप्ताह में सज गई क्रिसमस बाजार

रांची (एजेंसी): ईसाई समुदाय में आगमन काल का दूसरा सप्ताह शुरू हो गया है. इस बीच युवाओं ने क्रिसमस गैदरिंग और कैरोल का आयोजन करना प्रारंभ कर दिया है. त्यौहार में क्रिसमस से संबंधित वस्तुओं की मांग बढ गई है. इसे देखते हुए दुकानदारों ने भी पुरूलिया रोड और अपर बाजार में क्रिसमस बाजार को पूरी तरह से सजा कर रखा है. क्रिसमस की सारी सामग्री एक दुकान में मिल जाए, इसका खास ख्याल रखा जा रहा है. मोल तोल भाव में खरीद बिक्री हो रहा है. बजट के हिसाब से लोग खरीद रहे हैं. २४ दिसंबर को हर्षोउल्लास से क्रिसमस का आगाज हो जाएगा. जानें क्रिसमस बाजार में क्या है सामानों की कीमत- शांटा टोपी -२०, क्रिसमस बेबी डॉल-१५०, लच्छी-३०, हिरण-१००-१२०, बेल-६० रूपया, बॉल-८० रूपया,पुआल वाला का चरणी-५५०, क्रूस वीर डिजाइन वाला-५५०, प्लेन वाला क्रूस-४५०,पीतल का क्रूस -९५०,यीशु मसीह का फोटो -८०-६५०, शांता वाली पेंसिल-२०.

किसानों को बढ़ावा देने के लिए कृषि मंत्री से करेंगे अपील : शिवा कच्छप

रांची (एजेंसी): केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप के नेतृत्व में सोमवार को कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से प्रोजेक्ट भवन में मुलाकात की और गुलदस्ता भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दी. इस मौके पर अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि राज्यवासियों को काफी उम्मीदें हैं, किसानों को बढ़ावा देने में निश्चित रूप से का ध्यान केंद्रित करेगी. उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए धरातल पर उतारने की मांग की. कहा कि खेतों में उपजाई फसल को रखने के लिए स्टोर का निर्माण, फसल को बेचने के लिए बाजार विस्तार, किसानों की कर्ज माफी की भी मांग किया जाएगा.

मौके पर दिनेश उरांव, एतवा उरांव, धरमू उरांव, भोला तिर्की, बुधवा उरांव, सती तिर्की, अनिता उरांव, चरकू उरांव, पिंकी कुजूर, नीलम उरांव, रिता खलखो समेत अन्य शामिल थे.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को राहत बरकरार

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ ९ जनवरी तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. उस दिन अदालत इस मामले में अंतिम सुनवाई करेगा. यह मामला देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की सम्पति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने से जुड़ा हुआ है. जिसमें उनके ऊपर शिवदत्त शर्मा की ओर से निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में दोनों मामलों की सुनवाई हुई. निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने बहस की.

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को धमकी देने के आरोपी को दिल्ली पुलिस व रांची पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

रांची (एजेंसी): रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को धमकी देने के आरोपी मिन्हाजुल अंसारी को गिरफ़्तार करने के बाद रांची पुलिस और दिल्ली पुलिस की टीम ने रांची सिविल कोर्ट के चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट की कोर्ट के पेश किया. इस दौरान दिल्ली पुलिस ने मिन्हाजुल की ७२ घंटों की ट्रांजिट रिमांड देने का आग्रह किया. लेकिन कोर्ट ने ४८ घंटों की ट्रांजिट रिमांड की मंजूरी दी. जिसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम मिन्हाजुल को लेकर अपने साथ दिल्ली के किए रवाना हो गई.

दरअसल केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने शनिवार को शिकायत दर्ज करवाई थी, उनसे रंगदारी मांगी गई और जान से मारने की धमकी दी गई. उन्होंने इस संबंध में दिल्ली पुलिस और झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी जानकारी दी. शिकायत के मुताबिक शुक्रवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया. जिसमें ५० लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। मैसेज भेजने वाले ने कथित तौर पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी.

बैंक अधिकारी बनकर ठगी करने वाले तीन दोषियों को हाईकोर्ट ने दी सशर्त बेल

रांची (एजेंसी): बैंक अधिकारी बनकर करोड़ो रुपए की ठगी करने वाले साइबर अपराधियों गणेश मंडल, संतोष मंड और अंकुश कुमार मंडल को हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत की सुविधा प्रदान की है. कोर्ट ने यह शर्त रखी है कि तीनों के बेलर उनके गांव के ही होने चाहिए और उनकी अचल संपति के दस्तावेज बेल बॉण्ड के रूप में दिए जाएंगे. वहीं दोषियों को बेल के दौरान हर महीने थाना में हाजिरी भी लगानी होगी. तीनों को रांची (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने २७ जुलाई को पांच साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने दोषियों पर २.५० लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में दोषियों की बेल पर सुनवाई हुई.

सीएटी में रांची की संस्कृति को 34वां, सुनीत को 53वां और प्रभव को 183वां रैंक

रांची (एजेंसी): कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) का रिजल्ट जारी कर दिया गया है. इस परीक्षा में रांची के बच्चों ने अपना परचम लहराया है. रांची की रहने वाली संस्कृति पाठक ने सीएलएटी में ३४ वां रैंक प्राप्त किया है. उसे कुल ९७.५ अंक मिले हैं. रांची के ही प्रभव सानू को १८३ वां रैंक हासिल हुआ है. सुनीत सनुराग ने ५३वां रैंक लाया है. बता दें कि सीएलएटी की परीक्षा १ दिसंबर २०२४ को हुई थी. इस परीक्षा के माध्यम से देश भर के २७ नेशनल लॉ स्कूल में एडमिशन होता है. इस साल लॉ में अपना करियर बनाने की चाह रखने वाले करीब १ लाख अभ्यर्थियों ने उड-ढ परीक्षा का फॉर्म भरा था.

पृष्ठ एक का शेषांश

सदन में 80 विधायकों ने ली---

झारखंड विधानसभा सत्र में पहली बार शामिल हो रहे जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में इंट्री ली. उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया. इसके बाद सदन के अंदर नंगे पांव घुसे. शपथ लेने के बाद जयराम महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक मथुरा महतो और मंत्री दीपिका पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया. वहीं जयराम महतो के हाथ में मौजूद लाल डायरी ने भी सबका ध्यान खींचा. जयराम ने कहा कि इस डायरी में मैं वह शपथ लिखूंगा, जो मैं विधानसभा में लूंगा. यह मेरे लिए लोकतंत्र के प्रति मेरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

स्पीकर का चयन १० दिसंबर को किया जायेगा. रविवार को हुई इंडी गठबंधन की बैठक में स्पीकर के लिए रवींद्र नाथ महतो के नाम पर सहमति बन चुकी है. ११ दिसंबर को दिन के ११:३० बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष २०२४-२५ का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जायेगा. १२ दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद, सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी.

सीएम हेमंत सोरेन ने---

कुमार, भवन निर्माण सचिव अरवा राजकमल, स्मार्ट सिटी के सीइओ अमित कुमार सहित अन्य अफसर मौजूद थे.

संजय मल्होत्रा को रिजर्व---

अलावा, उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों में टैक्स और वित्तीय मामलों का भी गहरा अनुभव है। बता दें कि शक्तिकांत दास का कार्यकाल भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में २०१८ में शुरू हुआ था और उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लिए गए। हालांकि, सरकार ने उनके कार्यकाल में कोई विस्तार करने का निर्णय नहीं लिया है। बताया जा रहा है कि संजय मल्होत्रा की नियुक्ति का फैसला वित्तीय सेवा क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए लिया गया है।

आप बंगाल में कब्जा---

से हमारा कोई लेना-देना नहीं है. हमें किसी और उकसावे में नहीं आना चाहिए. बंगाल की सीएम ने कहा, हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई दंगे नहीं भड़काते. असामाजिक तत्व दंगे भड़काते हैं. हमें ऐसी कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, जिससे बंगाल में खराब स्थिति पैदा हो. ढचउ प्रमुख ने कहा, मुझे खुशी है कि पश्चिम बंगाल में हिंदू और मुस्लिम अल्पसंख्यक दोनों बांग्लादेश में अत्याचारों का विरोध कर रहे हैं. यह हमारी धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को दिखाता है. पश्चिम बंगाल की उच् ने कहा, बहुत से लोग दूसरी तरफ से यहां आना चाहते हैं. लेकिन इक्र निगरानी कर रही है. हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे. सीमा हमारी चिंता का विषय नहीं है. मैं सभी से अनुरोध करती हूं, कोई भी ऐसी भड़काऊ बातें न कहे. हम विदेश सचिव की मीटिंग पर निर्भर हैं. हम दूसरी तरफ के बंगालियों को राष्ट्रवाद, करुणा और स्नेह की भावना दिखाएं.

बांग्लादेश के मुद्दे पर राम---

द्वादशी नाम दिया गया है। यह उत्सव ११ से १३ जनवरी तक लगातार चलेगा और उस दौरान पूजा-अर्चना, रामलला को राजकुमार के रूप में श्रृंगारित कर विभिन्न आयोजन होंगे। इसमें तीनों दिन अलग-अलग श्रृंगार और अनुष्ठान होंगे। अभी मंदिर के प्रथम तल और दो अन्य तल के काम पूरे हो गए हैं। मंदिर का पूरा काम दो वर्षों तक चलेगा। अभी कुल मिलाकर वहां १३ मंदिर बनाए जाएंगे और उनके लिए हमें प्रशिक्षित पुजारियों की जरूरत पड़ेगी, जिनके प्रशिक्षण का काम निरंतर चल रहा है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए जो धन संग्रह किया गया है, उसका उपयोग मंदिर निर्माण में ही किया जाएगा और अन्य जो भी गतिविधियां या उत्सव मनाए जाएंगे उसके लिए अलग से निधि का निर्माण करने का प्रस्ताव है। हम अयोध्या को विश्व की सांस्कृतिक राजधनी के रूप में विकसित करना चाहते हैं।

सदन में जयराम की अनोखे अंदाज में इंट्री, कांग्रेस विधायकों ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर ली शपथ

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र का आज से आगाज हो गया है. सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर ने विधायकों को शपथ दिलाई. मंत्रियों के शपथ लेने के बाद विधायकों ने शपथ ली. कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली. वहीं पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली. हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली. इसके अलावा चंपाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली.

झारखंड विधानसभा सत्र में पहली बार शामिल हो रहे जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में इंट्री ली. उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया. फिर सदन के अंदर गये. इधर सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले स्पीकर कक्ष में प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी का सीएम हेमंत सोरेन ने अभिवादन किया. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रोटेम स्पीकर का अभिवादन किया.

शिक्षा, स्वास्थ्य व ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग बन गए हैं भ्रष्टाचार का गढ़ : बाबूलाल

रांची (एजेंसी): बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है. कहा है कि झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग, जिनसे राज्य की नींव मजबूत होनी चाहिए, अब भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े होकर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गए हैं.

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि सिर्फ २०२४ में अब तक ३९ अधिकारियों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है. वहीं ईडी ने २०२४ में ३९.२८ करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जो २०२२ के आंकड़े से लगभग दोगुना है.

यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है, बार-बार रिश्वत में पकड़े जाने वाले कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करना दर्शाता है कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा ही नहीं है.

यह कितना शर्मनाक है कि जिन विभागों का कार्य आम जनता को राहत देना है, वे जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने में लगे हैं. सरकार की लचर नीतियां और कमजोर व्यवस्था ने भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है,ऐसे में झारखंड का विकास एक सपना बनकर रह गया है.

बार-बार झारखंड से जुड़ रहे हाई प्रोफाइल लोगों को धमकी देने के कनेक्शन

रांची (एजेंसी): हाई प्रोफाइल लोगों को धमकी देने का कनेक्शन बार-बार झारखंड से जुड़ रहा है. हाल के कुछ महीने में देश के प्रधानमंत्री से लेकर बड़े अभिनेता तक को धमकी दी गयी. इन सभी के पीछे झारखंड कनेक्शन सामने आया है. पुलिस की जांच में पता चला है कि लोगों ने दूसरे को फंसाने के लिए भी धमकी देने की साजिश रची.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने वाले वासेपुर के न्यू मटकुरिया के फजलुल हक रोड निवासी मिर्जा नदीम बेग के घर पर धनबाद बैंक मोड़ पुलिस ने आठ दिसंबर को तलाशी ली थी. तलाशी में कुछ भी आपत्तिजनक सामान पुलिस को नहीं मिला था. बैंक मोड़ थानेदार लव कुमार ने नदीम के पिता आरिफ बेग और उसके भाई मासूम रजा को थाना बुलाकर घंटों पूछताछ की. वहीं नदीम से पूछताछ में पता चला कि उसने अपने मालिक को फंसाने के लिए पीएम मोदी को धमकी दी थी.

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने जमशेदपुर से एक व्यक्ति को २४ अक्टूबर को गिरफ्तार किया था. आरोपी की पहचान जमशेदपुर के सब्जी विक्रेता शेख हुसैन (२४ वर्षीय) के रूप में हुई थी. उसने ट्रैफिक पुलिस को वाट्सएप पर एक धमकी भरा संदेश मिला था, जिसमें बालीवुड अभिनेता सलमान खान से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गयी थी.

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी देने के मामले में भी दिल्ली पुलिस ने रांची पुलिस के सहयोग से एक आरोपी को गिरफ्तार किया. मामले की जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि कांके थाना क्षेत्र में रहने वाले मिनाजुल नाम के व्यक्ति ने अपनी बेटी के बॉयफ्रेंड मोईज को फंसाने के लिए उसके नाम से इश्यू सिमकार्ड से संजय सेठ के मोबाइल पर धमकी दी थी. इस मामले में पुलिस ने मिनाजुल को गिरफ्तार किया था.

मेकअप के बाद भी चेहरा डार्क क्यों दिखता है? जानिए इसके कारण और आसान टिप्स!

मेकअप के बाद अगर आपका चेहरा डार्क नजर आता है, तो इसका कारण कुछ गलतियां हो सकती हैं। हम में से कई लोग मेकअप करने के लिए नए प्रोडक्ट्स खरीदते हैं और ऑनलाइन वीडियो देखकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कम जानकारी के कारण हम कई बार कुछ महत्वपूर्ण स्टेप्स को सही तरीके से नहीं अपनाते। तो आइये, जानते हैं कि मेकअप के बाद भी चेहरा डार्क क्यों दिख सकता है और इसके लिए क्या उपाय हैं।

सही पैच टेस्ट न करना

मेकअप या स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना बेहद जरूरी है। यह टेस्ट यह सुनिश्चित करता है कि प्रोडक्ट आपकी स्किन पर सही तरीके से काम करेगा या नहीं। बिना पैच टेस्ट के कुछ प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को सूखा या डार्क बना सकते हैं। इसलिए, हमेशा एक्सपर्ट से सलाह लें और पैच टेस्ट जरूर करें।

गलत मेकअप टोन का चयन

मेकअप करते समय अपने चेहरे के रंग और मेकअप के प्रोडक्ट्स के बीच सही टोन का चुनाव करें। कई बार गलत फाउंडेशन या कंसीलर का इस्तेमाल चेहरे को डार्क बना सकता है। हमेशा अपने स्किन टोन के अनुसार प्रोडक्ट्स का चयन करें और उसे सही तरीके से ब्लेंड करें।

कलर करेक्शन न करना

आपके चेहरे पर पिगमेंटेशन या डार्क स्पॉट्स हो सकते हैं, जिन्हें ठीक करने के लिए कलर करेक्शन जरूरी है। ऑरेंज या पीच कलर के कंसीलर का इस्तेमाल करके डार्क स्पॉट्स को न्यूट्रलाइज करें। यह कदम आपकी स्किन को फ्लॉलेस दिखाने में मदद करेगा।

ब्लेंडिंग का सही तरीका न अपनाना

मेकअप में सबसे अहम चीज है प्रोडक्ट्स की सही ब्लेंडिंग। अगर आप सही तरीके से मेकअप को ब्लेंड नहीं करते, तो आपका मेकअप डार्क या पैच जैसा नजर आ सकता है। इसके लिए ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। ब्यूटी ब्लेंडर को पानी से गीला करें और फिर हलके हाथों से मेकअप को अच्छे से ब्लेंड करें। इससे मेकअप की फिनिशिंग परफेक्ट और नैचरल लगेगी।

गलत बेस प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

अगर आप शुरुआत कर रहे हैं, तो बेज, ब्राउन और डार्क टोन के मेकअप प्रोडक्ट्स से बचें। इनका इस्तेमाल करने से आपके चेहरे पर एक डार्क या भारी लुक आ सकता है। इसके बजाय हल्के और नैचरल टोन के प्रोडक्ट्स का चयन करें।

इन मेकअप टिप्स को फॉलो करके आप अपने चेहरे को फ्लॉलेस और ब्राइट बना सकते हैं। मेकअप करते समय सही स्टेप्स और प्रोडक्ट्स का चयन करें, ताकि आपका चेहरा मेकअप के बाद भी ताजगी और चमक से भरा रहे।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने वाली सब्जी है टिंडा

सर्दियों में हाई यूरिक एसिड के मरीज की मुश्किलें सबसे ज्यादा बढ़ जाती हैं। ठंड के कारण हड्डियों में दर्द और अकड़न होने लगती है ऊपर से अगर यूरिस एसिड बढ़ जाए तो फिर दर्द के कारण चलना फिरना भी मुश्किल हो जाता है। हालांकि डाइट से यूरिक एसिड को कम किया जा सकता है। सर्जियों में ऐसी कई सब्जियां मिलती है जो हाई यूरिक एसिड को कम करने में मदद करती हैं। ऐसी ही सब्जी है टिंडा, जो स्वाद में काफी लौकी जैसा ही लगता है। यूरिक एसिड में डिंटा खाने से जोड़ों में जमा प्यूरीन आसानी से निकल जाता है। जानिए यूरिक एसिड में टिंडा खाने के फायदे और इसे कितने दिन खाने से आराम मिलेगा?

यूरिक एसिड को खाने से काबू करना है तो इसके लिए डाइट में लोग प्रोटीन और हाई फाइबर फूड शामिल करने जरूरी हैं। खाने में लौकी, तोरई और टिंडा की सब्जी जरूर शामिल करें। रोजाना इन सब्जियों के खाने से 1-2 महीने में ही शरीर में जमा यूरिक एसिड निकल जाएगा।

टिंडा खाने के फायदे

टिंडा खाने में भले ही लोगों को ज्यादा स्वादिष्ट न लगे, लेकिन टिंडा में कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। टिंडा खाने से शरीर को विटामिन सी, कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, फास्फोरस, डाइट्री फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मिलते हैं। फाइबर रिच टिंडा खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। टिंडा खाने से कब्ज की समस्या भी दूर भाग जाती है।

हार्ट और ब्लड प्रेशन में फायदेमंद है टिंडा

पोटेशियम, मैग्नीशियम और मैग्नीज ज्यादा होने के कारण टिंडा हार्ट के लिए भी अच्छी सब्जी माना जाता है। टिंडा पानी से भरपूर सब्जी है जो वजन घटाने और शरीर को हाइड्रेट रखने में भी मदद करती है। इसके अलावा विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी6 और विटामिन के ओवर ऑल हेल्थ में सुधार लाने मे मदद करते हैं। टिंडा खाने से किडनी फंक्शन में सुधार आता है और किडनी में जमा टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने वाली सब्जी है टिंडा

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो लगातार 1-2 महीने टिंडा खाने से आप यूरिक एसिड को कंट्रोल कर सकते हैं। टिंडा के अलावा लौकी भी हाई यूरिए एसिड को तेजी से कम करती है। टिंडा और लौकी खाने से पेट से जुड़ी समस्याएं भी दूर होती हैं और जोड़ों के दर्द में भी आपको आराम मिलेगा।

खरगोश और कछुए की कहानी

एक बार एक खरगोश और एक कछुआ था। वो दोनों एक बहुत बड़े जंगल में बहुत सारे जानवरों जैसे शेर, हाथी, हिरण और मगरमच्छ के साथ रहते थे। खरगोश में यह खास बात थी कि वह बहुत तेज दौड़ता था इसलिए वो जब भी किसी के साथ रेस में भाग लेता था और तेज दौड़ने की वजह से जीत जाता था। समय के चलते लगातार जीतने की वजह से उस खरगोश को अहंकार यानी घमंड हो गया था। घमंडी खरगोश लगातार रेस में भाग लेता था और थोड़ी सी मेहनत करके ही जीत जाता था। उसी जंगल में एक समझदार कछुआ भी रहता था। खरगोश के विपरीत ही वह कछुआ बहुत धीरे चलता था। वास्तव में वह कछुआ पूरे जंगल में सबसे ज्यादा धीरे चलने वाला जानवर था। कछुआ अक्सर उस घमंडी खरगोश को देखता था और उसको यह समझ में आने लगा था कि सफलता उस खरगोश के सिर चढ़ती जा रही है। इसलिए कछुए ने सोचा कि वह खरगोश को सबक सिखाएगा। उसने खरगोश के साथ जंगल के सभी जानवरों को बुलाया और खरगोश को रेस करने के लिए चैलेंज दिया। अब क्या, यह सुनते ही सभी जानवर ठहाके मारकर जोर-जोर से हँसने लगे। सबने सोचा कि कछुए से तेज दौड़नेवाले जानवर भी उस खरगोश से हार चुके थे तो जंगल में सबसे धीरे चलनेवाला कछुआ खरगोश को कैसे हरा पाएगा? सब बहुत अचंभित थे और खरगोश को तो यह चैलेंज पसंद आना ही था इसलिए उसने इस चैलेंज को स्वीकार कर लिया।

अब अगले दिन खरगोश और कछुआ रेस करने के लिए पूरी तरह से तैयार थे। जंगल के बंदर ने हरी झंडी दिखाते हुए कहा, 'ऑन योर मार्क, गेट सेट एंड गो। खुद को चालाक समझने वाला खरगोश तेजी से दौड़ पड़ा और दौड़ते-दौड़ते वह तुरंत आधे रास्ते में पहुँच गया पर कछुआ बेचारा अभी अपनी धीमी चाल के साथ रेस की शुरुआत में था। कुछ समय के बाद खरगोश रुका और सोचने लगा कि कछुआ अंतिम लाइन तक पहुँचने में बहुत समय लगाएगा इसलिए जाहिर सी बात है उसे तो हारना ही है। इसलिए खरगोश सोचा कि वह थोड़ा सा सो लेता है।

खरगोश एक पेड़ की ठंडी छांव के नीचे लेटा और सो गया। इसी के साथ कछुए ने हार नहीं मानी और वह लगातार भागता रहा। अंत में सभी आश्चर्य चकित हो गए क्योंकि कछुआ रेस जीत चुका था। अपने घमंड के कारण खरगोश रेस हार गया था। इस कहानी से हमें दो सीख मिलती है; पहली कि कभी भी किसी व्यक्ति को अपनी जीत पर घमंड नहीं करना चाहिए और दूसरी धीरे व संयम से कार्य करनेवाले ही जीत हासिल करते हैं।

शेर और खरगोश की कहानी

एक जंगल में एक घमंडी व शैतान शेर रहता था और वह खुद को जंगल का राजा कहता था। वह शैतान शेर रोजाना जंगल के जानवरों को मारता था ताकि वह उन्हें खा सके। यह देखकर जंगल के सभी जानवर डरे हुए और चिंतित थे। जंगल के सभी जानवर सोचने लगे कि यदि वह घमंडी शेर लगातार ऐसा करता रहेगा तो जंगल में एक भी जानवर नहीं बचेगा। इसलिए सभी जानवरों ने शेर से कहा कि वह जंगल के सभी जानवरों को ऐसे न मारे। उन्होंने कहा कि हर दिन वे एक जानवर उसकी गुफा में भेज देंगे ताकि सभी जानवर निश्चिंत होकर रह सकें और ऐसे में शेर को शिकार भी नहीं करना पड़ेगा। शेर को यह योजना बहुत अच्छी लगी। इस तरह से उस दिन के लिए बाकी के जानवर शांति से रहने लगे और एक-एक करके बाकी के जानवर उस शैतान शेर का भोजन बनने लगे। बेचारे जानवर करते भी क्या? ऐसा कई दिनों तक चलता रहा। एक दिन एक चालाक खरगोश की बारी आई और उसे भी जबरदस्ती शेर के पास जाना पड़ा। खरगोश ने सोच लिया था कि वह उस शेर का अंत कर देगा। इसलिए उस खरगोश ने जंगल का लंबा रास्ता अपनाया और शेर तक बहुत देरी से पहुँचा। भूखा शेर गुस्से में लाल था और उसने दहाड़ते हुए खरगोश से पूछा कि वह देर से क्यों आया है। खरगोश ने कहा कि उसे देर इसलिए हो गई क्योंकि रास्ते में उसके पीछे एक खूंखार सा शेर पीछे पड़ गया था और उसे खा जाना चाहता था। खरगोश ने यह भी कहा कि वह शेर खुद को जंगल का राजा कहता है। जब भूखे शेर ने यह बात सुनी तो उसे बहुत गुस्सा आया। भूखे शेर ने खरगोश से पूछा कि वह दूसरा शेर कहाँ था। तब खरगोश भूखे शेर को एक कुएं के पास लाया और कुएं की तरफ इशारा करते हुए कहा कि वह दूसरा शेर इसके अंदर है।

जब भूखे शेर ने कुएं में देखा तो उसे पानी में अपनी ही छवि दिखाई दी पर भूखे शेर ने सोचा कि यही वह शेर है जो खुद को जंगल का राजा कहता है। शेर ने गुस्से में दहाड़ा तो उसकी छवि भी उसके जैसा कर रही थी। यह देखकर भूखे शेर को और ज्यादा गुस्सा आ गया और वह बिना कुछ सोचे समझे दूसरे शेर को मारने के लिए कुएं में कूद गया। उसे लगा कि वह उस शेर को मार देगा पर कुएं में तो सिर्फ उसकी छवि ही थी और इस प्रकार से अपनी ही बेवकूफी के कारण शेर मर गया। इस कहानी से यह सीख मिलती है कि शारीरिक बल से ज्यादा बुद्धि होना जरूरी है।

प्यासा कौवा

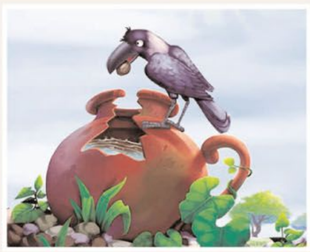

गर्मियों के दिन थे और एक बार एक प्यासा कौवा उड़ता हुआ पानी खोज रहा था। उसने काफी समय तक पानी खोजा पर उसे पानी न मिला। कौवे को बहुत जोर से प्यास लगी थी और इसी कारण से वह निराश भी था। काफी समय के बाद कौवे को एक घड़े में थोड़ा सा पानी दिखाई दिया और वह पानी पीने के लिए खुशी-खुशी उस घड़े के पास पहुँचा। कौवे ने घड़े से पानी पीने का प्रयास किया पर पानी बहुत कम होने के कारण वह उसे न पी सका। कौवे ने कई बार प्रयास किया पर वह सफल न हो पाया और वह दुखी होकर सोचने लगा कि अब क्या किया जाए।

अचानक से कौवे को जमीन पर कुछ कंकड़-पत्थर दिखाई दिए और उसने अपनी चोंच से उन पत्थरों को उठाया। एक-एक करके उसने सभी पत्थर उस घड़े में डाल दिए और पत्थरों की वजह से ही थोड़ी देर बाद घड़े का पानी ऊपर आ गया। अंत में कौवे ने उस पानी से अपनी प्यास बुझाई और उड़ गया।

बंदर और मगरमच्छ

एक बार एक बंदर था और वह नदी के किनारे लगे बेर के एक पेड़ पर रहता था। उस नदी में एक मगरमच्छ भी रहता था और जब उसे भूख लगती तो बंदर कुछ बेर तोड़कर उस मगरमच्छ को दे दिया करता था। बहुत जल्द उस बंदर और मगरमच्छ में दोस्ती हो गई। रोजाना वह मगरमच्छ उस पेड़ के नीचे आता और बंदर उसे खूब सारे बेर खिलाता था। एक दिन उस बंदर ने मगरमच्छ को कुछ ज्यादा बेर दी और वह उसे घर ले जाए। मगरमच्छ ने जब बेर अपनी बीवी को दिए तो वह भी बेर खाकर बहुत खुश हुई। पर वह लालची थी और उसने अपने पति से कहा कि वह उस बंदर का दिल खाना चाहती है जो उन बेरों से ज्यादा मीठा होगा। इसलिए अगले ही दिन मगरमच्छ उस पेड़ के नीचे गया और बंदर को अपने घर पर खाने के लिए बुलाया। वह बंदर भी बहुत खुश हुआ और मान गया।

बंदर खुशी से मगरमच्छ की पीठ पर बैठा और उसके घर चल पड़ा। जब वे दोनों नदी के बीचों बीच पहुँच गए तो मगरमच्छ ने उत्साहित होकर उस बंदर को सारी बात बता दी और कहा कि मेरी बीवी तुम्हारा दिल खाना चाहती है। वह बंदर चालाक था इसलिए उसने तुरंत कहा कि वह तो अपना दिल बेर के पेड़ पर ही छोड़ आया है और उसे पहले अपना दिल लेना पड़ेगा। बंदर ने मगरमच्छ से कहा कि वापस चलो पहले मैं अपना दिल ले लेता हूँ तब हम दोनों तुम्हारे घर चलते हैं। यह बात सुनकर बेवकूफ मगमच्छ मान गया और वे दोनों वापस नदी के किनारे की ओर लौट गए। जैसे मगरमच्छ नदी के तट पर पहुँचा बंदर छलांग लगाकर पेड़ की सबसे ऊँची शाखा पर बैठ गया और खुद की जान बचा ली। तब बंदर ने मगरमच्छ से कहा कि वह उस पर कभी भी भरोसा नहीं करेगा। मगरमच्छ दुखी हो गया और वह अपने घर की ओर चला गया।

बच्चों से लालच देकर न कराएं कोई काम

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

सामाजिक व्यवहार का आईना होता है परिवार

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई तो होता ही है, यह सामाजिक व्यवहार का छोटा आईना भी होता है। यहां जैसा आचरण, जैसा स्वरूप इंसान रखता है, दुनिया में भी उसकी स्थिति कमोबेश वैसी ही होती है। इसीलिए कहा जाता है कि सारे रवैए घर से दुरुस्त करते चलें। अनुशासन और नियम इसमें मदद करते हैं।

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है। परिवार कितना विकसित होता है और कैसे एक खुशहाल और मजबूत परिवार के रूप में उभरकर आता है यह निर्भर करता है उस घर के 'मुखिया' पर। उनका घर के छोटे और बड़े सदस्यों के प्रति व्यवहार व अनुशासन प्रणाली इस प्रकार होनी चाहिए जो परिवार को एक मजबूत व प्रेम की डोरी में बांधकर रख सके। और इसकी शुरुआत होती है घर के छोटे सदस्यों के बालपन से। परिवार के छोटे सदस्य अपने बड़ों से दो प्रकार से सीखते हैं, पहला, जो उन्हें बोलकर सिखाया जाता है, दूसरा, जो बोला है उसे करके दिखाकर। स्पष्ट है, आचरण बोलकर नहीं, अभ्यास में लाकर सिखाया जाता है।

पर अनुशासन जरूरी क्यों है

हम कई बार किसी भी व्यक्ति के लिए सुनते हैं कि 'वह अच्छे परिवार से है', लेकिन सवाल यह है कि 'अच्छा परिवार' बनता कैसे है अच्छा परिवार यानी अनुशासित और जिम्मेदार परिवार, जहां हर सदस्य नियम और कायदों के साथ चलता है। नियम ही परिवार, मनुष्य और वस्तुओं के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करते हैं। परिजनों, मेहमानों, मूक प्राणियों की भावनाओं तथा वस्तुओं और व्यवस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की जैसी कद्र इंसान घर में करेगा, वैसा ही उसका आचरण बाहर की दुनिया में होगा। नियम और कायदे परिवार की नींव हैं, जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाते हैं। इससे सबका जीवन समान रूप से व्यतीत होता है और वे परिवार के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। जिम्मेदारी का भाव घर के साथ-साथ बाहर भी कायम रहता है इस तरह तय कर सकते हैं नियम -

एक वक्त का खाना साथ खाएं

कहते हैं कि जो परिवार साथ बैठकर खाना खाता है वो हमेशा एक-साथ होता है। साथ खाना खाने से रिश्ते मजबूत होते हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने के लिए भी वक्त मिल जाता है। घर के बड़े एक ऐसा वक्त चुन सकते हैं जब पूरा परिवार घर पर मौजूद हो, जैसे कि रात का भोजन साथ कर सकते हैं। यह नियम भी होना चाहिए कि भोजन करते समय कोई अन्य कार्य नहीं करेगा जैसे कि ना तो मोबाइल का इस्तेमाल करना है और ना ही टीवी देखना है। ध्यान केवल परिवार और भोजन पर होना चाहिए।

प्रार्थना भी सभी सदस्यों के साथ करें

जब हम प्रार्थना, पूजापाठ या इबादत करते हैं, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। यदि बच्चों को इसमें शामिल करेंगे, तो उनमें स्वार्थ का भाव दूर होने के साथ-साथ दूसरों के लिए प्रार्थना करने का भाव विकसित होगा। इसका दूसरा फायदा यह भी है कि यदि रीति-रिवाज बच्चों में छुटपन से ही डालेंगे, तो वे इन्हें समझेंगे, संस्कारी बनेंगे और जानकार भी। सुबह और शाम के समय यदि बच्चे घर पर मौजूद हैं, तो उन्हें पूजापाठ में शामिल करें। बड़ों के द्वारा की जा रही विधियों को देखकर ही बच्चे सीख सकते हैं। एक समय की प्रार्थना में पूरे परिवार की उपस्थिति अनिवार्य करें। जब एक-साथ प्रार्थना करेंगे, तो साथ मजबूती से खड़े हो सकेंगे।

सबके दायरे तय करें

घर में किस समस्या की चर्चा पर कौन शामिल होगा और किस हद तक शामिल होगा यह घर के मुखिया को तय करना होगा। छोटे किन मुद्दों में शामिल होंगे और किन में नहीं ये दायरे तय करने का हक भी सिर्फ घर के मुखिया या बड़ों का होगा। इन सारी बातों से छोटों में एक अनुशासित व्यवहार विकसित होगा, साथ ही साथ परिवार के सदस्यों में प्रेम व सम्मान बना रहेगा।

समय सीमा का नियम बनाएं

कुछ चीजों के लिए समय सीमा तय करें जिसका पालन बच्चों से लेकर बड़ों तक सब करें। एक नियम आठ घंटे की नींद लेने का बनाएं। ये सबके लिए समान हो। ऐसा ना हो कि बच्चों को जल्दी सोने के निर्देश देकर बड़े देर रात तक जागते रहें। दूसरा नियम घर लौटने के समय का है। कोशिश यह करनी है कि हर सदस्य शाम को तय समय तक घर लौटकर आ जाए। हालांकि जिनकी देर रात तक दफ्तर में काम करने की मजबूरी है, उन्हें छूट दी जा सकती है, लेकिन अन्य सदस्यों के लिए यह नियम अपरिवर्तनीय होना चाहिए।

भेदभाव पैदा ना होने दें

प्रिय बच्चे या प्रिय बहू-बेटे को लेकर पक्षपात वाला रवैया बड़े ना बनाएं। जिन नियमों में लचीलापन है, वो सबके लिए है और जिनके पालन में छूट नहीं दी जा सकती, वो भी सबके लिए समान हो।
फिर भी सवाल उठ सकते हैं, जैसे पहले जिन मामलों में सख्ती थी, अब छूट क्यों है
ऐसे सवालों पर घर के मुखिया को खुलकर बात करनी चाहिए और अपना पक्ष इस तरह स्पष्ट करना चाहिए कि बच्चों के मन में कोई कड़वाहट ना उपजे। सवाल पूछने, जिज्ञासाओं को सामने रखने को प्रोत्साहित कीजिए, यह असरदार और कारगर प्रक्रिया है।

वित्तीय जिम्मेदारी बराबर रखें

संयुक्त परिवार में घर खर्च के हिस्सों को लेकर सबसे ज्यादा मुद्दे खड़े होते हैं। अगर परिवार में दो बेटे हैं, एक की आय दूसरे की तुलना में कम है तो इसे संतुलित करने की जिम्मेदारी भी मुखिया की है। जब घर खर्च को सदस्यों में बांटें, तो फीसदी के हिसाब से तय करें, जैसे हर सदस्य को अपनी आय का पांच या दस फीसदी देना है।

सेकंड हैंड सामान खरीदने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

जब भी कपड़े, खिलौने, फर्नीचर और फिर अन्य चीजों की खरीदारी की बात आती है, तो हम सभी उसे नया ही खरीदना चाहते हैं। इसे खरीदने के लिए हम एक बिग स्टोर या दुकान पर जाते हैं। नई चीजें देखने में भले ही आकर्षक लगे, लेकिन वास्तव में यह काफी महंगी होती हैं। कई बार तो आपका इन्हें लेने का मन भी करता है, लेकिन इन्हें खरीदने के बाद आपका पूरा बजट हिल जाता है। वहीं, दूसरी ओर अगर आप एक पॉकेट फ्रेंडली तरीके से अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति करना चाहती हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदने पर विचार करें। कुछ लोगों को लगता है कि अगर वह सेकंड हैंड आइटम खरीदेंगे तो वह अच्छी नहीं होगी। जबकि ऐसा नहीं है। सेकंड हैंड आइटम खरीदने के अपने कई फायदे होते हैं। इससे आपके पैसों की बचत तो होती ही है, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सेकंड हैंड आइटम खरीदने के कुछ बेमिसाल बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं

सपनों को कर सकते हैं पूरा

कई बार किसी चीज को खरीदने का आपका बेहद मन होता है, लेकिन उसकी ऊंची कीमत के कारण आपकी हिम्मत ही नहीं होती कि आप उसे खरीद लें। लेकिन जब आप उसी आइटम को सेकंड हैंड खरीदते हैं तो इससे वही चीज आपको आधे से भी कम दाम में मिल जाती है। इस तरह आप अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति बेहद आसानी से कर पाते हैं। आप चाहें तो सेकंड हैंड आइटम में ब्रांड्स के टैग आदि को भी चेक कर सकती हैं ताकि आप रियल चीज ही खरीदें।

प्रकृति के लिए भी लाभदायक

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी है कि यह आपकी प्रकृति के अनुकूल भी है। दरअसल, जब आप कोई नई आइटम खरीदते हैं तो उससे बनाने में केवल श्रम ही नहीं लगता, बल्कि कुछ सामग्री, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन भी खर्च होते हैं। फिर चाहे वह मेटल्स की माइनिंग करना हो या फिर पेड़ों को काटना। इस तरह बार-बार नई आइटम खरीदकर हम कहीं ना कहीं अपने नेचुरल रिसोर्स को खर्च करते चले जाते हैं। वहीं, सेकेंड हैंड सामान खरीदने से आप उस ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन को बचा सकते हैं। आप जिन्हें खरीद रही हैं, उनके लिए पहले ही संसाधनों का इस्तेमाल किया जा चुका है। इसके अलावा, जब आप इस्तेमाल किया हुआ खरीदते हैं तो आप उन वस्तुओं को दूसरा जीवन दे रहे होते हैं और उन्हें फेंकने से बचाते हैं।

खरीद सकती हैं यूनिक आइटम

यह सेकंड हैंड आइटम खरीदने के एक सबसे अच्छे फायदों में से एक है। दरअसल, जब आप एक नई आइटम खरीदते हैं तो अक्सर मास-प्रोड्यूस्ड आइटम को ही खरीद पाती हैं, जो अधिकतर लोगों के पास होती है। लेकिन अगर आप सबकी तरह नहीं बनना चाहतीं और कुछ अलग व यूनिक आइटम खरीदना चाहती हैं तो आपको एंटीक शॉप्स या सेकंड हैंड शॉप्स पर जाकर सर्च करना होगा। यहां पर आपको कुछ ऐसी बेहतरीन और यूनिक आइटम भी मिल सकती हैं, जिसके बारे में शायद आपने सोचा ही ना हो।

लोकल बिजनेस को सपोर्ट करना

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी होता है कि इससे लोकल बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। फिर चाहे आप उसे अपने पड़ोसी से खरीद रहे हों या फिर सोशल मीडिया के जरिए। ऐसे में अगर आप अपने पैसे खर्च करके इस बात की खुशी भी हासिल करना चाहती हैं कि आप लोकल बिजनेस को सपोर्ट कर रही हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदना अच्छा विचार है।

मिनटों में निखारें रंगत

अगर अपना बुझा हुआ सा चेहरा देखकर आप थकान महसूस कर रही हैं? तो आप कुछ ही देर में इसकी रंगत में दिए हुए टिप्स अपनाकर निखार ला सकती हैं।

पूरे हफ्ते के हेक्टिक शेड्यूल के बाद अपने चेहरे को फ्रेश देखने की चाह तो सबमें होती है। आपको बता दें कि बस कुछ मिनटों में ही ऐसा मुनासिब हो सकता है। बस हमारे टिप्स फॉलो करें।

बालों की रंगत

हेयर कलर की बात करें, तो कुछ समय के बाद ये आपके बालों को एक बोर सा लुक देने लगता है। इन्हें तुरंत शाइनी लुक देने के लिए आप कलर कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे बाल कुछ अलग लगेंगे। उनकी चमक में भी निखार आएगा।

पाएं नेचरल लुक

चेहरा कुछ मुरझाया सा दिख रहा है, तो इसके लिए क्विक रिजल्ट देने वाला एक ही तरीका है और वह है ब्लश ऑन। नेचरल लुक देने के लिए हल्का सा ब्लशर गालों पर लगाएं। इससे चेहरा एकदम खिला-खिला दिखेगा। हां, ऐसे में नेचरल शेड ही यूज करें।

आंखों की फ्रेशनेस

अगर आंखें पफी हो गई हैं और डार्क सर्कल्स दिख रहे हैं, तो इन पर गर्म टी-बैग रखने से फ्रेशनेस मिलेगी। इससे कालापन भी दूर होगा। आप खीरे का रस या उसकी स्लाइस काटकर भी आंखों पर रख सकती हैं। इसके अलावा कोई अच्छी आई क्रीम का इस्तेमाल करना भी बेहतर होगा।

ऐसे करें झटपट मेकअप

अगर आपके चेहरे पर ज्यादा थकान है तो अपने पास पर्स में थोड़े से कॉस्मेटिक, पाउडर, क्रीम, शीशा, कंघी और जरूरत की चीजों को रख सकती हैं। इससे ऑफिस या सफर के दौरान कहीं भी थोड़ा सा समय निकालकर झटपट मेकपट कर सकती हैं। इस मेकअप में महज दो मिनट से भी कम समय लगेगा। अगर आपके साथ सहेनियां हैं तो आपको और सुविधा होगी। अगर यात्रा में हैं तो भी आप कुछ ही मिनटों में मेकअप कर सकती हैं। प्राय: देखने में आया है कि महिलाएं किसी के सामने मेकअप करने में शर्मिंदगी लगती है। यह ठीक नहीं है।

पुरानी ऊनी टोपी को इस तरह से करें रियूज

अगर बच्चा बड़ा हो गया है और टोपी छोटी हो गई है या टोपी में रोएं निकल आएं हैं तो इसे फेंकने के बजाए आप किचन में इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। जी हां...इसका इस्तेमाल करके किचन में बरतन रखने का स्टैंड बना सकते हैं। इसके लिए आप आप घर में रखी कोई भी दो ऊनी टोपी ले लीजिए। कपड़े टांगने वाले हैंगर ले लें।अब हैंगर के नीचे वाले सिरे में दोनों टोपी को एक एक करके सूई धागे की मदद से सिल दीजिए। हैंगर में टोपी सिलने के बाद आप इसे किचन में कहीं पर भी हैंग कर सकते हैं और इसमें बर्तन रख सकते हैं। कई बार हमारे किचन में कई ऐसी हाफ प्लेटें होती हैं जो कम इस्तेमाल होती हैं और इनपर तेल के छींटे पड़ने से गंदे हो जाते हैं। इन्हें इस स्टैंड में रखने से बर्तन गंदे भी नहीं होगे और टोपी भी इस्तेमाल में आ जाएगा। वहीं आप इसे अपने बाथरूम में भी सामान रखने के लिए टांग सकते हैं। इसमें काफी जगह होती है जिससे आपके कई सामान इसमें रखे जा सकते हैं। तो है ना यह मजेदार हैक्स। टोपी सिर्फ सिर में पहनने के काम नहीं आते हैं इससे आपक कई सारे काम ले सकते हैं। अगर आपके घर में भी कोई पुरानी टोपी रखी है तो आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गाजा शहर में इजरायली ड्रोन हमले में 10 फिलिस्तीनियों की मौत !

गाजा, एजेंसी। मध्य गाजा सिटी में एक इजरायली ड्रोन हमले में कम से कम 10 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसाल ने बताया कि मारे गए लोगों में महिला और बच्चे भी शामिल थे। इजरायली सेना ने इस घटना पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रविवार को इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उनकी सेना ने हाल ही में उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया क्षेत्र में भूमिगत आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए एक विशेष अभियान पूरा किया। इसी बीच, हमास के सशस्त्र संगठन अल-क़सम ब्रिगेड्स ने कहा कि उनके सदस्यों ने शनिवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में एक इजरायली बख्तरबंद वाहन और एक टैंक को नष्ट कर दिया। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा दक्षिणी इजरायल में किए गए हमले में लगभग 1,200 लोगों की मौत और करीब 250 लोगों के बंधक बनाए जाने के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया है। गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में अब तक 44,708 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। यह आंकड़ा गाजा के स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को जारी किया। वहीं, न्यूज एजेंसी एनएनए के मुताबिक, इजरायल के हवाई हमले में दक्षिणी लेबनान के मर्ज्योन जिले के डिब्बाइन गांव में भी तीन लोग मारे गए हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने एनएनए के हवाले से बताया कि इजरायली युद्धक विमान ने रविवार को बेका वैली में स्थित कफर जबाद गांव और अंजार शहर के बीच के पूर्वी पहाड़ी इलाके में घुस आए थे। इजरायली सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसके सैनिक वर्तमान में दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह को तैनात होने से रोकने और खतरों को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। पोस्ट में यह भी कहा गया है कि यह कार्रवाई इजरायल और लेबनान के बीच समझौते के अनुसार है।

सूडान की राजधानी में ईंधन स्टेशन पर बमबारी में 28 की मौत, 37 घायल

खार्तूम , एजेंसी। सूडान की राजधानी खार्तूम के दक्षिण में एक ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह जानकारी एक स्वयंसेवी समूह और स्थानीय मीडिया ने दी। रविवार को एक स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने बताया कि मायो इलाके के पास नए मार्केट 6 में स्थित अमोनिया ईंधन स्टेशन पर बम गिराया गया। यह बशीर हॉस्पिटल के उत्तर में स्थित है और इससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों में 29 झुलसने के मामले शामिल हैं, जिनमें से 3 गंभीर रूप से झुलसे हैं। इसके अलावा, 8 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद चिकित्सा सेवाएं प्रभावित लोगों की मदद में जुटी हुई हैं। स्वयंसेवी समूह ने घायलों के इलाज के लिए अतिरिक्त चिकित्सा सहायता की अपील की है। स्थानीय समाचार पोर्टल अल-रकूबा ने भी अमोनिया ईंधन स्टेशन पर हुई बमबारी में 28 लोगों के मारे जाने और 37 के घायल होने की पुष्टि की है।

ट्रंप ने ट्रूडो को फिर कहा- हम सब्सिडी दे रहे इसलिए कनाडा बन जाए अमेरिका का राज्य, मैक्सिको को भी धमकाया

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि अमेरिका अपने दो पड़ोसी देशों कनाडा और मैक्सिको को क्रमशः 100 अरब डॉलर और 300 अरब डॉलर की सब्सिडी दे रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो इन दोनों देशों को अमेरिका का हिस्सा बन जाना चाहिए। ट्रंप (78) ने खास कर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को धमकी दी है कि अगर कनाडा और मैक्सिको ने अपने अपने क्षेत्रों से अमेरिका में अवैध अप्रवासियों के प्रवाह को नहीं रोका तो वह दोनों देशों पर भारी शुल्क लगा देंगे। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा, ''हम कनाडा को हर साल 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की सब्सिडी दे रहे हैं। हम मैक्सिको को लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर की सब्सिडी दे रहे हैं। हमें सब्सिडी नहीं देनी चाहिए। हम इन देशों को सब्सिडी क्यों दे रहे हैं? अगर हम उन्हें सब्सिडी दे रहे हैं, तो उन्हें (अमेरिका का) एक राज्य बन जाना चाहिए। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रविवार के 'टॉक शो में ट्रंप का यह पहला

साक्षात्कार था। उन्होंने कहा, ''हम मैक्सिको को सब्सिडी दे रहे हैं, हम कनाडा को सब्सिडी दे रहे हैं और हम दुनिया भर के कई देशों को सब्सिडी दे रहे हैं। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि सभी को समान, तीव्र और निष्पक्ष अवसर मिले। ट्रंप ने कुछ अमेरिकी सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) की इस टिप्पणी का खंडन किया कि शुल्क से अमेरिका को नुकसान होगा और आम वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे आम लोगों पर दबाव बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ''इसका अमेरिकियों को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने हमारे लिए एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था बनाई। अगर हमें युद्ध एवं अन्य चीजों के साथ शुल्क से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है तो मैं युद्ध का जवाब शुल्क (कर) से देना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं यही कहूंगा कि आप लोग लड़ना चाहते हैं, तो अच्छी बात है आप लड़िए। लेकिन, आप दोनों ही अमेरिका को 100 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करेंगे। अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो शुल्क के कई उद्देश्य हैं। मैं यह नहीं कहता कि आप उनका पागलों की तरह इस्तेमाल करें। मैं कहता हूं कि उनका सही तरीके से इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, ''इससे देश को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि इससे इस देश को पैसे मिलेंगे। हमें कभी भी पूरी ताकत से काम करने का मौका नहीं मिला क्योंकि हमने इससे पूर्व कोविड-19 महामारी से जंग लड़ी। हमने इसे बहुत अच्छे से, सफलतापूर्वक निपटाया। जब मैंने सत्ता की बागडोर जो बाइडन (निवर्तमान राष्ट्रपति) को सौंपी थी, तो शेयर बाजार कोविड-19 महामारी के आने से ठीक पहले की तुलना में अधिक था। शुल्क (कर), अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि अर्थशास्त्र के बाहर अन्य चीजों को प्राप्त करने के लिए भी एक बहुत शक्तिशाली उपकरण है। साक्षात्कार के दौरान ट्रंप से पूछा गया था, ''क्या आप ये शुल्क लगाने जा रहे हैं या यह सिर्फ बातचीत की रणनीति है? ट्रंप ने कहा, ''मैं आपको एक उदाहरण देता हूं। कनाडा और विशेष रूप से मैक्सिको से हमारे देश में लाखों लोग आ रहे हैं।

एनाकोंडा के साथ बिस्तर पर आराम फरमाता दिखा शख्स, खतरनाक वीडियो देख हैरान हुए लोग

केपटाउन, एजेंसी। सोशल मीडिया पर हर दिन कोई न कोई वीडियो वायरल होते ही रहते है, लेकिन इस बार एक वीडियो कुछ खास और बेहद खतरनाक है। इस वीडियो में एक अमेरिकी शख्स को विशाल एनाकोंडा के साथ बिस्तर पर आराम करते हुए देखा जा सकता है। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान वह किताब पढ़ रहा है और बिस्तर पर उसका पालतू कुत्ता भी शांति से लेटा हुआ है।

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर रेप्टाइल प्रेमी माइक होल्स्टन ने शेयर किया है, और इसे कुछ ही घंटों में लाखों लोग देख चुके हैं। माइक होल्सटन को उनके साहसिक कारनामों के लिए जाना जाता है और वह अक्सर खतरनाक सांपों और अजगरों के साथ वीडियो शेयर करते रहते हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स एनाकोंडा के मुंह के पास आराम से सिर रखकर सो रहा है, जबकि उसका कुत्ता पैर के पास लेटा हुआ है। इस दृश्य से यह साफ लगता है कि शख्स और एनाकोंडा के बीच किसी भी तरह का डर नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे वे एक दूसरे के साथ आराम से समय बिता रहे हैं।

बता दें माइक होल्स्टन इंस्टाग्राम पर नाम से जाने जाते हैं। अपने साहसी और अनोखे वीडियो के लिए मशहूर हैं। वह खतरनाक जानवरों के साथ अपनी रोमांचक क्लिप्स पोस्ट करते रहते हैं। इससे पहले भी माइक ने इसी एनाकोंडा के साथ एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह इसे प्रिंसेस ट्रीटमेंट दे रहे थे।

डब्ल्यूएचओ अलर्टः दुनिया एक और महामारी के कगार पर ! अफ्रीकी देश में 79 मौतें

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। कोरोना महामारी से उभरी दुनिया के लिए अफ्रीका से चिंताजनक खबर सामने आई है। कांगो में एक अज्ञात संक्रमण से अब तक 79 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी टीमों को प्रभावित क्षेत्र में भेज दिया है। कांगो और डब्ल्यूएचओ की संयुक्त टीमें इस रहस्यमय संक्रमण के कारणों और प्रकृति को समझने में जुटी हुई हैं।

यह संक्रमण अक्टूबर में कांगो के पांजी क्षेत्र में पहली बार सामने आया। अब तक 376 लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं, जिनमें 5 साल से कम उम्र के 200 बच्चे शामिल हैं। संक्रमण के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और गंभीर एनीमिया शामिल हैं।

अफ्रीका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के निदेशक जीन कासिया ने बताया कि बीमारी की पहचान और जांच में करीब पांच से छह सप्ताह की देरी हुई। हालांकि अब परीक्षण तेज कर दिए गए हैं, और जल्द ही संक्रमण की प्रकृति और फैलाव के तरीकों का पता लगने की उम्मीद है। नेशनल पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के महानिदेशक डायडोने मुंबा ने संदेह जताया है कि यह बीमारी हवा के जरिए फैल रही हो सकती है। फिलहाल मरीजों के नमूनों की गहन जांच की जा रही है। महामारी के प्रकोप को देखते हुए वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत में भी अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस का प्रकोप देखने को मिला था, जिसे डब्ल्यूएचओ ने बाद में नियंत्रित कर लिया। लेकिन नए संक्रमण ने फिर से दुनिया को सतर्क कर दिया है। अफ्रीका में इस नए संक्रमण के मद्देनजर हांगकांग ने जोहान्सबर्ग और अदीस अबाबा से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग को बढ़ा दिया है। जापान के विदेश मंत्रालय ने भी अपने नागरिकों को इन क्षेत्रों की यात्रा न करने की सलाह दी है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव से उबर रही दुनिया के लिए यह संक्रमण एक और चुनौती बन सकता है।

प्रधानमंत्री को शक्तियां सौंपने के राष्ट्रपति के फैसले पर बिफरा विपक्ष, कहा- यह दूसरा तख्तापलट

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लगातार सियासी उथल-पुथल जारी है। यहां के हालात तब ज्यादा बदतर हो गए, जब तीन दिसंबर की रात राष्ट्रपति यून सुक-योल ने इमरजेंसी यानी मार्शल लॉ लगाने का एलान किया था। हालांकि, भारी विरोध के बाद कुछ ही घंटों बाद इसे समाप्त कर दिया गया था। हालांकि, इसके वाबजूद भी हालात सही नहीं हैं। अब यहां के विपक्ष ने सत्तारूढ़ पार्टी पर सत्ता पर काबिज होने तथा मार्शल लॉ के एलान के लिए राष्ट्रपति यून सूक योल पर महाभियोग चलाने से इनकार करके दूसरा तख्तापलट करने का आरोप लगाया।

छह घंटे चले मार्शल लॉ ने बिगाड़े हालात-राष्ट्रपति यून सुक योल ने हाल ही में मार्शल लॉ (सैन्य शासन) घोषित कर दिया था, यह आरोप लगाते हुए कि विपक्ष देश की लोकतंत्र और स्थिरता के लिए खतरा बन रहा है। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद, राष्ट्रपति ने इस फैसले को वापस ले लिया। यह कदम जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद लिया गया था। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला। हालांकि चंद घटों के लिए लागू हुए मार्शल लॉ ने देश की राजनीतिक को हिला कर रख दिया।

यून पर महाभियोग लगाने में नाकाम रहा विपक्ष-राष्ट्रपति योल के इस फैसले के खिलाफ विपक्ष समेत देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया। वहीं, विपक्षियों ने कथित विद्रोह को लेकर यून और पूर्व रक्षा मंत्री सहित कम से कम नौ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री को सत्ता सौंपने पर सहमति! राष्ट्रपति और कुछ शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ विद्रोह के लिए जांच की जा रही है, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के बहिष्कार के बाद शनिवार को योल के खिलाफ महाभियोग चलाने का प्रयास विफल हो गया। पार्टी का दावा है कि बेहद अलोकप्रिय नेता ने प्रधानमंत्री हान डक-सू और पार्टी प्रमुख को सत्ता सौंपने पर सहमति जता दी है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पार्क चान-डे ने कहा कि यह एक गैरकानूनी, असंवैधानिक कृत्य है, जो दूसरा विद्रोह और दूसरा तख्तापलट है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से इसे तुरंत रोकने का आग्रह किया।

क्या है नियम? दक्षिण कोरिया के संविधान के अनुसार, राष्ट्रपति तब तक सरकार का मुखिया और सेना का कमांडर इन चीफ बना रहता है, जब तक कि वह अक्षम न हो जाए, इस्तीफा न दे दे या पद न छोड़ दे। ऐसे मामले में, चुनाव होने तक अंतरिम आधार पर सत्ता प्रधानमंत्री को सौंप दी जाती है। पार्क ने कहा कि यह दावा करना कि राष्ट्रपति योल पद पर बने रह सकते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी शक्तियां प्रधानमंत्री और अपनी सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता को सौंप दी हैं - जो निर्वाचित अधिकारी नहीं हैं। यह एक स्पष्ट संवैधानिक उल्लंघन है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने कहा, खुद को संविधान से ऊपर रखने का उनका रवैया विद्रोही यून सुक योल जैसा है।जांचकर्ताओं ने पहले ही पूर्व रक्षा मंत्री को हिरासत में ले लिया है, उनके कार्यालयों पर छापे मारे हैं, कई शीर्ष अधिकारियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं और सोमवार को जनरल को बुलाया है।

दक्षिण कोरिया ने राष्ट्रपति यून की विदेश यात्राओं पर लगाया बैन

सियोल , एजेंसी।
दक्षिण कोरिया के न्याय मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रपति यून सूक येओल पर उनके द्वारा लगाए गए 'मार्शल लॉ की घोषणा की जांच के दौरान विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दक्षिण कोरिया की पुलिस, अभियोजकों और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी ने प्रतिबंध का अनुरोध किया था। इन एजेंसियों ने पिछले सप्ताह यून द्वारा 'मार्शल लॉ लगाए जाने के बाद संभावित विद्रोह के आरोपों की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। न्याय मंत्रालय के एक अधिकारी ने संसदीय सुनवाई में बताया कि प्रतिबंध जारी कर दिया गया है।

दक्षिण कोरिया की पुलिस पिछले सप्ताह देश में कुछ समय के लिए विवादास्पद 'मार्शल लॉ लगाने के कारण राष्ट्रपति यून सूक येओल की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का विचार कर रही थी। पिछले मंगलवार को यून द्वारा 'मार्शल लॉ लगाये जाने के कारण सियोल की सड़कों पर सशस्त्र विशेष बलों की टुकड़ियां उतर आईं तथा देश में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मच गई । रविवार को, वह अपने खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग प्रस्ताव से बच गए, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के अधिकतर सांसदों ने सदन में मतदान का बहिष्कार किया था। लेकिन विपक्षी दलों ने इस सप्ताह उनके विरूद्ध नया महाभियोग प्रस्ताव लाने का निश्चय किया है। मुख्य विपक्षी 'डेमोक्रेटिक पार्टी ने यून के 'मार्शल लॉ लागू करने को ''असंवैधानिक, अवैध विद्रोह या तख्तापलट कहा है। इसने कथित विद्रोह को लेकर यून और पूर्व रक्षा मंत्री सहित कम से कम नौ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वैसे तो राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए अधिकतर मामलों में अभियोजन से छूट प्राप्त होती है।

संसद में अविश्वास प्रस्ताव से ठीक पहले टोंगा के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

टोंगा , एजेंसी।
टोंगा के प्रधानमंत्री सियाओसी सोवालेनी ने अपने नेतृत्व के खिलाफ प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव से पहले सोमवार को संसद में अचानक इस्तीफा दे दिया, जिससे उनकी सरकार और टोंगा के राजा के बीच तनावपूर्ण संबंधों का दौर समाप्त हो गया। सोवालेनी ने अपने इस्तीफे का कारण नहीं बताया, लेकिन उनके इस्तीफे से सोमवार को होने वाला अविश्वास प्रस्ताव रुक गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा। सोवालेनी ने 2021 में पदभार संभाला था। उनका इस्तीफा दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश टोंगा में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से एक वर्ष से भी कम समय पहले आया है और यह टोंगा के राजतंत्र तथा निर्वाचित सांसदों के बीच समय-समय पर होने वाले तनाव को उजागर करता है। टोंगा की संसद के 'फेसबुक पेज पर एक बयान में कहा गया कि 54 वर्षीय सोवालेनी ने ''टोंगा की भलाई

और उसके बेहतर भविष्य के लिए पद छोड़ा है।

सोमवार को टोंगा की संसद से प्राप्त वीडियो में नेता अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले टोंगा की संसद में भावनात्मक टिप्पणी करते हुए दिख रहे हैं। सोवालेनी के कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। उनका नेतृत्व सितंबर 2023 में पिछले अविश्वास प्रस्ताव से बच गया था।

यूरोपीय एजेंसी का दावा : इतिहास का सबसे गर्म साल बनने जा रहा 2024

ब्रसेल्स, एजेंसी। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब तेजी से दिखने लगा है। इस बीच यूरोप की जलवायु परिवर्तन एजेंसी कॉपरनिकस ने डराने वाला अनुमान जारी किया है। एजेंसी ने कहा है कि 2024 का साल दुनिया के इतिहास में सबसे गर्म साल होने वाला है। एजेंसी ने कहा कि यह लगभग तय है कि 2024 रिकॉर्ड में सबसे गर्म साल होगा। बयान में कहा गया है कि यह पहली बार होगा, जब औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा होगा। एजेंसी ने कहा कि इस साल इतिहास का दूसरा सबसे गर्म नवंबर दर्ज किया गया। 2023 का नवंबर अब भी इतिहास में सबसे गर्म नवंबर बना हुआ है। इस बार नवंबर में सतह पर हवा का तापमान 14.10 डिग्री सेल्सियस रहा है, जो कि 1991 से 2020 के औसत तापमान के मुकाबले 0.73 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। नवंबर में ही ग्लोबल वार्मिंग से जुड़ा एक और अनचाहा रिकॉर्ड भी बना है।

हिरोशिमा परमाणु हमले के बाद सहा लोगों का तिरस्कार, लेकिन नहीं मानी हार; अब 1 लाख पीड़ितों को मिलेगा नोबेल पुरस्कार

टोकियो , एजेंसी।
जापान में अमेरिकी परमाणु बम विस्फोटों में जिंदा बचे लोगों को मंगलवार को नोबेल शांति पुरस्कार मिलेगा। सालों तक परमाणु-विरोधी अभियान चलाने और दुनिया को अपने निशान दिखाने के बाद भी उनके मन में अपने साथ हुए भेदभाव की दर्दनाक यादें बरकरार हैं।

1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिकी बमबारी के बाद जापान के आत्मसमर्पण और द्वितीय विश्व युद्ध के अंत के बाद, हमलों में जिंदा बचे कई लोगों को समाज ने त्याग दिया था।

रेडिएशन संबंधित पूर्वाग्रह के कारण उनके लिए नौकरी ढूंढना मुश्किल हो गया और जिसका असर उनकी शादी पर भी

दिखाई दिया। इस वजह से टोक्यो में एक छोटे समूह ने एक सांप्रदायिक कब्र का निर्माण किया, जहां दर्जनों लोगों को एक साथ दफनाया गया। सरकार के अनुसार, फिलहाल जापान में लगभग 106,800 ए-बम जीवित बचे लोग हैं, जिन्हें हिबाकुशा के नाम से जाना जाता है। उनकी औसत उम्र 85 साल है। उनमें से एक 90 साल की रीको यामादा हैं, जो 11 साल की थीं और हिरोशिमा में रहती थीं। जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने 6 अगस्त, 1945 को पहला परमाणु बम गिराया था, जिसमें लगभग 140,000 लोग मारे गए।

वह हमला और उसके तीन दिन बाद नागासाकी में, जहां 74,000 लोग मारे गए, जो बच गए, उन्हें गंभीर चोटें आईं और रेडिएशन संबंधी कई बीमारियां हुईं। लोगों को अपने घावों और रेडिएशन के संपर्क में आने पर अत्यधिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है अतीत में, लोग हिबाकुशा से कहते थे शादी मत करो या करीब मत आओ, तुम संक्रामक हो। कुछ लोगों ने हिरोशिमा या नागासाकी में अपना पूरा परिवार खो दिया, और भले ही वे रिश्तेदारों के साथ रहे, लेकिन उनके पास जो कुछ भी था वह उनसे छीन लिया गया और उन्हें धमकाया गया।

हमले में खो दिया पूरा परिवार, परमाणु हथियार मुक्त दुनिया बनाने की चलाई मुहिम; हिरोशिमा, नागासाकी बम ब्लास्ट पीड़ितों को जापान में मिलेगा शांति पुरस्कार टोक्यो में रहने वाली यमादा ने अपने अनुभवों को साझा करने के लिए दुनिया भर की यात्रा करके लगभग छह दशकों तक साथी हिबाकुशा की सहायता की है।

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच ने मालिक के बयान पर ही उठाया सवाल

कहा- ऋषभ पंत ने पैसे के लिए छोड़ी टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत आईपीएल में पिछले सीजन तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान थे। हालांकि अगले सीजन से वह लखनऊ सुपर जायंट्स की जर्सी में नजर आएंगे। पंत को दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन नहीं किया था। पंत और टीम के मालिक पार्थ जिंदल ने कहा था कि इस फैसले में पैसा का रोल नहीं था। हालांकि टीम के हेड कोच हेमांग बदानी ने दोनों को ही झूठा ठहरा दिया है।

ऋषभ पंत और पार्थ जिंदल का बयान

कुछ समय पहले टीम के मालिक पार्थ जिंदल ने इससे अलग ही कहानी सुनाई थी। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइंफो को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि पंत के दिल्ली छोड़कर जाने के फैसले में पैसों का कोई लेना देना नहीं था। वहीं ऋषभ पंत ने भी एक्स पर पोस्ट करके कहा था कि वह पैसों की वजह से ऑक्शन में नहीं गए थे।

ऋषभ पंत नहीं होना चाहते थे रिटेन - क्रिक इट विद बदरी पॉडकास्ट में हेमांग बदानी ने सुब्रामाण्यम बद्रीनाथ को बताया कि पंत कभी रिटेन नहीं होना चाहते थे। हेमांग ने कहा, 'उसने कहा कि वह ऑक्शन में जाकर मार्केट टेस्ट करना चाहता है। अगर आप किसी खिलाड़ी को रिटेन करना चाहते हैं दोनों पार्टी को कुछ चीजों पर सहमत होना होता है। हमने उनसे बात करने की कोशिश की। कई फोन और मैसेज किए।' हेमांग ने यह भी बताया कि रिटेन न करने के बाद भी दिल्ली पंत को टीम में चाहती थी। यही कारण है कि उन्होंने 21 करोड़ रुपए की रकम पर भी पंत के लिए आरटीएम का इस्तेमाल करने का फैसला किया।

हेमांग ने कहा, 'हां, दिल्ली कैपिटल्स उसे रिटेन करने में इच्छुक थी। उन्होंने कहा कि वह ऑक्शन में जाना चाहते थे। उसे लग रहा था कि वह रिटेन खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रकम पाने वाले क्रिकेटर से ज्यादा पैसा पाएगा। उसे लगा कि उसकी कीमत ज्यादा है और मार्केट को भी ऐसा ही लगा। उसे 27 करोड़ रुपए मिले। यह उसके लिए अच्छा है। वह अच्छा खिलाड़ी हैं। बेशक हम उसे मिस करेंगे लेकिन जिंदगी चलती रहती है।'

ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड ने छिड़का भारत के जख्मों पर नमक

इस मामले में छीन लिया नंबर 1 का ताज

नईदिल्ली, एजेंसी। एडिलेड टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (2023-25) की अंक तालिका में पहले नंबर से सीधे तीसरे नंबर पर आ गई. जबकि नंबर दो पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया जीत के साथ शीर्ष पर काबिज हो गई. भारत को एडिलेड में 10 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने गहरे जख्म दिए. बची खुची कसर इंग्लैंड ने पूरी कर दी. इंग्लैंड एक खास मामले में भारतीय टीम को पछाड़ते हुए आगे निकल गई है. एडिलेड टेस्ट हारने के बाद भारत को दोहरा झटका लगा है.

एक तरफ जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेल रही है तो वहीं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमें तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने हैं. जहां भारत-ऑस्ट्रेलिया 1-1 मैच जीतकर सीरीज में बराबरी पर है तो वहीं इंग्लैंड ने शुरुआती दो मैच हराकर न्यूजीलैंड को पटखनी दी. वहीं भारत को भी एक मामले में पछाड़ दिया है. इंग्लैंड अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बन गई. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतते ही इंग्लैंड ने टीम इंडिया को पीछे छोड़ दिया. इंग्लैंड अब ख्नत्नष्ट में 32 मैच जीतकर टॉप पर आ चुकी है. वहीं भारतीय टीम 31 जीत के साथ दूसरे नंबर पर खिसक चुकी है. ऑस्ट्रेलिया ने 29 मैच, साउथ अफ्रीका-न्यूजीलैंड ने 18-18 मैच जीते है.

न्यूजीलैंड के सफाये पर टिकी इंग्लैंड की नजरें - न्यूजीलैंड को उसकी ही सरजमीं पर तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 2-0 से हरा चुकी है. अब तीसरे मुकाबले में भी जीत दर्ज करके इंग्लैंड कीवी टीम का 3-0 से सूपड़ा साफ़ करना चाहेगी. गौरतलब है कि इंग्लैंड पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है. फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका है ।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा ने कहा, लक्ष्य उदाहरण पेश करके नेतृत्व करना है

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नेहा पहली बार होने वाली महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में अपनी टीम की अगुआई करते हुए ऐतिहासिक सफर पर निकलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी के इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।

महिला एचआईएल के उद्घाटन के महत्व पर विचार करते हुए, नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए इसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, हम वर्षों से इस तरह के मंच का इंतजार कर रहे थे, और अब जब यह आखिरकार आ गया है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीजन में जगह नहीं बना पाए और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाए। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगी।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गई नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती के लिए उत्साहित हूं। मैं कुछ समय से भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जब जरूरत हो तो कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएं अपनाई हैं, चाहे वह मेरे साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी हुई है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

अपनी शादी सहित हाल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के बावजूद, नेहा अपने पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। अपने जीवन के दोनों पहलुओं को संभालना कुछ ऐसा है जो मैं सालों से कर रही हूं। मेरी शादी ने खेल के प्रति मेरे दृष्टिकोण को नहीं बदला है। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितनी मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं अपना सबकुछ देने के लिए तैयार हूं। एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालांकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे करना है, लेकिन उन्हें युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं किसी तरह से वापस देना चाहती हूं, शायद हॉकी अकादमियों में लड़कियों की मदद करके, जिन्हें वित्तीय सहायता की ज़रूरत है।

हर सीरीज में एक विलेन की जरूरत होती है और सिराज अब वह विलेन है: क्लार्क

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अंपायरों से एलबीडब्ल्यू आउट होने की अपील किए बिना विकेट का जश्न मनाने की आदत के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए, और उन्होंने आईसीसी द्वारा उन्हें इसके लिए दंडित नहीं किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया।

सिराज एडिलेड में 140 रन पर आउट होने के बाद ट्रैविस हेड के साथ अपने सेंड-ऑफ विवाद के लिए सुर्खियों में रहे हैं। क्लार्क की टिप्पणी सिराज द्वारा मार्नस लाबुशेन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू आउट होने पर अंपायर की ओर देखे बिना सेलिब्रेट करने के उदाहरण की ओर इशारा करती है, लेकिन रीप्ले में गेंद का अंदरूनी किनारा बड़ा दिखाई देता है। सिराज पर लगातार एलबीडब्ल्यू की अपील करने और अंपायर से न पूछने के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए। वह बल्लेबाज के पैड पर गेंद मारता है और ऐसे भागता है जैसे वह आउट हो। मुझे आश्चर्य है कि आईसीसी ने उस पर जुर्माना नहीं लगाया, क्योंकि मुझे याद है कि जब मैं खेल रहा था, तो हर बार जुर्माना लगाया जाता था। ब्रेट ली इस मामले में सबसे खराब थे और उन्होंने उनसे कहा, अगर आप पीछे मुड़कर अंपायर से नहीं पूछेंगे, तो आप पर जुर्माना लगाया जाएगा। मैं सिराज से इस बात को लेकर उनसे और ट्रैविस हेड से ज्यादा चिंतित हूं। सिराज ने पहले टेस्ट में भी ऐसा किया था। क्लार्क ने सोमवार को बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट शो में कहा, आप जो चाहें उसके लिए अपील कर सकते हैं, लेकिन आपको पीछे मुड़कर अंपायर से पूछना होगा। मुझे वास्तव में आश्चर्य है कि उस पर जुर्माना नहीं लगाया गया। ट्रैविस हेड को भी सेंड-ऑफ देना, उसे बेवकूफ बनाने जैसा था। उस व्यक्ति ने अभी-अभी 140 रन बनाए हैं; किसी को सेंड-ऑफ दें जिसने पांच रन बनाये हों न कि 140।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट क्लार्क ने क्लार्क के विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि सिराज की यह आदत हेड के साथ उनके शब्दों के आदान-प्रदान से कहीं बड़ी समस्या है। मुझे लगता है कि यह (हेड) घटना में जो हुआ, उससे कहीं ज्यादा बुरा है। और यह बात कई बार सामने आई और इस पर चर्चा हुई कि आप ऐसा नहीं कर सकते।

क्लार्क ने कहा, अंपायर काफ़ी स्पष्ट हैं, और नियम भी, कि आपको पीछे मुड़कर सम्मान दिखाना होगा और अंपायर से पूछना होगा कि क्या यह आउट है। यह अच्छा नहीं लग रहा था, वह विकेट के नीचे भागा, आगे बढ़ा, यह आउट है ... फिर जब उन्होंने रीप्ले दिखाया, तो उसने गेंद को अंदर की तरफ़ से अपने पैड पर मारा था। अगर मैं मैच रेफरी या अधिकारी होता, तो मैं कुछ इस तरह कहता, दोस्त, इसे रोकना होगा, क्योंकि यह अच्छा नहीं लगता और इससे अंपायर पर बहुत दबाव पड़ता है, वह भी अनुचित तरीके से।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हेड और सिराज को आचार संहिता के उल्लंघन के लिए आईसीसी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, क्लार्क ने कहा कि उन्हें दोनों के बीच झड़प से कोई बड़ी समस्या नहीं है, हालांकि उन्हें लगता है कि इस घटना ने सिराज को बाकी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई जनता की नज़र में खलनायक बना दिया है। हेड के साथ झड़प के बाद, सिराज को पिंक-बॉल टेस्ट में गेंदबाजी या बल्लेबाजी करने के लिए आते समय एडिलेड ओवल की भीड़ से हूटिंग का सामना करना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि खेल जारी रहेगा। उन्हें कलाई पर एक शरारती लड़के की मार पड़ेगी, हम सभी उम्मीद करते हैं। मुझे यकीन है कि उन्हें जुर्माना लगेगा, जिसे वे शायद अपनी जेब से बची हुई रकम से चुकाएंगे, और फिर मुझे उम्मीद है कि यह खेल जारी रहेगा।

यह बहुत अच्छा नहीं लग रहा था... लेकिन जो कहा गया, उसे लेकर बहुत भ्रम था। मोहम्मद सिराज ने एक बात सोची, अपनी बाहें लहराईं, ट्रैविस हेड एक बात कह रहे थे। निष्पक्ष रूप से कहें तो मैदान में इसने दिन के नाटक को और भी मजेदार बना दिया। हर सीरीज में एक खलनायक की जरूरत होती है - मोहम्मद सिराज अब वह खलनायक है और मुझे लगता है कि ब्रिसबेन में आने वाली सीरीज में यह बहुत ही शानदार होगा, जहां जब वह बल्लेबाजी करने के लिए उतरेगा और जब वह गेंदबाजी करने आएगा, तो युवा और बूढ़े दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगे; एक अच्छे टकराव वाले तरीके से। अगर वे खेल से बाहर हो गए तो मैं निराश हो जाऊंगा, मुझे लगता है कि इससे सभी निराश होंगे।

सिराज और राणा बुमराह का साथ देने के लिए उस स्तर पर नहीं थे: गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के महान विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा एडिलेड में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का साथ देने के लिए वांछित स्तर पर नहीं थे। पर्थ में भारत की 295 रनों की जीत में आठ विकेट लेने वाले बुमराह ने एडिलेड में पहली पारी में 4/61 विकेट लिए । हालांकि सिराज ने 4-98 विकेट लिए, लेकिन उनका इकॉनमी रेट चार था, जबकि राणा, जिन्होंने पर्थ में चार विकेट लेकर डेब्यू किया था, ने एक भी विकेट लिए बिना 86 रन दिए।

गिलक्रिस्ट ने सोमवार को फॉक्स क्रिकेट के द फॉलो-ऑन पॉडकास्ट पर कहा, सीरीज़ में आने से पहले, भारत के लिए अनिश्चितता थी कि बुमराह का साथ देने वाला कौन है। सिराज और राणा ने पर्थ में वास्तव में अच्छा काम किया, लेकिन वे एडिलेड में उसी स्तर पर नहीं थे। यह अभी भी उस चर्चा का स्पष्ट हिस्सा है। बुमराह एक निश्चित स्तर पर हैं, और बाकी सभी अभी उस स्तर पर नहीं हैं। उनका यह भी मानना है कि अगर तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पूरी तरह से फिट हैं, तो उन्हें ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में वापस आना चाहिए। साइड स्ट्रेन से उबरने के बाद वे एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की दस विकेट की जीत से बाहर रहे। उन्होंने कहा,मुझे उम्मीद है कि अगर हेजलवुड फिट हैं, तो वे हेजलवुड को वापस बुलाएंगे, खासकर गाबा में। मुझे लगता है कि परिस्थितियां उनके अनुकूल होंगी। मेरा मतलब है, आप जिस भी दिशा में जाएं, आपको पता है कि आपको क्या मिलेगा, और वह है निरंतरता और विरोधी बल्लेबाजी क्रम जो खतरे में होगा।

अगर हेजलवुड आते हैं, तो एडिलेड में पांच विकेट लेने वाले स्कॉट बोलैंड उनके लिए जगह बना सकते हैं। गिलक्रिस्ट को लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए बोलैंड के रूप में एक मजबूत रिजर्व गेंदबाज होना एक प्लस प्वाइंट है, जो जब भी जरूरत होगी टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। स्कॉटी के लिए यह समय दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे उनका प्रदर्शन बहुत पसंद आया। यह ऐसा है जैसे बॉल मशीन को प्लग इन किया जाता है, जिसमें एक सेटिंग होती है और यह फिर से उसी सेटिंग पर आ जाती है। मुझे यह पसंद आया कि कैसे भीड़ और ब्रॉडकास्टर उनका स्वागत करते हैं। उनकी कहानी बहुत ही रोचक है, वह इतने विनम्र व्यक्ति हैं, जो अपने काम के दिन को बिताकर पूरे देश और ग्रैंडस्टैंड में बैठे 50,000 लोगों को रोमांचित कर सकते हैं।

भारत के कुश मैनी ने फॉर्मूला2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीतकर रचा इतिहास

अबुधाबी, एजेंसी। भारतीय ड्राइवर कुश मैनी ने यहां एफ2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय ड्राइवर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

अगर शमी को चौथे टेस्ट के लिए बुला रहे तो न ही बुलाएं: बासित अली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में दो दिन से भी कम समय में 10 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पर्थ में 295 रनों से जीत दर्ज करने के बाद भारत ने पिंक-बॉल टेस्ट में भी औसत प्रदर्शन किया जिस कारण ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज की।

दोनों पारियों में बल्लेबाजों के फ्लॉप होने के अलावा भारतीय गेंदबाजों ने भी निराश किया, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की निर्णायक बढ़त हासिल की। ??तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुरुआती सफलताएं हासिल कीं लेकिन उन्हें दूसरों से समर्थन नहीं मिला। दूसरे टेस्ट में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि भारत को तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जरूरत है ताकि गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिल सके। चोट के कारण एक साल तक बाहर रहने के बाद घरेलू क्रिकेट खेल रहे शमी के जल्द ही ऑस्ट्रेलिया रवाना होने की उम्मीद है, लेकिन टीम प्रबंधन उनकी अंतरराष्ट्रीय वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं कर रहा है।

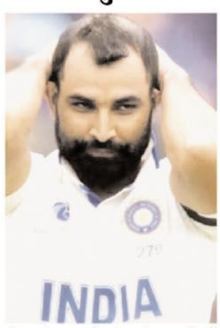

बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, हमें खबर मिल रही है कि शमी जा रहे हैं, लेकिन चौथे टेस्ट से खेल सकते हैं। अगर भारत शमी को चौथे टेस्ट से खिलाता है तो कोई फायदा नहीं होगा। उन्हें अभी भेजकर ब्रिसबेन टेस्ट में खिलाएं। अगर आप उन्हें मेलबर्न के लिए बुला रहे हैं, तो उन्हें बिल्कुल भी न बुलाएं। भारत को अभी शमी की जरूरत है! आपके पेस अटैक को शमी की जरूरत है।

शमी की फिटनेस पर रोहित ने दिया अपडेट - दूसरे मैच में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि शमी के घुटने में एक बार फिर कुछ सूजन आ गई हैक्योंकि उन्होंने मुश्ताक अली ट्रॉफी के 7 मैच खेले हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शमी की वापसी की संभावना है, रोहित ने अपने जवाब में सावधानी बरती। उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, निश्चित रूप से। उनके लिए दरवाजे पूरी तरह से खुले हैं। लेकिन हम सिर्फ उनकी निगरानी कर रहे हैं क्योंकि सैयद मुश्ताक अली टी20 खेलते समय उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई, जो जाहिर तौर पर टेस्ट मैच खेलने के लिए उनकी तैयारी में बाधा डाल रही है। हम बहुत-बहुत सावधान रहना चाहते हैं। गौर हो कि शमी ने रणजी ट्रॉफी मैच में 42 ओवर गेंदबाजी करने के अलावा 13 दिनों में 7 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 मैच भी खेले थे।

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को 109 रन से हराया

सीरीज 2-0 से जीती, बावुमा प्लेयर ऑफ द सीरीज

केनबरा, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को 109 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। केबेरा के सेंट जॉर्ज पार्क स्टेडियम में टेम्बा बावुमा की टीम ने 348 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में श्रीलंका 238 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ नंबर-1 पर कब्जा जमा लिया है। पांचवें दिन श्रीलंका को 143 रन की जरूरत थी। जबकि साउथ अफ्रीका को 5 विकेट चाहिए थे। लेकिन टीम अपने कल के स्कोर 205 रन में मात्र 33 रन जोड़ सकी और ऑलआउट हो गई। प्रोटियाज टीम से केशव महाराज ने 5 विकेट लिए। डेन पैटरसन ने मैच में 7 विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं 2 मैच में 327 रन बनाने वाले कप्तान बावुमा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब मिला।

कप्तान सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज फेल - श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा के अलावा बाकी बल्लेबाज पूरी तरह से फ्लॉप रहे। सिल्वा ने 92 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने 46 रन बनाए। आखिरी के 4 बल्लेबाज मिलकर 15 रन ही जोड़ सके। स्पिनर केशव महाराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लिए।

बावुमा ने फिफ्टी लगाई - चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 191/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 36 और कप्तान टेम्बा बावुमा ने 48 रन के स्कोर से अपनी पारी आगे बढ़ाई। बावुमा ने फिफ्टी लगाई, वह 66 रन बनाकर आउट हुए, वहीं स्टब्स ने 47 रन बना दिए।

डेविड बेडिंघम ने 35 रन का योगदान दिया। 5 टैलेंडर्स ने भी 8 से 14 रन की पारियां खेलीं और स्कोर 317 रन तक पहुंचा दिया। पहली पारी में साउथ अफ्रीका ने 30 रन की बढ़त ली थी, इसलिए श्रीलंका को 348 रन का टारगेट मिला।

जयसूर्या को 5 विकेट - श्रीलंका से दूसरी पारी में स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने 5 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो को 2 विकेट मिले, वहीं असिथा फर्नांडो और लहिरु कुमारा के हाथ 1-1 सफलता आई। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

श्रीलंका की खराब शुरुआत - 348 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम की शुरुआत खराब रही। दिमुथ करुणारत्ने 1 और पाथुम निसांका 18 रन बनाकर आउट हो गए। मिडिल ऑर्डर बैटर्स ने पारी संभाली, लेकिन 3 बैटर्स सेट होने के बाद आउट हो गए। दिनेश चांदीमल ने 29, एंजलो मैथ्यूज ने 32 और कामिंडु मेंडिस ने 35 रन बनाए। कप्तान धनंजय डि सिल्वा ने फिर कुसल मेंडिस के साथ टीम को संभाला। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और स्कोर 200 रन के पार पहुंचा दिया। स्टंप्स तक टीम ने 205 रन बना लिए, कुसल और धनंजय दोनों 39-39 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। साउथ अफ्रीका से केशव महाराज और डैन पैटरसन 2-2 विकेट ले चुके हैं। एक विकेट कगिसो रबाडा को भी मिला।